संपूर्ण भारत के लिए एक प्रकाशन

दैनिक घटती घटना

RNI Reg.No.-CHHHIN/2004/15050
Postal Reg.No.-13/Surguja DN/2023-2025

Www.ghatatighatana.com

Ghatatighatana11@gmail.com

अम्बिकापुर,वर्ष 19,अंक -190 शनिवार ,13 मई 2023,पृष्ठ - 8+4 मूल्य 2 रूपये

सीबीएसई 12वीं का रिजल्ट हुआ घोषित

87.33 प्रतिशत हुए पास; त्रिवेंद्रम 99.91 प्रतिशत के साथ टॉप पर

नई दिल्ली ,12 मई,2023 (ए)। सीबीएसई कक्षा 12 का रिजल्ट जारी हो चुका है। इस बार कुल उत्तीर्ण प्रतिशत 87.33प्रतिशत है। बोर्ड ने अभी तक तो सीबीएसई ने 12वीं का रिजल्ट जारी किया है, हालांकि जानकारी के मुताबिक 10वीं का रिजल्ट भी आज ही जारी किया जाएगा।

बता दें कि त्रिवेंद्रम रीजन 99.91 पास प्रतिशत के साथ टॉप पर है। लड़कियां 90.68 पास प्रतिशत के साथ लड़कों से 6.01प्रतिशत आगे हैं। अस्वस्थ प्रतिस्पर्धा से बचने के लिए सीबीएसई अपने छात्रों को फर्स्ट, सेकेंड और थर्ड डिवीजन नहीं देगा।

रीजन वाइज ऐसा रहा रिजल्ट

त्रिवेंद्रम- 99.91 फीसदी
बंगलुरू - 98.64 फीसदी
चेन्नई - 97.40 फीसदी
दिल्ली वेस्ट - 93.24 फीसदी
चंडीगढ़ - 91.84 फीसदी
दिल्ली ईस्ट - 91.50 फीसदी
अजमेर - 89.27 फीसदी
पुणे - 87.28 फीसदी
पंचकुला - 86.93 फीसदी
पटना - 85.47 फीसदी
भुवनेश्वर - 83.73 फीसदी
गुवाहाटी- 83.73 फीसदी
भोपाल - 83.54 फीसदी
नोएडा - 80.36 फीसदी
देहरादून - 80.26 फीसदी
प्रयागराज - 78.05 फीसदी

गौर हो कि 11 मई को रिजल्ट जारी होने की सूचना वायरल हो रही थी, जिस पर बोर्ड के अधिकारियों ने कहा था कि अभी रिजल्ट की डेट नहीं घोषित की गई है। सीबीएसई 12वीं के नतीजे आज, 12 मई को घोषित कर दिए गए हैं। स्टूडेंट्स आधिकारिक वेबसाइट पर अपने रोल नंबर दर्ज कर नतीजे चेक कर सकते हैं।

पीएम मोदी ने उत्तीर्ण हुए छात्रों को दी बधाई,

सीबीएसई बोर्ड ने शुक्रवार को एक साथ 10वीं और 12वीं के नतीजे घोषित कर दिए है। रिजल्ट के बाद सभी छात्रों के बीच खुशी लहर है। वही रिजल्ट आने के बाद प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने उत्तीर्ण हुए छात्रों को बधाई दी। पीएम ने उन्हें 'एग्जाम वॉरियर्स' की संज्ञा दी और कहा कि जो छात्र महसूस करते हैं कि वे बेहतर प्रदर्शन कर सकते थे, उनके पास अभी आगे देखने के लिए काफी कुछ है, क्योंकि एक परीक्षा किसी व्यक्ति को परिभाषित नहीं करती है। छात्रों की इन सफलता पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने उन्हें बधाई दी है। उन्होंने कहा कि मुझे इन युवाओं की कड़ी मेहनत और दृढ़ संकल्प पर गर्व है।

कौन होगा जालंधर का नया सांसद? फैसला आज

जालंधर ,12 मई,2023 (ए)। जालंधर लोकसभा सीट पर उपचुनाव के बाद अब 13 मई शनिवार को मतगणना होगी जिसके लिए सुरक्षा के कड़े बंदोबस्त किए गए हैं। कांग्रेस पार्टी का गढ़ मानी जाने वाली जालंधर लोकसभा सीट के लिए हुए उपचुनाव में आप, कांग्रेस, शिरोमणि अकाली दल और भाजपा के बीच चतुष्कोणीय चुनावी मुकाबला रहा।

कांग्रेस सांसद संतोख सिंह चौधरी की जनवरी में पार्टी की भारत जोड़ो यात्रा के दौरान दिल का दौरा पड़ने से मौत हो गई थी और उसी के चलते इस सीट पर उपचुनाव कराया गया है। उपचुनाव को एक साल पुरानी भगवंत मान के नेतृत्व वाली आप सरकार के कार्य प्रदर्शन की परीक्षा के रूप में भी देखा जा रहा है जो मुफ्त बिजली, युवाओं को रोजगार, ठेका कर्मचारियों को नियमित करने तथा भ्रष्टाचार के खिलाफ कार्रवाई जैसे बहुत से मुद्दों पर सक्रियता से कार्रवाई करने के वादे के साथ सत्ता में आयी थी। कांग्रेस भी जालंधर सीट पर अपनी पकड़ बरकरार रखने की पूरी कोशिश में है जिसे उसका गढ़ माना जाता है।

कांग्रेस इस सीट पर 1999 से लगातार जीत दर्ज करती आयी है। अधिकारियों ने शुक्रवार को बताया कि मतगणना सुबह आठ बजे शुरू होगी और कपूरथला रोड स्थित निदेशक भू-अभिलेख एवं स्पोर्ट्स कॉलेज परिसर के कार्यालय में स्थापित मतगणना केंद्रों के आसपास सुरक्षा बढ़ा दी गयी है।

एससी ने 'द केरला स्टोरी' के बैन पर पश्चिम बंगाल और तमिलनाडु सरकार से मांगा जवाब

» कहा-'जब पूरे देश में फिल्म दिखाई जा रही है तो'...

नई दिल्ली 12 मई,2023 (ए)। सुप्रीम कोर्ट ने द केरला स्टोरी' पर बैन को लेकर पश्चिम बंगाल और तमिलनाडु सरकार को नोटिस जारी कर जवाब मांगा है। सुप्रीम कोर्ट ने फिलहाल बंगाल में द केरला स्टोरी पर लगे प्रतिबंध को नहीं हटाया है। सुप्रीम कोर्ट ने ममता सरकार से पूछा कि फिल्म देश के अलग-अलग हिस्सों में रिलीज हुई है, तो फिर पश्चिम बंगाल में फिल्म पर क्यों बैन लगा दी गई है?

मामले पर सुनवाई करते हुए चीफ जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़ ने कहा, ÷जब पूरे देश में फिल्म दिखाई जा रही है तो बंगाल में क्यों नहीं? लोगों को तय करने दें कि फिल्म अच्छी है या बुरी।÷ सुप्रीम कोर्ट में मामले पर अगली सुनवाई 17 मई को होगी।

सुप्रीम कोर्ट बंगाल और तमिलनाडु सरकार को जारी किया नोटिस

सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि अगर कहीं और रिलीज हुई है तो? यह पश्चिम बंगाल के समान जनसांख्यिकीय प्रोफ़ाइल के साथ विभिन्न भागों में चल रहा है और इसका सिनेमाई मूल्य कुछ भी नहीं है। यह अच्छा या बुरा हो सकता है।

सुप्रीम कोर्ट ने तमिलनाडु सरकार को नोटिस जारी किया है, जहां राज्य सरकार की ओर से सिनेमाघरों को इस फिल्म को लेकर अलर्ट जारी किया था। जहां फिल्म के शो रद्द हो गए थे।

सुनवाई के दौरान किसने क्या कहा?

सुनवाई के दौरान फिल्म मेकर्स के वकील हरीश साल्वे ने कहा, 5 मई को फिल्म केंद्रीय फिल्म प्रमाणन बोर्ड के सर्टिफिकेट के बाद रिलीज हुई। पश्चिम बंगाल ने फिल्म पर रोक लगा दी। तमिलनाडु में भी फिल्म नहीं दिखाने दी जा रही है. सुप्रीम कोर्ट पहले कई मामलों में राज्य सरकार की तरफ से लगाई गई रोक को रद्द कर चुका है और राज्य सरकार को कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए कह चुका है।

इस पर सीजेआई ने कहा, हम नोटिस जारी कर देते हैं. जल्द सुनवाई करेंगे। पश्चिम बंगाल सरकार के वकील अभिषेक मनु सिंघवी ने दलील दी, इनको हाई कोर्ट जाने के लिए कहा जाना चाहिए। सिंघवी ने कहा, राज्य सरकार को फिल्म से कानून-व्यवस्था बिगड़ने की आशंका वाली कई रिपोर्ट मिली थीं।

टैंक की सफाई के दौरान एक ही परिवार के पांच मजदूरों की मौत

परभणी ,12 मई,2023 (ए)। महाराष्ट्र राज्य के मराठवाड़ा क्षेत्र के परभणी जिले के सोनपेठ तालुका के भौचा टांडा शिवरा में सुरक्षा टैंक की सफाई के दौरान एक ही परिवार के पांच मजदूरों की मौत हो गई और एक गंभीर रूप से घायल हो गया।

प्राप्त जानकारी के मुताबिक भौचा टांडा शिवारा स्थित मारुति दगडू राठौड़ के अखाड़े में गुरुवार को दोपहर सेफ्टी टैंक की सफाई के दौरान यह घटना घटी। मृतकों की पहचान शेख सादिक (45), शेख शाहरुख (20), शेख जुनैद (29), शेख नवीद (25), शेख फिरोज (19) के रूप में हुई, जबकि शेख साबिर (18) घायल हो गए, जिनका एक निजी अस्पताल में इलाज चल रहा है, परली में है और उसकी हालत गंभीर बताई जा रही है।इस बीच महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने शुक्रवार को परभणी जिले में हुई घटना पर दुख व्यक्त किया और प्रत्येक मृतक के वारिसों को राज्य सरकार के सामाजिक न्याय विभाग की योजना के माध्यम से 10-10 लाख रुपये का भुगतान करने का निर्देश दिया।

सुप्रीमकोर्ट की बड़ी कार्यवाही

» राहुल गांधी को दोषी ठहराने वाले जज समेत 68 न्यायिक अधिकारियों के प्रमोशन पर लगाई रोक

नई दिल्ली ,12 मई,2023 (ए)। सुप्रीम कोर्ट ने मानहानि मामले में कांग्रेस नेता राहुल गांधी को दोषी करार देने वाले जज हरीश हसमुखभाई वर्मा समेत गुजरात के 68 निचले न्यायिक अधिकारियों का प्रोमोशन रोक दिया है। जस्टिस एम.आर. शाह और सी.टी. रविकुमार ने कहा कि उच्च न्यायालय द्वारा जारी की गई सूची और उसके बाद राज्य सरकार द्वारा जिला न्यायाधीशों को पदोन्नति देने का आदेश अवैध और इस अदालत के फैसले के विपरीत है।

पीठ ने पदोन्नति पर रोक लगाते हुए अंतरिम आदेश पारित किया और कहा कि इस मामले की सुनवाई एक उपयुक्त पीठ द्वारा की जानी चाहिए क्योंकि न्यायमूर्ति शाह 15 मई को सेवानिवृत्त होने वाले हैं।

शीर्ष अदालत ने कहा कि न्यायिक अधिकारियों की पदोन्नति ने 2011 में संशोधित गुजरात राज्य न्यायिक सेवा नियम 2005 का उल्लंघन किया। नियमों के अनुसार, योग्यता-सह-वरिष्ठता के सिद्धांत और उपयुक्तता परीक्षण पास करने के बाद ही पदोन्नति की जानी चाहिए।

पीठ ने पदोन्नति सूची के कार्यान्वयन पर रोक लगाते हुए संबंधित जजों को उनके मूल पदों पर भेज दिया, जिन पर वे अपनी पदोन्नति से पहले काम कर रहे थे।

शीर्ष अदालत का आदेश वरिष्ठ सिविल जज कैडर के अधिकारियों रविकुमार महेता और सचिन प्रतापराय मेहता की याचिका पर आया, जिसमें जिला न्यायाधीशों के उच्च कैडर में 68 न्यायिक अधिकारियों के चयन को चुनौती दी गई थी।

शीर्ष अदालत ने 28 अप्रैल के अपने आदेश में कहा था- यह बहुत दुर्भाग्यपूर्ण है कि इस तथ्य के बावजूद कि प्रतिवादी, विशेष रूप से राज्य सरकार, वर्तमान कार्यवाही से अवगत थी और ..इसके बावजूद राज्य सरकार ने वर्तमान कार्यवाही में इस अदालत द्वारा जारी नोटिस की प्राप्ति के बाद 18 अप्रैल 2023 को पदोन्नति आदेश जारी किया है।

खंडपीठ ने कहा, हम उस जल्दबाजी और हड़बड़ी की सराहना नहीं करते हैं जिसमें राज्य ने 18 अप्रैल 2023 को पदोन्नति आदेश को मंजूरी दी और पारित किया। यह ध्यान दिया जाना चाहिए कि चयन वर्ष 2022 का था और इसलिए पदोन्नति आदेश पारित करने में कोई असाधारण जल्दबाजी नहीं थी और वह भी तब जब यह मामला अदालत में था।

सूरत के सीजेएम वर्मा वर्तमान में गुजरात सरकार के कानूनी विभाग में अवर सचिव और राज्य कानूनी सेवा प्राधिकरण में सहायक निदेशक के रूप में कार्यरत हैं।

शीर्ष अदालत ने दो न्यायिक अधिकारियों की याचिका पर 13 अप्रैल को राज्य सरकार और गुजरात उच्च न्यायालय के रजिस्ट्रार जनरल को नोटिस जारी किया था।

शीर्ष अदालत ने अपने 28 अप्रैल के आदेश में कहा था, हमारी प्रथम दृष्टया यह राय है कि यह अदालत की प्रक्रिया और वर्तमान कार्यवाही को दरकिनार करने के अलावा और कुछ नहीं है। राज्य सरकार के सचिव को पदोन्नति देने और 18 अप्रैल 2023 की अधिसूचना जारी करने के मामले में दिखाई गई असाधारण तात्कालिकता को स्पष्ट करना चाहिए।

अडानी-हिंडनबर्ग विवाद मामले में जांच के लिए सेबी को अतिरिक्त तीन माह देने का सुप्रीम कोर्ट का संकेत

नई दिल्ली ,12 मई,2023 (ए)। उच्चतम न्यायालय ने शुक्रवार को कहा कि अडानी समूह की कंपनियों को लेकर हिंडनबर्ग रिसर्च रिपोर्ट से जुड़े विवाद की जांच पूरी करने के लिए भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) की ओर से और समय देने के आवेदन पर आदेश पारित करने के वास्ते मामले की सुनवाई सोमवार को होगी। शीर्ष अदालत ने संकेत दिया कि वह सेबी को अपनी जांच पूरी करने के लिए तीन महीने का और समय दे सकती है।

मुख्य न्यायाधीश डी. वाई. चंद्रचूड़ और न्यायमूर्ति पी. एस. नरसिम्हा और जे. बी. पारदीवाला की पीठ ने यह भी कहा कि उसे उसके द्वारा नियुक्त न्यायमूर्ति अभय मनोहर सप्रे समिति की रिपोर्ट मिल गई है, लेकिन समयाभाव के कारण वह उस रिपोर्ट को नहीं पढ़ सकी, इसलिए इस मामले (अतिरिक्त समय देने) पर सोमवार को विचार किया जाएगा।

शीर्ष अदालत ने सुनवाई के दौरान मेहता को संकेत दिया कि वह (आपको) सेबी को तीन महीने का समय देगी और मामले पर विचार के लिए 14 अगस्त का तारीख तय करेगी। न्यायमूर्ति चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली पीठ ने सेबी का पक्ष रख रहे मेहता से कहा, आप तीन महीने में अपनी जांच पूरी करें और हमारे पास वापस आएं, क्योंकि कुछ तत्परता होनी चाहिए। हम यह नहीं कह सकते कि आपको कम से कम छह महीने की जरूरत है।

याचिकाकर्ताओं की ओर से पेश अधिवक्ता प्रशांत भूषण ने सेबी को छह महीने के अतिरिक्त समय की याचिका का विरोध किया। उन्होंने कहा कि उन्हें (सेबी को) अब तक की गई जांच की जानकारी अदालत को देनी चाहिए थी। उन्होंने कहा, इस मामले पर अब तक क्या जांच हुई है, क्योंकि हिंडनबर्ग पहली बार ये आरोप नहीं लगा रहा था।पीठ ने उनके तर्क से असहमति जताते हुए कहा, मान लीजिए कि वे हमें बताते हैं कि उन्होंने जांच में अब तक क्या सीखा है, तो उन्हें इसका खुलासा करने के लिए कहने से उनकी जांच प्रभावित होगी। यह एक आपराधिक जांच नहीं है कि हम केस डायरी को देख रहे हैं। यह इस चरण में उचित नहीं होगा।

मेहता ने आगे कहा, मैंने सर्वोच्च प्रशासनिक स्तर से निर्देश लिया है। छह महीने भी एक संकुचित अवधि होती है और मैं इसे कुछ हद तक ईमानदारी के साथ कह रहा हूं। मैं किसी चीज का वादा नहीं करूंगा, जो हम भी जानते हैं कि कुछ हासिल नहीं किया जा सकता है।

सीएम भगवंत मान का ऐलान

» पंजाब में अब औद्योगिक जमीन के लिए इस्तेमाल होगा हरे रंग का स्टांप पेपर

चंडीगढ़ ,12 मई,2023 (ए)। पंजाब सरकार ने राज्य में उद्योग धंधे लगाने के लिए हरे रंग का स्टाम्प पेपर शुरू करने का निर्णय लिया है। मुख्यमंत्री भगवंत मान ने शुक्रवार को यह जानकारी एक वीडियो के माध्यम से सांझा की। उन्होंने उदाहरण देते हुए बताया कि कोई उद्योगपति राज्य में कोई फैक्टरी लगाने के लिए 20 एकड़ जमीन चिह्नित करता है तो उसे इनवेस्ट पंजाब के पोर्टल पर या कार्यालय में आकर जमीन का स्थान और खसरा नंबर की जानकारी देनी होगी। उसके बाद सीएलयू की टीम दस दिन के भीतर जगह का मुआयना कर मंजूरी देगी। मान ने कहा कि इस प्रक्रिया के बाद उद्योगपति को हरे रंग का स्टाम्प लेना होगा जो अन्य स्टाम्प से थोड़ा महंगा है। उन्होंने कहा कि इस स्टाम्प में सीएलयू, वन विभाग, पर्यावरण और

दमकल विभाग से संबंधित सभी (एनओसी) का धन इसमें शामिल मोहर एक स्टाम्प (हरा स्टाम्प) पर लगा दी जायेगी। उन्होंने कहा कि हरा स्टाम्प का अर्थ है कि उद्योगपति ने संबंधित सभी विभागों की एनओसी ली हुई हैं। उन्होंने कहा कि इससे व्यापारियों और उद्योगपतियों को कार्यालयों के चक्कर काटने से राहत मिलेगी।

मान ने कहा कि उद्योग धंधों के लिए हरा स्टाम्प पेपर शुरू करने वाला पंजाब देश का पहला राज्य होगा। उन्होंने उम्मीद जाहिर की कि यह निर्णय कामयाब होगा और बाकी राज्य भी भविष्य में इसकी शुरूआत करेंगे।

एयर इंडिया पर डीजीसीए का शिकंजा

» महिला मित्र को कॉकपिट में बैठाने पर 30 लाख का जुर्माना,

» पायलट का लाइसेंस सस्पेंड

नई दिल्ली ,12 मई,2023 (ए)। नागरिक उड्डयन महानिदेशालय (डीजीसीए) ने नियमों की अनदेखी करने पर एयर इंडिया के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की है। फ्लाइट में पायलट द्वारा महिला मित्र को कॉकपिट में बैठाने पर डीजीसीए ने शिकंजा कसा है। नियमों की अनदेखी करने के लिए एयरलाइन पर 30 लाख रुपये का जुर्माना लगाया है। इसके साथ ही डीजीसीए ने एयर इंडिया के पायलट का लाइसेंस तीन महीने के लिए सस्पेंड कर दिया है। नागरिक उड्डयन नियामक ने सुरक्षा संबंधी संवेदनशील मुद्दे को तुरंत और प्रभावी ढंग से हल नहीं करने के लिए एयरलाइन पर 30 लाख रुपये का जुर्माना लगाया है। नियमों की अनदेखी और यात्रियों की सुरक्षा के साथ खिलवाड़ करने पर यह कार्रवाई की गई है। एयर इंडिया के कैप्टन ने 27 फरवरी को अपनी लेडी फ्रेंड को फ्लाइट के कॉकपिट में जाने दिया था। यह घटना दुबई से दिल्ली आने वाली फ्लाइट में हुई। जहां एक पायलट ने कॉकिपिट में महिला मित्रा को आने दिया। डीजीसीए ने कहा कि पायलट ने अपने अधिकार का दुरुपयोग किया है।

शाहरुख के बेटे को गिरफ्तार करने वाले समीर वानखेड़े के खिलाफ सीबीआई ने दर्ज किया भ्रष्टाचार का मामला

मुंबई ,12 मई,2023 (ए)। केंद्रीय जांच ब्यूरो ने समीर वानखेड़े के खिलाफ भ्रष्टाचार का मामला दर्ज किया है। एनसीबी की विजिलेंस रिपोर्ट की फैक्ट्स फाइंडिंग रिपोर्ट के आधार पर सीबीआई ने यह मामला दर्ज किया है। समीर वानखेड़े ने दो साल पहले कथित करूज ड्रग्स मामले में शाहरुख खान के बेटे आर्यन खान को गिरफ्तार किया था। इस मामले में वानखेड़े और अन्य पर कथित तौर पर आर्यन खान को नहीं फंसाने के लिए 25 करोड़ रुपये की रिश्वत मांगने का आरोप है। उस वक्त समीर वानखेड़े मुंबई नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो के अधिकारी थे।

संपादकीय

जंतर-मंतर का अखाड़ा

भाजपा नेतृत्व ने अगर बिल्कुल अल्पकालिक नजरिया अपना रखा हो, तो बात दीगर है। वरना, अगर पार्टी के अंदर किसी को अपने दीर्घकालिक भविष्य की चिंता है, तो उसे जंतर-मंतर से उठ रही आवाजों पर अवश्य ध्यान देना चाहिए।

पहलवानी के अंतरराष्ट्रीय अखाड़ों में भारत का नाम रोशन कर चुके पहलवानों को नई दिल्ली के जंतर-मंतर पर अखाड़ा लगाना पड़ा, क्योंकि उनकी एक साधारण-सी मांग आज के सत्ता प्रतिष्ठान को मंजूर नहीं है। लेकिन देखते-देखते अब यह सिर्फ उनका अखाड़ा नहीं रह गया है। इस पर सत्ता पक्ष की तरफ से शिकायत जताई जा रही है कि पहलवानों के मुद्दे को अब सियासी रंग दिया जा रहा है। लेकिन यहां ये बात ध्यान में रखनी चाहिए कि भारतीय कुश्ती परिसंघ के प्रमुख बृजभूषण सिंह के खिलाफ यौन उत्पीड़न का आरोप लगाते हुए जब पहली बार पहलवान जंतर-मंतर पर आए थे, तब उन्होंने वहां पहुंचने वाले राजनेताओं को अपने मंच पर बिल्कुल जगह नहीं दी थी। लेकिन जब तीन महीने तक गैर-राजनीतिक ढंग से अपनी मुहिम चलाने और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की न्याय भावना पर भरोसा रखने के बावजूद उन्हें हताशा हाथ लगी, तो उसके लिए जिम्मेदार कौन है? बहरहाल, अब जंतर-मंतर सिर्फ विपक्षी राजनेताओं का ही नहीं, बल्कि किसानों और खाप पंचायत समेत तमाम तरह के सामाजिक संगठनों की गोलबंदी का भी केंद्र बन गया है।

रविवार को खाप पंचायतों और किसान संगठनों ने संघर्ष में अपनी ताकत झोंकने का इरादा जता दिया। इससे यह साफ संकेत मिला है कि जिस तरह 2020 में शुरू हुआ किसान आंदोलन लंबा चला था, अब यह संघर्ष भी लंबा चलेगा। भारतीय जनता पार्टी को संभवतः यह भरोसा है कि इससे उसके समर्थक तबकों पर कोई फर्क नहीं पड़ता, बल्कि जाट बनाम राजपूत का टकराव पैदा का लाभ उसे देश के कुछ इलाकों में मिलेगा और साथ ही हरियाणा में जाट बनाम गैर-जाट का उसका समीकरण पुख्ता होगा, मगर यह संघर्ष देश के एक बड़े हिस्से में उबलती रही जन-भावनाओं को एक और अभिव्यक्ति का मौका भी बन रहा है। इस मामले में भाजपा पर एक «दुराचारी» को बचाने के इल्जाम लग रहे हैं। किसी भी सियासी ताकत की राजनीतिक पूंजी इसी तरह धीरे-धीरे चूकती है।

भाजपा नेतृत्व ने अगर बिल्कुल अल्पकालिक नजरिया अपना रखा है, तो उसे यह बात समझ में नहीं आएगी। लेकिन पार्टी के अंदर किसी को भी अपने दीर्घकालिक भविष्य की चिंता हो, तो उसे जंतर-मंतर से उठ रही आवाजों पर अवश्य ध्यान देना चाहिए।

खुशी जीवन में सफलताओं की चाबी है

» जीवन की छोटी-छोटी बातों में खुशी ढूंढकर खुशी का आनंद लेकर खुश रहें

» हम भारतीय विपरीत परिस्थितियों में भी सकारात्मक पल ढूंढकर खुशी का इज़हार करना जानते हैं

मानव जीवन रूपी गाड़ी के सुख और दुख, खुशी और गम रूपी दो ऐसे पहिए हैं जिसके बगैर जीवन रूपी गाड़ी चलना मुश्किल है, क्योंकि ऊपर वाले ने सृष्टि में मानव जीवन की रचना कर सफ़लताओं और सहायता के लिए ही यह दोनों पहियों को मानव जीवन में संचारित किए हैं।खुशी मनीषियों के अहंकार, अहम, अभिमान से अलंकृत होने का न्योता भी साथ-साथ देती है तो गम मनीषियों को सबक, सीख, नम्रता, सद्भाव सीखने का न्योता देता है, याने जीवन के दोनों पहियों से मानव को कौशलता से सीखने की ज़रूरत है।

जब दोनों पहियों रूपी परिस्थितियों में मानव खुशरंग जीवन जीने की कला अपनी कौशलता से सीख लेगा तो अपने जीवन की गाड़ी को सफ़लता से अपने ऊंचे मानवीय सकारात्मक स्तरों को छू लेगा और मनुष्य जीवन के लिए एक मिसाल कायम कर अपना, अपने कुल और राष्ट्र का नाम ऊंचा करने का सामर्थ्य प्राप्त करेगा क्योंकि खुशी सफलता की चाबी है।

साथियों बात अगर हम जीवन के एक पहिए खुशी की करें तो खुशियों को हम खुद अपनी कौशलता से अपने जीवन की छोटी-छोटी बातों में ढूंढ कर खुशी का आनंद ले कर खुश रह सकते हैं जो विपरीत परिस्थितियों में भी सकारात्मक पल ढूंढकर, खुशी का इजहार कर अपने कौशलता से दूसरों को प्रोत्साहित कर मानवता धर्म को अदा कर हो सकते हैं। हम अगर सृष्टि में देखें तो कैसे कांटो के बीच भी गुलाब का फूल शिद्दत से खिलता मुस्कुराता रहता है,बस, यह तो हमारे लिए बहुत बड़ी सीख की ओर इशारा है।

साथियों बात अगर हम हमारे जीवन के पलों पर जमाने छिटकाशी की करें तो हमने1974 में आई हिंदी फिल्म अमर प्रेम का गाना,, कुछ तो लोग कहेंगे, लोगों का काम है कहना, छोड़ो बेकार की बातें, सुनें होंगे इसलिए हमें चाहिए कि दूसरों की तारीफों का मोहताज नहीं बनकर अपने कार्य का स्वयं मूल्यांकन कर अच्छे कार्य पर स्वयं गर्व कर खुश रहें!और क्या विपरीत, क्या गलत हुआ उसका स्वतः संज्ञान लेकर उसमें सुधारात्मक उपाय करने पर भी खुशी का एहसास करना होगा, क्योंकि हमने अपने जीवन की कमी को ढूंढ कर उसे सुधारात्मक उपाय से सुधार कर आगे बढ़े यह भी एक खुशी की बात है!!हर कमी में सुकून, सकारात्मकता और खुशी ढूंढ लोगों के साथ खुशियों को साझा करें, दूसरों की खुशियों में भी खुश रहें, मन में सुकून ग्रहण करने की आदत अपनाएं।

साथियों बात अगर हम जीवन के हमारे दुख रूपी पहिए की करें तो हम हमारे जीवन के दुख के क्षणों में हमें अपने को ऊपर कर अपनी आंखें अपने से नीचे झुकाकर देखना चाहिए कि हमारे से ज्यादा अधिक दुःखी कितने मनीषी जीव हैं और हृदय, मस्तिष्क में यह बात संचारित करें कि इनसे तो हम हमारे दुख बहुत छोटे हैं याने हम दुखों में भी अपनी खुशी ढूंढ तो बस, फिर क्या, जीवन की गाड़ी के दोनों पहियों में हमारे हृदय की सकारात्मक भावना को संचारित करें तो हम पाएंगे कि हमसे ज्यादा कोई खुश है ही नहीं।

साथियों बात अगर हम जीवन की छोटी-छोटी बातों की करें तो उसमें हमें ढेर सारी खुशियां मिल सकती है मसलन अपनी तुलना किसी से ना करें, हमेशा सकारात्मक पहलू पर ध्यान दें, लोगों के साथ खुशियों को बांटे, वह कार्य करें जिसमें खुशियां मिले, जो खुश रहते हैं ऐसे लोगों से मिलिए, आत्मविश्वास से भरपूर रहे, मनपसंद किताबें पढ़ें, समस्या है तो समाधान सोचे, कुछ स्पेशल और अच्छा सोचें, हमेशा चेहरे पर मुस्कान रखें, पुरानी अच्छी बातों को याद रखें, मन को बच्चे जैसा साफ़ रखें, अपने परिवार व बच्चों के साथ समय बिताएं, प्यार पाने को प्यार करना सीखे, छोटी-छोटी सफलताओं पर

खुशियां मनाएं, 6 से 8 घंटे नींद पूरी लें इत्यादि अनेक बातों पर ध्यान देने और अपनाने की कोशिश करें तो खुशियों का एहसास आपको जरूर नजर आएगा।

साथियों बात अगर हम स्वयं को खुश रखने की करें तो, आप स्वयं ही अपने आपको प्रसन्न कर सकते हैं। प्रसन्नता कोई अपने आप आने वाली चीज नहीं है। इसके लिए आपको लगातार कोशिश करनी होगी। जब आपको दूसरों की खुशी में ही खुशी मिलने लगेगी तो आप खुशी के भीतर छिपा राज जान लेंगे। याद रखें कि खुशी हमेशा किसी वस्तु की इच्छा, प्रशंसा या कुछ करने में नहीं होती। जीवन की छोटी-छोटी बातों में खुशियां तलाशें और मानकर चलें कि आप प्रसन्न हैं। कोई भी अपना मनपसंद काम करके खुशी पा सकता है। यदि आप मनचाहा काम करने जा रहे हों तो आपको सच्ची प्रसन्नता मिलती है। कुछ रचनात्मक कार्य करें, बेकार व्यक्ति कभी भी खुशी नहीं पा सकता। अपनी इच्छाएं सीमित करके अपने साधनों से संतुष्ट रहने में ही सच्ची खुशी छिपी है। जो लोग कुछ नहीं कर सकते उनके पास काम ही नहीं होता। खुशी का एक रहस्य यह भी होता है कि आप अपने हुनर से समाज, परिवार, सहकर्मियों व अपने काम आएं।

साथियों बात अगर हम छोटी छोटी चीजों में खुशियां ढूंढने की करें तो, कभी कभार जो खुशी या संतुष्टि हमें बड़ी से बड़ी चीज में नहीं मिलती वह हमें छोटी सी बात में मिल जाती है। किसी को घूमने में खुशी मिलती है तो किसी को पेंटिंग करने से, कोई गाकर खुश हो जाता है तो कोई किसी से बात करने के बाद खुशी महसूस करता है। आपको अपने जीवन बस वह छोटी सी बात की ही ज़रूरत है और अगर आपने उस खुशी को वाकई ढूंढ़ लिया तो आप बड़ी से बड़ी परेशानी से भी निजात पा लेंगे। क्योंकि खुशी सफलता की चाबी है।

साथियों बात अगर हम मनोवैज्ञानिक विचारों की करें तो, मनोवैज्ञानिक भी कहते हैं कि हमारे लिए अपने जीवन की हर छोटी-बड़ी चीज की सराहना करना बहुत जरूरी है, खुश और सकारात्मक रहने के लिए, लेकिन आमतौर पर, हम इसके विपरीत करते हैं। हम अपने जीवन में जो कुछ भी है उसकी सराहना नहीं करते हैं और अन्य चीजों को न कर पाने से निराश हो जाते हैं, ये अक्सर हमारी मानसिक शांति को छीन लेता है और हम जीवन में अधिक से अधिक होने के लिए अनावश्यक प्रतिस्पर्धा करते रहते हैं। लेकिन हममें से कुछ लोग हैं, जो अपने जीवन में छोटी-छोटी चीजों से खुश हो जाते हैं और वो अपने दिल की बात मानते हैं।

साथियों बात अगर हम वर्ल्ड हैप्पीनेस इंडेक्स रिपोर्ट 2023 की करें तो भारत को 125 वां स्थान दिया गया है, मेरा मानना है कि यह अनुचित तथ्यों के आधार पर बनाई गई है।इंटरनेशनल हैप्पीनेस डे के मौके पर जारी हुई एनुअल हैप्पीनेस रिपोर्ट में भारत को 125वें पायदान पर रखा गया है। वर्ल्ड हैप्पीनेस रिपोर्ट-2023 भारत के लिहाज से बेहद निराशाजनक है, क्योंकि भारत के पड़ोसी देशों पाकिस्तान (108), म्यांमार (72), नेपाल (78), बांग्लादेश (102) और चीन (64) को लिस्ट में भारत से ऊपर रखा गया है।जो बहुत ही हैरान और आश्चर्यजनक कर देने वाला है।दुनियां के सबसे खुशहाल देशों में यूरोपीय देश ही शामिल हैं, और टॉप 20 खुशहाल देशों की लिस्ट में एक भी एशियाई देश नहीं है. टॉप 20 खुशहाल देशों में फिनलैंड के साथ-साथ डेनमार्क, आइसलैंड, स्वीडन और नॉर्वे जैसे देश भी शामिल हैं।सीमा-रेखाओं के लिहाज से भी ये सभी देश एक-दूजे के आस-पास ही हैं।बता दें कि इन देशों को वर्ल्ड हैप्पीनेस में टॉप पर रखने वाली रिपोर्ट गैलुप वर्ल्ड पोल के आधार पर तैयार होती है, ये रिपोर्ट तैयार करते वक्त विभिन्न देशों के लोगों की लाइफस्टाइल, वहां की जीडीपी, सोशल सपोर्ट, बेहद कम भ्रष्टाचार और एक-दूसरे के प्रति दिखाए गए प्रेम को आधार बनाया है।

अतः अगर हम उपरोक्त पूरे विवरण का अध्ययन कर उसका विश्लेषण करें तो हम पाएंगे कि खुशी सफलता की चाबी है।जीवन की छोटी-छोटी बातों में खुशी ढूंढकर खुशी का आनंद ले कर खुश रहें तथा विपरीत परिस्थितियों में भी सकारात्मक पल ढूंढकर खुशी का इजहार कर अपनी कौशलता से दूसरों को प्रोत्साहित करना मानवता धर्म है

किशन सनमुखदास भावनानी
गोंदिया महाराष्ट्र

चिंतन और योजना,परिश्रम,संकल्प और निरंतरता सफल जीवन के प्रमुख अवयव

जिंदगी का मूल ही निरंतर संघर्ष श्रम संकल्प और प्रगति है। सकारात्मक उद्देश्य को लेकर किया गया श्रम सदैव श्रेष्ठ परिणाम देता है। श्रम और संघर्ष का कोई विकल्प ही नहीं है। निरंतर श्रम करना उच्च मनोबल बनाए रखना और सफलता की कामना और पवित्र महत्वाकांक्षा सफल मनुष्य के सच्चे मित्र होते हैंद्य जीवन है चलने का नाम,गति का नाम ही जीवन है। सभी समाज एवं राष्ट की संस्कृतियों ने यह माना है कि मनुष्य और जानवरों के बीच विभेद करने वाला प्रमुख कारक मस्तिष्क है, और मस्तिष्क ही मनुष्य को सृजनात्मक शक्ति प्रदान करता है। मनुष्य के रचनात्मक विचार नयापन लाते हैं उसे पूर्व काल से पृथक करते हुए प्रगति के पथ प्रदर्शक बनते हैं। इसे ही नवप्रवर्तन माना जाता है। नावप्रवर्तन और कुछ नहीं बल्कि समाज की परंपरागत और प्रगतिशील मानसिकता के बीच एक बड़ी लाइन खींचना है। इसीलिए यह माना जाता है कि नवप्रवर्तन समाज मैं 3त्र नवाचार का निर्धारित है, शेष 97 प्रतिशत परंपरावादी विचारों के लिए है। पुराने समय से ही आर्थिक समृद्धि में नवप्रवर्तन की भूमिका को स्वीकार किया गया है चाहे वह मनुष्य के खाद्य संग्राहक से खाद्य उत्पादक में परिवर्तन हो या फिर 18वीं सदी में यूरोप की वाणिज्य क्रांति का औद्योगिक क्रांति में बदलना इन सभी में नवप्रवर्तन ने प्रेरक का काम किया है। हम चौथी क्रांति की तरफ बढ़ रहे हैं, इसलिए कहा जाता है कि विचारों को कभी सुसुप्त होने या मरने ना दिया जाए। हो सकता है आपके विचार करोड़ों डॉलर के हो । वर्तमान अर्थव्यवस्था में समृद्धि के इंजन माने जाने वाले सनराइज उद्योग, सॉफ्टवेयर, खाद्य संस्करण, इलेक्ट्रॉनिक्स, रोबोटिक के विकास के पीछे भी नवप्रवर्तन का हाथ है। इसी के आधार पर नगरों को स्मार्ट नगरों में बदला जा रहा है। नवप्रवर्तन या नवाचार से मैं सिर्फ मानव जीवन की परेशानियों को न्यूनतम किया है, बल्कि मानव जीवन को आसान और सुखमय भी बनाया जा रहा है। नवप्रवर्तन और मस्तिष्क की खोज के कारण ही जापान में 6.5 रेक्टर का भूकंप सामान्य माना जाता है,जबकि भारत में यह तबाही ला सकता है। स्वास्थ्य के क्षेत्र में पेनिसिलिन जैसी प्रतिजैविक (एंटीबायोटिक) के अविष्कार ने रोगों की संभावना को कम कर दिया एवं स्वास्थ्य प्रणाली के भावी विकास को एक गति प्रदान की है। जेनेरिक औषधि, रोबोटिक सर्जरी, जीन एडिटिंग जैसी प्रक्रिया स्वास्थ्य सुधार हेतु एक मजबूत आधार मानी जाती है। सामाजिक विकास आर्थिक समन्वयक और न्याय प्रणाली में पारदर्शिता लाने का प्रयास नवप्रवर्तन के योगदान से ही आया है। सोशल मीडिया जैसे नवीन प्लेटफार्म ने व्यक्ति की अभिव्यक्ति के अधिकार को स्वतंत्र किया है। भारतीय अर्थव्यवस्था के ग्रामीण से आधुनिक रूपांतरण में कृषी क्षेत्र से भारी उद्योगों पर बल देने में किसानों के देश को सॉफ्टवेयर उद्योग का सिरमौर बनाने में नवप्रवर्तन का बहुत महत्वपूर्ण योगदान रहा है। भारतीय कृषि में भी आधुनिकीकरण और पाश्चात्य उपकरण का प्रादुर्भाव भी नवीन नवाचार के कारण संभव हुआ है। भारतीय राज्य को लोक कल्याणकारी राज्य से लोगों के सशक्तिकरण करने वाले राज्य में बदलने की नवप्रवर्तन की भूमिका अत्यंत सराहनीय है। इसके कारण भार मानी जाने वाली महिलाएं अब भार ढोने वाली की भूमिका में आ चुकी हैं। इसी तरह न्यायिक क्षेत्र में जनहित याचिका की अवधारणा ने न्याय की अवधारणा को सर्वांगीण बनाने में सहायता प्रदान की है। यह अलग बात है कि केवल नवप्रवर्तन को ही एकमात्र निर्धारक कारक के रूप में नहीं माना जा सकता क्योंकि नवीन विचारों को स्वीकार करना और आगे बढ़ना बहुत हद तक समाज पर निर्भर करता है। पश्चिमी देशों में नवीन विचारों को जगह देने के कारण वहां पुनर्जागरण आया है। हमें समाज को नव परिवर्तन की तरफ जागरूक करने की आवश्यकता होगी और नवप्रवर्तन में ज्यादा से ज्यादा आर्थिक मदद देकर उस और और ज्यादा विचार-विमर्श कर नीति बनाने की आवश्यकता होगी। इस तरह हमें महात्मा बुद्ध के कथन अनुसार अपने या दूसरों के विचारों नवप्रवर्तनों को तर्क बुद्धि पर देखे जाने की जरूरत है, और फिर आगे बढ़ने का प्रयास किया जाना चाहिए।

संजीव ठाकुर,
चौबे कालोनी रायपुर छत्तीसगढ़,

यह जिंदगी खुशियों का नाम है

यह जिंदगी खुशियों का नाम है
और,खुशियों की तलाश न कर
जो मिली है जिंदगी कुछ पल
इसे पा के मन को हताश न कर।
जी ले अपनी जिंदगी खुलकर
और ज्यादा की तू आस न कर
यहीं खिलेंगे खुशियों के सुमन
दमकते चमन में विश्वास न कर।
सोंच को बदल,चिंतन को बदल
खुशियां भरी जिंदगी जाया न कर
यह जिंदगी भी जीने की कला है
इसे गमों में कभी भुलाया न कर।
खुशियाँ हमारे तो आस-पास है
दूसरों पर ज्यादा विश्वास न कर
खुद का खुदा भी तो तेरे साथ है
इसको तू नजर अंदाज न कर।

अशोक पटेल आशु
शिवरीनारायण
छत्तीसगढ़

अट्हास

मृत्यु फिर अट्हास करेगी बनकर काल
तुझ पर वार करेगी,मत सोच तू
बच जाएगा इस बार ,बचेगा वही
जिसके कर्म होंगे सही।
मृत्यु का दूत जब अट्हास करेगा
चुन-चुन कर तेरे अपनों का नाश करेगा।
न तुझे सोचने का वक्त देगा
न विचारने का समय।
बस हर एक पापी काविनाश करेगा।
जब कर्म होंगे सही तभी वक्त आएगा
तेरा भी सही।

राजीव डोगरा
जनयानकड़
कांगड़ा
हिमाचल प्रदेश

मां

मां के प्यार सा संबल,
नहीं जहां में,
दिवस हो या निशा,
मां बच्चों के हर्ष हेतु,
करती चिंतन मनन,
अहसास व्यथा का,
तभी तक होता,
यदा मां के प्रेम का,
मरहम व्यथा पर लगता,
वरना दुनियां तो
बना देती दर्द का पर्याय।
मां के छांव से दूर होते ही,
जीवन से विलुप्त हो जाता
निश्छल प्रेम का अध्याय।
किंचित तबियत नासाज होने पर,
अपार परवाह करती मां,
संपूर्ण धरा हेतु
ईश्वर का वरदान मां,
अपार अनुराग तिरोहित
मां के क्रुद्ध में ,
क्या कोई करे मां पर
रचना सृजन,
हम सब मां के सृजन।

सविता राज
मुजफ्फरपुर
बिहार

पवार से पार पाना मुश्किल

भारतीय राजनीति में इस्तीफा कई बार बेहद प्रभावशाली हथियार के तौर पर इस्तेमाल होता है। प्रधानमंत्री रहते अटल बिहारी वाजपेयी ने एक बार अपने ऊपर बढ़ रहे दबाव को खत्म करने के लिए इस्तीफे का ऐलान किया था। उन्होंने कहा था कि न टायर्ड हूं, न रिटायर्ड हूं, आडवाणी जी के नेतृत्व में जीत की ओर से प्रस्थान करें। इसके बाद पूरी पार्टी उनके चरणों में नतमस्तक हो गई थी। बाल ठाकरे ने भी एक बार अपनी पार्टी पर अपनी पकड़ को और मजबूत बनाने के लिए इस्तीफे का ऐलान किया था। 31 साल पहले 1992 में उन्होंने सीधे शिव सेना छोड़ने का ऐलान कर दिया था। उसके बाद सभी सांसद, विधायक, पार्षद और पार्टी के नेता उनके पीछ खड़े हो गए। सबने एक स्वर में कहा कि सरकार नहीं, साहेब चाहिए। उसके बाद फिर कभी शिव सेना में बाल ठाकरे को चुनौती नहीं झेलनी पड़ी, तब भी नहीं, जब उनके भतीजे राज ठाकरे पार्टी छोड़ कर गए।

शरद पवार ने भारतीय राजनीति में कई बार सफलतापूर्वक आजमाए जा चुके इस दांव को अपनी स्थिति मजबूत करने के लिए आजमाया। अपने 60 साल के राजनीतिक करियर में और अपनी पार्टी के 24 साल के इतिहास में पहली बार शरद पवार को इस्तीफे का ब्रह्मास्त्र चलाना पड़ा। सो, भले इसको लेकर जो कुछ भी कहा जाए पर इतना मानना होगा कि मामला गंभीर था अन्यथा पवार को यह कदम नहीं उठाना पड़ता। मामले की गंभीरता दो वजह से समझ में आती है। पहली, एनसीपी पर नियंत्रण करने की अजित पवार की कोशिश और दूसरी अपनी सरकार बचाने या नया समीकरण बनाने के लिए पार्टी तोड़ने की भाजपा की कोशिश। ध्यान रहे भारतीय जनता पार्टी एनसीपी की ही तरह दूसरी मजबूत प्रादेशिक पार्टी शिव सेना को सफलतापूर्वक तोड़ चुकी है। पार्टी के संस्थापक बाल ठाकरे के परिवार के हाथ से असली पार्टी निकल गई है। अब एकनाथ शिंदे उस पार्टी के नेता हैं और राज्य के मुख्यमंत्री हैं।

जिस तरह से एकनाथ शिंदे को मुख्यमंत्री बनाने का भाजपा का दांव शिव सेना को तोड़ने के काम आया वैसे ही अजित पवार को मुख्यमंत्री बनाने का दांव एनसीपी को तोड़ने के काम आ सकता था। अगर मीडिया में आई खबरों पर यकीन करें तो अजित पवार इसके काफी करीब पहुंच गए थे। बताया जा रहा था कि एनसीपी के 40 विधायक उने साथ हैं, जो अलग गुट बना कर भाजपा के साथ जाने को तैयार हैं। अगर ऐसा होता तो भाजपा को अजित पवार को मुख्यमंत्री बनाने में कोई दिक्कत नहीं होती। जैसी कि चर्चा है सुप्रीम कोर्ट के फैसले से एकनाथ शिंदे की सदस्यता समाप्त हो जाती और अगर ऐसा नहीं भी होता तो भाजपा को उनसे पीछे छुड़ाने में ज्यादा समय नहीं लगता। उनके जरिए शिव सेना को तोड़ने का मकसद पूरा हो गया है और अजित पवार के सहारे अगर एनसीपी टूट जाती तो उसके बाद भाजपा के लिए कोई बड़ी राजनीतिक चुनौती नहीं बचती। फिर टूटा बिखरा विपक्ष भाजपा से नहीं लड़ सकता था। चुनाव बहुकोणीय हो जाता, जिसमें भाजपा को स्पष्ट बढ़त मिलती।

अजीत द्विवेदी

दिल पर भारी पड़ रही मधुमेह की बीमारी

- मधुमेह से पीड़ित लोगों को दिल की बीमारियों से मौत का खतरा बढ़ जाता है। टाइप-2 डायबिटीज वाले लोगों में 58 प्रतिशत मौतें हृदय संबंधी परेशानियों के कारण होती हैं। अमेरिकन हार्ट एसोसिएशन के मुताबिक, हार्ट अटैक के सालाना आठ लाख मामलों में से पौने दो लाख केस साइलेंट अटैक के होते हैं।

बीते कुछ समय में कार्डियक अरेस्ट या हार्ट अटैक के मामलों में तेजी से बढ़ोतरी हुई है। ऐसे में हेल्थ एक्सपर्ट ने डायबिटीज मरीजों को विशेष रूप में अलर्ट रहने की सलाह दी है। दरअसल साइलेंट हार्ट अटैक के अधिकांश मामले डायबिटीज मरीजों में ज्यादा होते हैं। डायबिटीज मरीजों में इंसुलिन की कमी के कारण ग्लूकोज की मात्रा शरीर में ज्यादा हो जाती है, जिसका असर दिल पर भी होता है। साइलेंट हार्ट अटैक में मरीज को पहले से कोई लक्षण नहीं दिखाई देते हैं, इसलिए इसे ज्यादा खतरनाक माना जाता है, क्योंकि इसमें मरीज की तत्काल मौत हो जाती है।

अमेरिकन हार्ट एसोसिएशन के मुताबिक, हार्ट अटैक के सालाना आठ लाख मामलों में से पौने दो लाख केस साइलेंट हार्ट अटैक के होते हैं। नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ डायबिटीज एंड डाइजेस्टिव एंड किडनी डिजीज के अनुसार, डायबिटीज वाले लोगों में हृदय रोग से मौत की संभावना डायबिटीज न होने वाले लोगों की तुलना में दो से चार गुना ज्यादा है, क्योंकि मधुमेह से ग्रसित लोगों में उच्च रक्त शर्करा का स्तर रक्त वाहिकाओं को नुकसान पहुंचाने के अलावा सूजन बढ़ा सकता है और हृदय में सामान्य रूप से बहने वाले खून को बाधित कर सकता है। इससे हार्ट अटैक की संभावना बढ़ जाती है।

मधुमेह के साथ जुड़े ग्लूकोज के उच्च स्तर से रक्त वाहिकाओं को नुकसान पहुंचता है, जिससे रक्तचाप, जोड़ों में दर्द तथा अन्य परेशानियां हो जाती हैं। टाइप-2 मधुमेह सामान्य रूप से वयस्कों को प्रभावित करता है, लेकिन युवा भारतीयों में भी यह अब तेजी से देखा जा रहा है। मधुमेह के कारण युवा गुर्दे की क्षति और हृदय रोग के साथ जीवन को संकट में डालने वाली जटिलताओं के जोखिम को झेल रहे हैं। युवाओं के मधुमेह से ग्रसित होने के पीछे जो कारक जिम्मेदार हैं, उनमें प्रमुख है प्रोसेस्ड और जंक फूड से भरपूर अधिक कैलोरी वाला भोजन, मोटापा तथा निष्क्रियता। समय पर ढंग से जांच न कर पाना और डॉक्टर की सलाह का पालन ना करना उनके लिए और भी जोखिम भरा हो जाता है, जिससे उन्हें अपेक्षाकृत कम उम्र में ही जानलेवा स्थितियों से गुजरना पड़ता है।

शोध कहते हैं कि 50 से 60 प्रतिशत तक मधुमेह रोगी दिल के रोग से भी प्रभावित होते हैं। जब शरीर में शुगर लेवल बढ़ जाता है तो इससे ब्लॉकेज होने की भी आशंका बढ़ जाती है। ब्लॉकेज से कोरोनरी धमनियों, मस्तिष्क धमनियों और गुर्दे के रक्त प्रवाह की गति धीमी हो जाती है। शुगर की अधिकता शरीर की रक्त वाहिकाओं में रुकावट पैदा करती है, जिसे एथेरोस क्लोरोटिक हृदय रोग कहा जाता है। मधुमेह के रोगियों में उच्च रक्तचाप, हृदय रोग, स्ट्रोक, गुर्दे की बीमारियां और आंख की रेटिना में दिक्कत देखने को मिलती है। अमेरिकन हार्ट एसोसिएशन अभी तक यह मान रहा था कि मधुमेह से पीड़ित महिलाओं में साइलेंट हार्ट अटैक होने का खतरा अधिक होता है, लेकिन एक शोध में पता चला है कि साइलेंट हार्ट अटैक की घटनाओं की संख्या महिलाओं की तुलना में पुरुषों में अधिक है।

डायबिटीज से ग्रसित मरीज को ब्लड शुगर, ब्लड प्रेशर और कोलेस्ट्रॉल के स्तर को नियंत्रित रखना दिल की बीमारी के लिए बहुत जरूरी है। व्यायाम करने पर दिल की बीमारी से बचा जा सकता है। डायबिटीज के बढ़ने पर हार्ट संबंधी समस्याएं हो जाती हैं, क्योंकि डायबिटीज और हार्ट डिजीज के बीच मजबूत कनेक्शन है। दोनों बीमारी बीपी, कोलेस्ट्रॉल और मोटापे के बढ़ने से होती हैं, इसलिए समय रहते अगर डायबिटीज को कंट्रोल नहीं किया गया तो हार्ट डिजीज होना निश्चित है। गंभीर डायबिटीज वाले लोगों के ब्लड में हाई शुगर लेवल समय के साथ ब्लड वेसल्स को नुकसान पहुंचाना शुरू कर देता है। हाई ब्लड शुगर ब्लड वेसल्स में सूजन बढ़ाने और हृदय में ब्लड फ्लो को रोकने के लिए जिम्मेदार है। तब धमनियों में लंबे समय तक सूजन के चलते कोलेस्ट्रॉल और प्लेग का निर्माण होता है। इसका मतलब है कि हार्ट को ब्लड पंप करने के लिए ज्यादा मेहनत करनी पड़ती है। इस तरह अनकंट्रोल्ड डायबिटीज वाले व्यक्ति को हृदय रोग का खतरा बढ़ जाता है।

असल में हृदय रोग का मतलब उन परिस्थितियों से है, जो हृदय को समूह में प्रभावित करती हैं। अमेरिका में हृदय रोग मौत के प्रमुख कारणों में से एक है। सेंटर फॉर डिजीज कंट्रोल के अनुसार, हर चार में से एक मौत के लिए यह जिम्मेदार है। हृदय रोग का सबसे आम प्रकार कोरोनरी आर्टरी डिजीज है। जब हृदय को खून की आपूर्ति करने वाली धमनियां प्लेग से भर जाती हैं तो यह रोग पैदा होता है। प्लेग धमनियों के कठोर होने का कारण बनती हैं। धमनियों के सिकुड़ने से हृदय में खून की कमी हो जाती है और दिल ऑक्सीजन और पोषक तत्वों से भर जाता है, जो समय के साथ मांसपेशियों की कमजोरी का कारण बनता है। ऐसी ही स्थितियों में व्यक्ति को दिल का दौरा पड़ता है।

ब्लड शुगर को कंट्रोल करने के लिए स्वस्थ आहार जरूरी है। एक व्यक्ति को ताजे फल, सब्जियां, साबुत अनाज, फलियां और लो फैट मिल्क का सेवन करना चाहिए। हालांकि इस मामले में दवा भी अच्छा काम करती हैं। कई टेस्ट में डायबिटीज की दवाओं ने हृदय रोग और स्ट्रोक के जोखिम को कम किया है। अमेरिकन डायबिटीज एसोसिएशन ने टाइप-2 डायबिटीज वाले मरीजों के लिए डॉक्टर द्वारा सोडियम ग्लूकोज कोट्रांसवर्स-2 इनहिबिटर देने को कहा है। इसके साथ ही डॉक्टर एस्पिरिन जैसी दवा की सिफारिश कर सकता है, ताकि रक्तचाप कम हो, कोलेस्ट्रॉल कम हो और रक्त के थक्कों को रोका जा सके।

संपूर्ण हृदय स्वास्थ्य के लिए हर हफ्ते 150 मिनट की एरोबिक करना चाहिए। इसके अलावा साइकिलिंग, ब्रिस्क वॉकिंग, स्विमिंग लैप्स और जॉगिंग भी अच्छा विकल्प है। ऐसे लोगों को जिन्हें डायबिटीज के साथ हार्ट की बीमारी है, उन्हें शरीर की मांसपेशियों को मजबूत करने के लिए सप्ताह में दो दिन पिलेट्स जैसा बेहतर ऑप्शन तलाशना चाहिए। हृदय रोग और मधुमेह के बीच गहरा संबंध है। समय के साथ अनियंत्रित हाई ब्लड शुगर हृदय को नियंत्रित करने वाली रक्त वाहिकाओं को नुकसान पहुंचा सकता है। डायबिटीज से पीड़ित मरीज वजन कम करके, शारीरिक गतिविधि बढ़ाकर, ताजा व स्वस्थ भोजन खाकर और निर्धारित दवाएं लेकर हृदय रोग के जोखिम को काफी हद तक कम कर सकते हैं।

अमित बैजनाथ गर्ग
जयपुर,
राजस्थान

अब क्या फिल्में जनता को जागरूक करेगी

कश्मीर फ़ाइल और द केरला स्टोरी जैसी फिल्में लोगों को देश के अहम् मुद्दों के प्रति जागरूक कर रही है, देशप्रेम जगा रही है बड़ी अच्छी बात है। पर, सोचने वाली बात ये है कि क्या अब फ़िल्में जनता को जागृत करेगी? और सच में क्या ऐसी फिल्में देखकर हमारी आँख, कान और सोच के दरवाज़े खुल गए है? हरगिज़ नहीं! हम आज भी अंधों बहरों के समाज का ही हिस्सा है। फ़िल्म देखकर चंद लम्हों के लिए सबका खून खौलता है, देशप्रेम जगता है पर किसीमें भी इतनी हिम्मत है कि ऐसे मुद्दों पर सरकार से जवाब मांगें? ऐसे मुद्दों को जड़ से ख़त्म करने का काम सरकार का है प्रसाशन का है।

देश में हर रोज़ कितनी लड़कियाँ लापता होती है, कितनी बच्चियों के साथ बलात्कार होते है, कितनी बहूएँ पति और ससुराल वालों के हाथों दमन का शिकार होती है, कितनी बेटियाँ लव जेहाद और धर्मांतरण की बलि चढ़ती है, कितनी नाबालिग लड़कियाँ देह विक्रय के धंधे में झोंकी जाती है, कितने बच्चों से भीख मंगवाने का व्यापार होता है, मजदूरों का शोषण, बालमजदूरी जैसी कितनी असामाजिक गतिविधियाँ चलाई जा रही है। इन सारे मुद्दों को सुलझाने के लिए सरकार, पुलिस और प्रशासन क्या एक्शन लेती है कभी किसीने पूछने की, या जानने की कोशिश तक की है? पुलिस रेकार्ड में जाकर देखेंगे तब भी इन सारे गलत कामों का सही आंकड़ा नहीं मिलेगा, कितनी फ़ाइलें धूल खा रही है। हम हादसों के आदी होते जा रहे है। जब तक आग हमारे घर तक नहीं पहुँचती हम सलामत है; ये सोचकर हर कोई देश के अहम् मुद्दों को नज़र अंदाज़ करते भेड़ बकरी की चाल में शामिल होते जी रहे है। सरकार अपनी कुर्सी बचाने के चक्कर में एक दूसरे के खिलाफ़ बयानबाज़ी करते धर्म के नाम पर नफ़रत फैलाने के बदले, जो काम फ़िल्म मेकर्स कर रहे है उन मुद्दों की तह तक जाकर जड़ से ख़त्म करने में अपनी ताकत क्यूँ नहीं लगाती? खुद सरकार भी ऐसी फ़िल्मों का प्रमोशन करने में लगी है, पर मुद्दों को सुलझाने का काम नहीं करेगी। एक फ़िल्म बनी थी नायक जिसमें जिस तरह से असामाजिक तत्वों को और गैरजिम्मेदार अफ़सरों का पर्दाफाश करके एक के बाद एक मुद्दे को सुलझाते दिखाया गया था; ऐसे चमत्कार की आशा तो नहीं रख सकते। पर, जनता को पूरा हक है सरकार से हर सवाल का जवाब मांगने का। खुद हमने सरकार चुनी है और भरोसे के साथ चुनी है, तो क्यूँ वोट देकर भूल जाते है कि हमने सरकार किस लिए चुनी थी। महज़ फिल्में देखकर गुस्से और जुनून के बुलबुले बनाने के बदले सारी फ़ाइलें खुलवाने की हिम्मत जनता को दिखानी होगी। हर मुद्दे पर पुलिस और प्रशासन से जवाब मांगना होगा वरना आग कब आपके घर तक पहुँच जाएगी पता नहीं चलेग। माउथ टू माउथ फ़िल्म की पब्लिसिटी करके फ़िल्म को तो हम हीट बना देते है! पर फिल्म में उठाए गए मुद्दे का सच उजागर करके जड़ से ख़त्म करने की राह पर न कदम बढ़ाते है, न प्रसाशन से जवाब मांगते है कि, आख़िर सरकार इस मुद्दे पर कितना काम कर रही है। जनता जागो पर पूरी तरह जागो, सिर्फ़ सवेरा हो गया तो जगना पड़ेगा ऐसे नहीं। जाग कर पूरा दिन काम करने के लिए आँखें और दिमाग दोनों की खिड़की खोलनी पड़ेगी, तब जाकर मंज़िल का पता मिलेगा तब जाकर समाज रहने के लायक बनेगा और तब जाकर अपने मताधिकार का सही उपयोग माना जाएगा।

भावना ठाकर भावु
बेंगलोर,
कर्नाटक

समाचार पत्र में छपे समाचार एवं लेखों पर सम्पादक की सहमति आवश्यक नहीं है। हमारा ध्येय तथ्यों के आधार पर सटिक खबरें प्रकाशित करना है न कि किसी की भावनाओं को ठेस पहुंचाना। सभी विवादों का निपटारा अम्बिकापुर न्यायालय के अधीन होगा।

सरगुजा की अनन्या अग्रवाल और राणा विजय बने डिप्टी कलेक्टर

» सीजीपीएससी 2021 का रिजल्ट जारी,सरगुजा जिले के लखनपुर निवासी अनन्या अग्रवाल को मिला दूसरा रैंक, जबकि अंबिकापुर निवासी राणा विजय सिंह को मिला 5 वां स्थान

- संवाददाता -
अंबिकापुर,12 मई 2023 (घटती-घटना)।

छत्तीसगढ़ लोक सेवा आयोग (सीजीपीएससी) ने गुरुवार की देर रात राज्य सेवा परीक्षा 2021 में इंटरव्यू के बाद चयनित अभ्यर्थियों की लिस्ट जारी कर दी है। इसमें सरगुजा के 2 होनहारों को भी सफलता मिली है। लखनपुर निवासी अनन्या अग्रवाल ने सीजीपीएसी में दूसरा जबकि अंबिकापुर निवासी राणा विजय सिंह ने 5वां रैंक हासिल किया है। दोनों का चयन डिप्टी कलेक्टर पद पर हुआ है। उनकी इस उपलब्धि पर परिजनों ने उन्हें शुभकामनाएं दी हैं।

पत्रिका से बातचीत के दौरान दोनों ने अपनी सक्सेस स्टोरी शेयर की है। सरगुजा जिले के लखनपुर निवासी राखीगढ़ी गोयल परिवार की बेटी अनन्या अग्रवाल डिप्टी कलेक्टर पद के लिए चयनित हुई हैं। अनन्या के पिता रवि अग्रवाल व्यवसायी हैं। बेटी के डिप्टी कलेक्टर बनने पर घर व परिवार में खुशी का माहौल है। बधाई देने शुभचिंतकों का तांता लगा हुआ है। अनन्या बताती है कि वे पिछले 5 वर्षों से परीक्षा की तैयारी कर रही थी। सीजीपीएससी में यह उनका दूसरा प्रयास था। पहली बार में वे प्री में भी सलेक्ट नहीं हो पाई थीं। उनकी 12वीं तक की पढ़ाई लखनपुर में हुई। इसके बाद उन्होंने दिल्ली में रहकर पढ़ाई की और सीजीपीएससी की तैयारी करती रहीं। अनन्या बताती है कि वह अन्य बच्चों की तरह ही टाइम टेबल निर्धारित कर प्रतिदिन 5 से 6 घंटा ईमानदारी से पढ़ाई करती थी। उन्होंने अपनी सफलता का श्रेय अपने माता-पिता व परिवार के अन्य सदस्यों के साथ भगवान को दिया है। सीजीपीएससी की तैयारी कर रहे अन्य अभ्यर्थियों को सक्सेस मंत्र देते हुए उन्होंने कहा कि कभी भी गिव अप नहीं करना चाहिए। ईमानदारी से कड़ी मेहनत करते रहें तो सफलता जरूर मिलेगी।

राजस्व निरीक्षक का बेटा बना डिप्टी कलेक्टर

अंबिकापुर निवासी राजस्व निरीक्षक संजय कुमार सिंह के बेटे राणा विजय सिंह ने राज्य सेवा परीक्षा में पांचवा स्थान प्राप्त किया है। इनका भी चयन डिप्टी कलेक्टर पद पर हुआ है। डिप्टी कलेक्टर बनने से परिजनों में खुशी का माहौल है। राणा विजय की मां पुष्पा सिंह गृहणी तथा बड़ी बहन डॉक्टर हैं। राणा विजय की 12वीं तक की पढ़ाई होलीक्रॉस स्कूल अंबिकापुर से हुई है। उन्होंने सिविल इंजीनियर की पढ़ाई भोपाल से की। इसके बाद वे लगातार सिविल सर्विसेज की तैयारी में लगे रहे। इससे पूर्व भी उन्होंने सीजीपीएससी की परीक्षा दी थी लेकिन उसमें सफल नहीं हुए थे। अपने दूसरे प्रयास में उन्होंने सीजीपीएससी में राज्य में दूसरा स्थान प्राप्त किया। राणा विजय बताते हैं कि वे प्रतिदिन 5 से 6 घंटे पढ़ाई करते थे। उन्होंने बताया कि वे समय का नहीं बल्कि टॉपिक्स पर ध्यान रखते थे। डेली व मंथली टॉपिक्स निर्धारित कर पढ़ाई करते थे। राणा विजय बताते हैं कि वे संयुक्त परिवार में पले-बढ़े हैं। मेरे पिता राजस्व निरीक्षक हैं। बड़े चाचा मनोज सिंह आरईएस में एसडीओ हैं। इन सभी की प्रेरणा से ही आज मैंने ये मुकाम हासिल किया है। वे अपनी सफलता के पीछे अपनी मेहनत के साथ-साथ परिवार के भरोसे को देना चाहते हैं।

नियमों के तहत वाहन चलाने वालों को पुलिस ने चॉकलेट व फूल देकर किया प्रोत्साहित

- संवाददाता -
अंबिकापुर,12 मई 2023 (घटती-घटना)।

यातायात व्यवस्था को सुदृढ़ करने एवं आम नागरिकों में यातायात के नियमों के प्रति जागरूकता उत्पन्न करने के उद्देश्य से गुरुवार को शहर के आकाशवाणी चौक, बिलासपुर चौक, खरसिया नाका सहित अन्य जगहों पर विशेष वाहन चेकिंग अभियान चलाया गया। चेकिंग अभियान में स्वयं एसपी भावना गुप्ता, एएसपी विवेक शुक्ला, सीएसपी स्मृतिक राजनाला, प्रशिक्षु आईपीएस चिराग जैन शामिल रहे। विशेष वाहन चेकिंग अभियान के दौरान बिना हेलमेट वाहन चलाने वाले वाहन चालकों, लापरवाही पूर्वक वाहन चलाने वाले वाहन चालकों, दुपहिया वाहनों के अमानक साइलेंसरों बिना नंबर प्लेट के वाहनों, मोबाइल पर बात कर वाहन चलाने वाले वाहन चालकों पर सख्त कार्रवाई करते हुए पूरे जिले में एक साथ अभियान चलाकर चालानी कार्रवाई की गई। दुपहिया वाहन चालकों को यातायात के नियमों का पालन करने की समझाइश दी गई। साथ ही नियमों का पालन कर वाहन चलाने वाले वाहन चालकों को चॉकलेट एवं फूल देकर प्रोत्साहित किया गया। एसपी ने बताया कि यातायात के नियमों का पालन कराने हेतु सरगुजा पुलिस द्वारा वाहन चालकों को जागरूकता अभियान से जोड़कर लगातार जागरूकता करने का सतत प्रयास किया जा रहा है। समझाइश के साथ-साथ सरगुजा पुलिस द्वारा इंटीग्रेटेड कण्ट्रोल रूम के माध्यम से सीसीटीवी सर्विलेन्स के जरिये मॉनिटरिंग कर यातायात के नियमों का उल्लंघन करने वाले वाहन चालकों पर पैनी नजर रखकर चालानी कार्रवाई भी की जा रही है। इस दौरान उप पुलिस अधीक्षक यातायात कामता प्रसाद दीवान, प्रशिक्षु उप पुलिस अधीक्षक शुभम तिवारीए, यातायात प्रभारी जयराम चेरमाको, थाना प्रभारी गांधीनगर निरीक्षक धीरेन्द्र दुबे, थाना प्रभारी कोतवाली उप निरीक्षक रुपेश नारंग, थाना प्रभारी मणिपुर उप निरीक्षक प्रमोद पाण्डेय एवं पुलिस टीम शामिल रही।

पत्नी की हत्या के मामले में आरोपी पति 6 माह बाद गिरफ्तार

- संवाददाता -
अंबिकापुर,12 मई 2023 (घटती-घटना)।

6 महीने पूर्व अपनी पत्नी की हत्या कर फरार चल रहे आरोपी को पुलिस ने मुखबिर की सूचना पर कोरबा जिले के मोरगा से गिरफ्तार करने में सफलता प्राप्त की है। पुलिस ने शुक्रवार को उसे न्यायालय में पेश किया, जहां से उसे जेल भेज दिया गया। दरअसल आरोपी अपनी पत्नी के साथ अंबिकापुर शहर से लगे सांड़बार में रहता था। उसने पत्नी की हत्या कर शव आंगन में ही दफन कर दिया था। बेटा जब दादा-दादी के पास से लौटा तो पिता फरार था। उसने आंगन में दफन मां की लाश देखी तो पुलिस को सूचना दी थी।

प्रार्थी द्वारा 5 नवंबर 22 को थाना आकर रिपोर्ट दर्ज कराया गया कि प्रार्थी अपने दादा दादी के साथ मनेन्द्रगढ़ में रहता है जो प्रार्थी को सूचना मिला कि इसके पिता संतोष टोप्पो द्वारा प्रार्थी की मां मृतिका सूरजमनी टोप्पो को मारपीट कर कम्बल से ढक कर रखे हैं। सूचना पर अपने घर सांड़बार आकर अपने पिता से अपनी मां के बारे में पूछताछ किया गया जो प्रार्थी के पिता द्वारा मां के मनेन्द्रगढ़ चले जाने कि बात बोलकर भगा दिया गया। प्रार्थी के

परीक्षा होने पर वापस मनेन्द्रगढ़ आ गया बाद में वापस घर सांड़बार आकर अपनी मां का खोजबीन किया गया जो पता नहीं चला। प्रार्थी का पिता भी मौके से फरार हो गया था। 5 नवंबर 2022 को घर के पीछे में कुत्तो की आवाज सुनकर आंगन में आकर देखा तो प्रार्थी की मां का पैर जमीन से बाहर निकला दिखाई दिया। प्रार्थी के पिता संतोष टोप्पो द्वारा इसकी मां सूरजमनी कि हत्या कर शव को दफन करने की आशंका पर तत्काल सदर धारा 302, 201 का अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया। मामले को संज्ञान में लेकर पुलिस महानिरीक्षक सरगुजा रेंज राम गोपाल गर्ग के सतत मार्गदर्शन में पुलिस अधीक्षक सरगुजा भावना गुप्ता के निर्देशन में मामले में त्वरित कार्रवाई हेतु एक विशेष टीम का गठन कर फरार हुए आरोपी का शीघ्र पता तलाश कर गिरफ्तार करने के दिशा निर्देश दिए गए थे। इसी क्रम में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक विवेक शुक्ला, नगर पुलिस अधीक्षक स्मृतिक राजनाला के नेतृत्व में पुलिस टीम द्वारा प्रकरण के आरोपी की सरगर्मी से पता तलाश की जा रही थी। जो आरोपी संतोष टोप्पो साकिन साडबार पुलिस टीम से लुक छिपकर बार-बार अपना स्थान बदल रहा था। पुलिस टीम द्वारा आरोपी पर मुखबीर तैनात किये गए थे जो आरोपी संतोष टोप्पो को मोरगा जिला कोरबा से मुखबीर सुचना पर गिरफ्तार किया गया एवं आरोपी से घटना के सम्बन्ध मे पूछताछ करने पर आरोपी द्वारा अपनी पत्नी मृतिका सूरजमनी से विवाद होने पर मारपीट कर हत्या कारित कर शव को आंगन मे दफन कर देना स्वीकार किया गया जो आरोपी द्वारा घटना कारित किया जाना स्वीकार किये जाने पर आरोपी के विरुद्ध अपराध सबूत पाये जाने से गिरफ्तार कर न्यायिक अभिरक्षा में भेजा दिया गया है। सम्पूर्ण कार्यवाही में थाना प्रभारी मणीपुर उप निरीक्षक प्रमोद कुमार पाण्डेय, सहायक उप निरीक्षक भूपेश सिंह, प्रआर सतीश कुमार सिंह, महेश्वर शरण सिंह, आर अतुल शर्मा, सुरेश कुमार गुप्ता शामिल रहे।

नए आईडियाज हों और जो जोखिम भरा है उद्यमिता

» पीजी कॉलज में दो दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय सेमिनार का आयोजन

- संवाददाता -
अंबिकापुर,12 मई 2023 (घटती-घटना)।

राजीव गांधी शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय अंबिकापुर के अर्थशास्त्र विभाग द्वारा कौशल विकास, उद्यमिता एवं पर्यावरण विषय पर दो दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय सेमिनार का आयोजन किया गया। इस आयोजन के उद्घाटन सत्र में मुख्य अतिथि के रूप में गुरुनानक देव विश्वविद्यालय से आये हुए प्रो. विक्रम चड्ढा तथा विशिष्ट अतिथि के रूप में इथोपिया से आए प्रो. टेसफाए गेडयो, नाइजीरिया से आए डॉ. उस्मान अफ्फान, दिल्ली से आये मिस्टर आरिफ सेख उपस्थित रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. रिजवान उल्ला ने की तथा महाविद्यालय के पूर्व प्राचार्य प्रो. एसके त्रिपाठी, प्रो. रशीदा परवेज, सिल्फिली महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. रामकुमार मिश्रा की विशिष्ट उपस्थिति रही। सेमिनार के संयोजक प्रो. जयनारायण पाण्डेय ने दोनों दिन के कार्यक्रम की विस्तृत रूपरेखा प्रस्तुत की। इस दौरान गुरुनानक देव विश्वविद्यालय से आये हुए प्रो. विक्रम चड्ढा कहा कि कौशल विकास और उद्यमिता पर आयोजित यह सेमिनार निश्चित रूप से विद्यार्थियों और शोधार्थियों को एक नई राह दिखाने वाला साबित होगा। अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में प्राचार्य प्रो. रिजवान उल्ला ने कहा कि इस सेमिनार का उद्देश्य विद्यार्थियों को उद्यमिता के क्षेत्र की विविध चुनौतियों और संभावनाओं से रू-बरू कराना है और यदि इस सेमिनार के पश्चात विद्यार्थी इस तरह की कोई नई शुरुआत करते हैं तो निश्चित ही यह इस सेमिनार की उपलब्धि होगी।

उदघाटन सत्र के पश्चात प्रथम तकनीकी सत्र द्वितीय तकनीकी सत्र तथा समान्तर रूप से ऑनलाइन तकनीकी सत्र आयोजित हुए। प्रथम तकनीकी सत्र की अध्यक्षता शासकीय नवीन कन्या महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ रंजना नीलिमा कच्छप ने की तथा देश के विभिन्न हिस्से से आये हुए शोधार्थियों ने अपने शोध पत्र का वाचन किया। डॉ कच्छप ने कहा कि उद्यमिता व्यवसाय से बिलकुल अलग चीज है। व्यवसाय तो कोई भी कर सकता है लेकिन उद्यमिता के क्षेत्र में वही जा सकता है जिसके पास नए आइडियाज हों और जो जोखिम उठा सकता हो।

द्वितीय तकनीकी सत्र में डॉ. एचडी महार तथा प्रो. टेसफाए गेडयो मुख्य वक्ता रहे। इसके अतिरिक्त विभिन्न शोधार्थियों ने शोध पत्र का वाचन किया। ऑनलाइन तकनीकी सत्र में भी विभिन्न शोधार्थियों ने अपने शोधपत्र का वाचन किया। दोनों सत्रों का संचालन डॉ एमसी हिमधर तथा डॉ. ब्रजेश कुमार ने किया। सेमिनार में महाविद्यालय के प्राध्यापकों के साथ-साथ बड़ी संख्या में अन्य महाविद्यालयों से आए हुए प्राध्यापक उपस्थित रहे।

सीबीएसई 10वीं-12वीं बोर्ड परीक्षा परिणाम घोषित,विद्यार्थियों का रहा उत्कृष्ट प्रदर्शन

- संवाददाता -
अंबिकापुर,12 मई 2023 (घटती-घटना)।

केन्द्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड दिल्ली द्वारा सत्र 2022-23 के 10वीं व 12वीं कक्षा का परीक्षा परिणाम घोषित कर दिया गया। परीक्षा परिणाम में सरगुजा के सीबीएसई बोर्ड के 10-12वीं के छात्र-छात्राओं ने भी उत्कृष्ट अंक लाकर बेहतर प्रदर्शन किया है। जिला मुख्यालय अंबिकापुर के कार्मेल स्कूल, होली क्रॉस स्कूल, सहित अन्य सीबीएसई पाठ्यक्रम संचालित स्कूलों का परिणाम संतोषजनक रहा। कार्मेल स्कूल अम्बिकापुर का परीक्षा परिणाम शत-प्रतिशत रहा। कक्षा 12वीं में विद्यालय के कुल 129 विद्यार्थी परीक्षा में शामिल हुए थे। जिसमें सभी रहे। वाणिज्य संकाय के अवनी अग्रवाल ने 95.2 प्रतिशत अंकों के साथ विद्यालय में सर्वोच्च स्थान अर्जित किया। द्वितीय स्थान पर वाणिज्य संकाय की चारु अग्रवाल 94.8 प्रतिशत अंको के साथ एवं जीव-विज्ञान संकाय से संस्कार शर्मा 94 प्रतिशत अंको के साथ तृतीय स्थान अर्जित किया। अन्य विद्यार्थि में रिशिता सचान 92.20, पलक सोनी एवं कुशल कुमार डागा 91.8, सौम्या अग्रवाल 91.2, रितिक जैन 90.60, रिमझिम गोयल 90.2 अंको के साथ विद्यालय को गौरवान्वित किया। वहीं कक्षा 10वीं में विद्यालय के कुल 223 विद्यार्थी परीक्षा में शामिल हुए थे, जिसमें से सभी 223 उत्तीर्ण रहे। आदर्श गुप्ता ने 96.2 प्रतिशत अंकों के साथ विद्यालय में सर्वोच्च स्थान अर्जित किया। नुपुर सिंह 95.8 प्रतिशत अंको के साथ द्वितीय स्थान पर एवं सृष्टि दिक्षित ने 95.2 प्रतिशत अंको के साथ तृतीय स्थान अर्जित किया। अन्य विद्यार्थि में चितरांशु मिश्रा 95, एल्सी बारा 94.6, रितिक राज 94.4, श्रेयांशवी श्रीवास्तव 94.2, अद्रिता जिंदल 94, अयान सिंह 93.8, सुजल शुक्ला 93.6, सृजन सिह भदौरिया 93.4, अनामिका किन्डो 92.6, प्रियल सिंह 92.2, सिद्धि अग्रवाल 92, राज गुप्ता 91.4, वेदांत लोहानी 91.4, अदिति सिंह बघेल 91.2, मेहुल श्रीवास 91.2, सृष्टि जायसवाल 90.6, पूर्वा कटारिया 90.4, साक्षी गुप्ता 90.2, अक्षज कुम्भकर 90, विरेश त्रिपाठी 90 प्रतिशत अंको के साथ विद्यालय को गौरवान्वित किया। विद्यालय की प्राचार्य सि. जीवा नें विद्यार्थियों के प्रदर्शन के लिए समस्त शिक्षकों , विद्यार्थियों एवं उनके अभिभावकों को बधाई एवं शुभकामनाएं दी हैं। केन्द्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड नई दिल्ली द्वारा घोषित 12वीं के परीक्षा-2023 परिणाम में ओरिएण्टल पब्लिक स्कूल के विद्यार्थियों ने उत्कृष्ट सफलता अर्जित की है। विद्यालय के 221 विद्यार्थी इस परीक्षा में सम्मिलित हुए जिसमें से 178 विद्यार्थी प्रथम श्रेणी से उत्तीर्ण हुए एवं शेष विद्यार्थी द्वितीय श्रेणी में उत्तीर्ण है। इस परीक्षा परिणाम में महामाया रोड मोमिनपुरा अम्बिकापुर निवासी मो. मुनीर अहमद तथा शामा परवीन की सुपुत्री बेबी आफरीदा 96 प्रतिशत अंक लेकर अव्वल रही। इसी तरह राशी अग्रवाल 94.4 प्रतिशत, आयुष गुप्ता 93.8 प्रतिशत, आंचल मिश्रा 93 प्रतिशत, प्रगति ध्रुव 92.6 प्रतिशत, आस्था सिंह रातपुत 91.6 प्रतिशत, सातविक राज 91.2 प्रतिशत, आमोग यश गुप्ता 90.8 प्रतिशत, उन्नती केशरवानी 90.6 प्रतिशत, प्रियांशी गुप्ता 90.4 प्रतिशत, स्वास्तिक कुमार 90 प्रतिशत, खुशी अग्रवाल 90 प्रतिशत । कक्षा 10वीं में 210 विद्यार्थी परीक्षा में सम्मिलित हुए जिसमें से 173 विद्यार्थी प्रथम श्रेणी से उत्तीर्ण हुए एवं शेष विद्यार्थी द्वितीय श्रेणी में उत्तीर्ण हुए। इस परीक्षा परिणाम में सदर रोड अम्बिकापुर निवासी अशोक कुमार गुप्ता तथा प्रियंका गुप्ता की सुपुत्री आस्था गुप्ता 98.2 प्रतिशत अंक लेकर अव्वल रही। सक्षम अग्रवाल 96 प्रतिशत, संकेत कुमार सोनी 95.4 प्रतिशत, माही वर्मा 95.2 प्रतिशत जॉन कुजुर 94.6 प्रतिशत, माही सिंह 94.2 प्रतिशत, कृष्णा सिंह 93.6 प्रतिशत , रौनक सिंह 92.8 प्रतिशत ,समीर चौहान 92.6 प्रतिशत, दीपक केशरी 92.6 प्रतिशत, नियती जायसवाल 92.6 प्रतिशत, अली रजा 92.6 प्रतिशत ,ऋषि दास 92.4 प्रतिशत, हर्ष कुमार सिंह 92.4 प्रतिशत, मान्या बन्सल 92 प्रतिशत ,प्रतीक तिग्गा 91.8 प्रतिशत, प्रियंम गुप्ता 91 .8 प्रतिशत, अनुष्का गुप्ता 91.8 प्रतिशत, गोल्डी अग्रवाल 91.6 प्रतिशत, पियुष कुमार गुप्ता 91.6 प्रतिशत, प्रिया कुमारी शुक्ला 90.6 प्रतिशत अंक के साथ उत्तीर्ण हुए हैं। इन सभी विद्यार्थियों ने अपनी कामयाबी का श्रेय अपने अभिभावको स्कूल के शिक्षकों तथा यहां के शैक्षणिक वातावरण को दिया है। प्राचार्य डॉ. आईए खान सूरी ने इस उत्कृष्ट उपलब्धि के लिए इन बच्चों को तथा इनके माता-पिता एवं अपने स्कूल के शिक्षकों को बधाइ देते हुए इन बच्चों के उज्जवल भविष्य की कामना की है। होली क्रॉस कॉन्वेंट सीनियर सेकेण्डरी स्कूल अंग्रेजी माध्यम के कक्षा 12वीं का परीक्षा परिणाम ऐतिहासिक व गौरवान्वित करने वाला रहा। सीबीएसई से प्राप्त परीक्षा परिणाम में विद्यालय के विद्यार्थियों और शिक्षकों के परिश्रम ने अपना रंग दिखाया और ऐतिहासिक परीक्षा परिणाम हासिल किया। विदित हो कि पिछले शिक्षण सत्र में विद्यालय की 12 वीं कक्षा में कुल 212 विद्यार्थी अध्ययनरत थे। जिसमें अधिकतम 97.6 प्रतिशत अंक के साथ स्तुति अग्रवाल ने प्रथम स्थान हासिल किया जिससे विद्यालय के साथ-साथ शहर का भी नाम रौशन किया है। इसी क्रम में वैराग्य अग्रवाल 96.8 प्रतिशत के साथ द्वितीय स्थान, रीधिमा अग्रवाल 96 प्रतिशत के साथ तीसरा स्थान, विक्रम आदित्य सिंह 95.4 प्रतिशत के साथ चौथा स्थान एवं वंशीका केशरवानी ने 95.2 प्रतिशत अंकों के साथ पांचवां स्थान प्राप्त किया है। 90 प्रतिशत और उससे अधिक अंक पाने वाले विद्यार्थियों की संख्या 32 है। 80 प्रतिशत एवं उससे अधिक अंक पानेवाले विद्यार्थियों की संख्या 87 है एवं 70 प्रतिशत और उससे अधिक अंक पानेवाले 160 विद्यार्थी है एवं 60 प्रतिशत और उससे अधिक अंक पानेवाल 201 विद्यार्थी है। 10 वीं कक्षा में कुल 292 विद्यार्थी अध्ययनरत थे। जिसमें अधिकतम 96 प्रतिशत अंक के साथ आशी बराई ने प्रथम स्थान हासिल किया तथा अपने विद्यालय और नगर को गौरवान्वित किया है। इसी क्रम में सौम्या सिंह राठौर 95.4 प्रतिशत के साथ द्वितीय स्थान, तृप्ति बंजारे 94.6 प्रतिशत तृतीय स्थान पर रहे इसके बाद अक्षत अजय गोयल ने 94.4 प्रतिशत तथा नंदिनी अग्रवाल ने 94.4 प्रतिशत अंक हासिल किया। इसके पश्चात तनिशा कोटवानी 94.4 प्रतिशत, अदिति कुमारी 94 प्रतिशत अंक हासिल किया है। वहीं 90 प्रतिशत और उससे अधिक अंक पाने वाले विद्यार्थियों की संख्या 131 है। 60 प्रतिशत और उससे अधिक अंक पानेवाले 237 विद्यार्थी है। इस प्रकार प्रथम श्रेणी से कुल 257 विद्यार्थी उत्तीर्ण हुए। विद्यालय के इस परीक्षा परिणाम से छात्रों, अभिभावकों तथा शिक्षकों में हर्ष व्याप्त है। विद्यालय की प्राचार्या सि. जेस्सी ने सभी को अपनी शुभकामनाएं दी है एवं उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की हैं।

नर्स फंटलाइन में खड़े होकर बचाते हैं लोगों की जिंदगियां

» अंतर्राष्ट्रीय नर्स दिवस के अवसर पर नर्सिंग ऑफिसर सम्मानित

- संवाददाता -
अंबिकापुर,12 मई 2023 (घटती-घटना)।

मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. पीएस सिसोदिया के निर्देशानुसार शुक्रवार को अंतराष्ट्रीय नर्स दिवस के अवसर पर विकासखण्ड स्वास्थ्य केन्द्रों से उत्कृष्ठ कार्य करने वाले नर्सिंग ऑफिसर को सम्मानित किया गया। सिविल सर्जन सह अस्पताल अधीक्षक डॉ. आरएन गुप्ता ने इस अवसर पर उपस्थित नर्सिंग ऑफिसर को मनोबल बढ़ाते हुए कहा कि विश्व में कोरोना महामारी के दौर में जब करोडों की तादाद में लोग अस्पतालों में थे। तब डॉक्टर्स के साथ नर्सों ने अपनी जान की परवाह किए बिना लोगों की जिंदगियां बचाई। हेल्थकेयर इंडस्ट्री में दशकों से नर्सों की महत्वपूर्ण भूमिका रही है। लगातार नर्सिंग प्रोफेशन बेहतर हो रहा है और इसका महत्व भी दिनोंदिन बढ़ता जा रहा है। अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर नर्सों के योगदान को याद करने और उन्हें सम्मान देने के लिए हर साल 12 मई को अंतर्राष्ट्रीय नर्स दिवस मनाया जाता है। यह दिन नर्सिंग की जन्मदाता फ्लोरेंस नाइटिंगेल के सम्मान में उनकी जयंती पर पर किया जाता है। नर्स दिवस हमारे समाज और हेल्थकेयर इंडस्ट्री में नर्सों के महत्वूर्ण रोल को याद करने के लिए मनाया जाता है। यह दिन दुनियाभर में नर्सों को सम्मान देने के महत्व पर जोर देता है और लोगों को इन बहादुर व मेहनती पेशेवरों के प्रति आभार व्यक्त करने के लिए प्रोत्साहित करता है। जब भी विश्व में महामारी का दौर आता है तब नर्स फ्रंटलाइन में खड़े होकर लोगों की जिंदगियां बचाने की कोशिश करती हैं। कोविड के कठिन दौर में भी ऐसा ही हुआ।

जिला कार्यक्रम प्रबंधक डॉ. पुष्पेन्द्र राम ने नर्स दिवस के अवसर पर कहा कि हमारे चिकित्सा संस्थानों में नर्सें एक आवश्यक भूमिका निभाती हैं जैसे कि सुरक्षा देना या रोगियों को ठीक होने में मदद करना इत्यादि। इसमें कोई संदेह नहीं है कि जब किसी रोगी को देखभाल की आवश्यकता होती है तो नर्सें व्यक्ति की जरूरतों की पहचान करने और उनकी रक्षा करने के लिए अथक प्रयास करती हैं। अधिकांश समय नर्स कठिन वातावरण में काम करती हैं जहां अत्यधिक तनाव होते हुए भी वे अपने कार्य को भलिभांति सेवा भाव से पूर्ण करती है।

सम्मानित समारोह हेतु जिला सरगुजा से कुल 16 नर्सिंग ऑफिसर को सम्मानित किया गया। विकासखण्ड लुण्ड्रा से वर्षा, शहरी क्षेत्र से नीतू केसरी, निलिमा राजवाड़े, अवधेश कुजूर, दिपशिखा, रामप्यारी खेस, उदयपुर से लक्ष्मी दास, सबिना, भफौली से रिया कुशवाहा, रजनी कुशवाहा, चमेली, मैनपाठ से सिलबिना केरकेट्टा, बतौली से निलिमा लकड़ा, सीतापुर से राधा बाई, उर्मिला, लखनपुर से ललिता को प्रसस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर डॉ. वाईके किण्डो, डॉ. जेके रेलवानी, डॉ. प्रीति मॉनिक, डॉ. वर्षा शर्मा, पुष्पा दास, प्रशांत कश्यप एवं अन्य अधिकारी तथा कर्मचारी उपस्थित थे।

पर्यावरण के प्रति जागरूक रहकर वृक्ष लगाने पर दिया गया जोर

- संवाददाता -
अंबिकापुर,12 मई 2023 (घटती-घटना)।

जन शिक्षण संस्थान में अणुव्रत व्याख्यान माला का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में अतिथि के रूप में संस्था के निर्देशक एम सिद्दीकी, सांसद प्रतिनिधि पंकज गुप्ता, सरगुजा साइंस ग्रुप संस्थापक अंचल ओझा, अणुव्रत समिति के प्रचार प्रसार मंत्री हनुमान डागा, सरस्वती शिशु मंदिर की प्रचार्या मीरा साहू, सहयोगी सुषमा जायसवाल रहे।

व्याख्यान माला में सर्व प्रथम संयोजिका ममोल कोचेटा अणुव्रत के इतिहास पर प्रकाश डालते हुए विभिन्न आयमों के बारे में भी बताया। मीरा साहू ने श्रद्धा, विनय, विवेक और नैतिकता पर अणुव्रत के शिक्षक और विद्यार्थी की आचार संहिता को खुलकर प्रकाश डाला। निर्देशक एम सिद्धकी ने अणुव्रत को स्वयं अपनाने से शुरू कर समाज में जागरूक करने की बात कही। संस्थापक अंचल ओझा ने अणुव्रत को परिभाषित करते हुए उसके पूरे 11 नियमों को जीने की बात की। पर्यावरण के प्रति जागरूक रहकर वृक्ष लगाने पर जोर दिए। संयम दिवस में मौन रहने और फोन से दूरी करने की बात की। कार्यक्रम का संचालन ममोल कोचेटा ने किया। जिन्होंने बीच-बीच में प्रश्न भी किए और जबाब देने वालों को पुरस्कार भी दिया गया। कार्यक्रम में प्रशिक्षण प्राप्त करने वाले 150 लोगों की उपस्थिति रही।

नेपाली समकक्ष से मिले विदेश मंत्री जयशंकर,

एनर्जी-कनेक्टिविटी और स्थायी संबंधों को लेकर चर्चा

ढाका,12 मई 2023। विदेश मंत्री एस जयशंकर छठे हिंद महासागर सम्मेलन-2023 में भाग लेने के लिए ढाका में हैं। शुक्रवार को उनकी मुलाकात नेपाल के विदेश मंत्री एन.पी.सऊद से हुई। जयशंकर ने उन्हें नई जिम्मेदारी मिलने पर बधाई दी और दोनों देशों के बीच साझेदारी को आगे बढ़ाने पर चर्चा की।

जयशंकर ने ट्वीट कर कहा, %%नेपाल के विदेश मंत्री एन पी सऊद के साथ पहली बैठक अच्छी रही। उन्हें नई जिम्मेदारी के लिए बधाई दी। हमने लगातार बढ़ती साझेदारी में आगे के कदमों पर चर्चा की। ऊर्जा, कनेक्टिविटी और हमारे लोगों के बीच स्थायी संबंधों के बारे में बात की।÷

जैसा कि हमने देखा है जब राष्ट्र अपने कानूनी दायित्वों की अवहेलना करते हैं या लंबे समय से चले आ रहे समझौतों का उल्लंघन करते हैं, तो भरोसे को कमजोर करते हैं। इसलिए यह जरूरी है कि हम सभी अपने हितों के रणनीतिक दृष्टिकोण के बजाय अपने सहयोग के बारे में लंबा दृष्टिकोण अपनाएं। उन्होंने आगे कहा, अगर हम अपारदर्शी प्रथाओं को प्रोत्साहित करते हैं, तो वे हमें वापस नुकसान पहुंचाने के लिए बाध्य हैं।

उन्होंने कहा, दुनिया हिंद-प्रशांत के बड़े क्षेत्र से वाकिफ है, इसलिए हमें हिंद महासागर के देशों के मुद्दों और चुनौतियों को कम करके नहीं आंकना चाहिए। हम बिम्सटेक के सदस्य हैं और हम शासन, आधुनिकीकरण और सुरक्षा में आने वाली चुनौतियों से बहुत अच्छी तरह वाकिफ हैं। हमें गहरे सहयोग और साझा प्रयासों के जरिए उनसे निपटने का भरोसा है।

इससे एक दिन पहले उन्होंने बांग्लादेश की प्रधानमंत्री शेख हसीन से मुलाकात की और विभिन्न क्षेत्रों में द्विपक्षीय सहयोग और आपसी हितों के मुद्दों पर चर्चा की। विदेश मंत्री जयशंकर ने हसीना को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की ओर से शुभकामनाएं भी दीं।

जयशंकर बांग्लादेश, स्वीडन और बेल्जियम की छह दिवसीय यात्रा पर गुरुवार को रवाना हुए हैं। अपनी इस यात्रा के दौरान विदेश मंत्री एस जयशंकर द्विपक्षीय और बहुपक्षीय ढांचे के तहत तीनों देशों के साथ भारत के जुड़ाव को और मजबूत करने के तरीकों पर वार्ता करेंगे। विदेश मंत्रालय ने उनके इस दौरे के बारे में जानकारी दी थी। विदेश मंत्रालय ने बताया था अपने दौरे के क्रम में वे बांग्लादेश पहुंच चुके हैं। जहां उनका स्वागत विदेश राज्यमंत्री शहरयार आलम ने किया।

विदेश मंत्रालय के मुताबिक, अपनी यात्रा के पहले चरण में जयशंकर 11 और 12 मई को ढाका में रहेंगे। इसके बाद ढाका से रवाना होंगे और 13 से 15 मई तक स्वीडन की यात्रा पर जाएंगे। तीन देशों की अपनी यात्रा के अंतिम चरण में वे बेल्जियम जाएंगे। जहां वे दो दिन 15 और 16 मई तक रहेंगे।

इस्राइली सुरक्षा बलों ने पहली बार शिरीन की मौत के लिए मांगी माफी,कहा- हम चाहते हैं कि पत्रकार...

वाशिंगटन , 12 मई 2023। एक जानी मानी पत्रकार शिरीन अबू अकलेह की पिछले साल मई में वेस्ट बैंक में गोली लगने से मौत हो गई थी। उत्तरी वेस्ट बैंक के जेनिन कस्बे में हुई इस्राइली सेना की गोलीबारी में शिरीन की हत्या को कतर आधारित मीडिया और फलस्तीन ने अपराध बताया है। उस समय वह रिपोर्टिंग कर रही थीं।

पिछले साल हुई थी मौत

एक जानी मानी पत्रकार शिरीन अबू अकलेह की मौत के लिए एक साल बाद गुरुवार को पहली बार इस्राइली सेना ने माफी मांगी है। गौरतलब है, अकलेह की मौत उस वक्त हुई थी जब पिछले साल 11 मई को गाजा में इस्राइल उत्तरी वेस्ट बैंक में सशस्त्र फलस्तीनी समूह के गढ़ जेनिन शरणार्थी शिविर में एक अभियान चलाया था। शिरीन यहां पर लाइव रिपोर्टिंग कर रही थीं। इसी दौरान चली एक गोली से उनकी मौत हो गई थी। इस घटना में उनके साथी पत्रकार अली अल समुदी को भी गोली लगी थी।

आइडीएफ के मुख्य प्रवक्ता ने मांगी माफी

इस्राइली सुरक्षा बलों (आइडीएफ) के मुख्य प्रवक्ता रियर एडमिनिस्ट्रेटर डैनियल हागरी ने एक साक्षात्कार में माफी मांगी है। उन्होंने कहा कि मुझे लगता है कि मेरे पास यहां कहने का अवसर है कि हम शिरीन की मौत के लिए बहुत दुखी हैं। वह एक अच्छी पत्रकार थीं। उन्होंने आगे कहा कि इस्राइल में हम अपने लोकतंत्र को महत्व देते हैं और लोकतंत्र में, हम स्वतंत्र पत्रकारिता देखते हैं।

हागरी ने कहा कि हम चाहते हैं कि पत्रकार इस्राइल में सुरक्षित महसूस करें। खासकर युद्ध के समय में, चाहें वे उस दौरान हमारी आलोचना ही क्यों न कर रहे हों।

20 पत्रकारों की हो चुकी है मौत

बता दें, यह बयान एक रिपोर्ट आने के बाद सामने आया है, जिसमें कहा गया था कि पिछले दो दशकों में कम से कम 20 पत्रकारों की हत्याओं पर इस्राइली सेना से कोई जवाब नहीं मांगा गया है। वहीं एक प्रेस ग्रुप के अनुसार, साल 2001 के बाद से इस्राइली सेना के हमले में कम से कम 20 पत्रकारों की मौत हो चुकी है। मारे गए पत्रकारों में से करीब 18 फिलिस्तीनी थे।

ब्लैकटाउन सिटी काउंसिल ने सिख फॉर जस्टिस के मंसूबों पर फेरा पानी,जनमत संग्रह कार्यक्रम किया रद्द

मेलबर्न,12 मई 2023। विवादित संगठन सिख फॉर जस्टिस के मंसूबों पर ब्लैकटाउन सिटी काउंसिल ने पानी फेर दिया है। सिडनी में प्रस्तावित संगठन के जनमत संग्रह के प्रस्तावित कार्यक्रम को रद्द कर दिया गया है। बता दें, यह कार्यक्रम ब्लैक टाउन लीजर सेंटर स्टेनहोप में आयोजित किया जाना था।

ऑस्ट्रेलिया मीडिया रिपोर्ट में कहा गया है कि जब से सिख फॉर जस्टिस के कार्यक्रम होने की बात सामने आई थी, तब से ही लगातार शिकायतें और धमकियां मिल रही थीं। ऐसे में सुरक्षा एजेंसियों की सलाह पर कार्यक्रम की बुकिंग रद्द कर दी गई है।

धमकियों के बाद लिया फैसला

एक प्रवक्ता ने बताया कि काउंसिल ने अपने स्थापित नियम व सिद्धांतों के मुताबिक इस कार्यक्रम को रद्द करने का फैसला किया है। काउंसिल भारत या पाकिस्तान के आंतरिक मामलों से संबंधित किसी राजनीतिक स्थिति का समर्थन या आलोचना नहीं करता और किसी विशेष राजनीतिक स्थिति के समर्थन के रूप में इसका प्रतिनिधित्व नहीं किया जाना चाहिए।

बैनर व पोस्टर हटाए जा रहे

इस रिपोर्ट में बताया गया है कि अरविंद गौर ने सिख फॉर जस्टिस के प्रचार कार्यक्रम द्वारा तैयार किए गए पोस्टर व बैनर में आतंकी गतिविधियों में शामिल रहे लोगों की प्रशंसा किए जाने की शिकायत की थी। इस पर काउंसिल के सीईओ केरी रॉबिन्सन ने उन्हें जवाब देते हुए बताया कि अधिकारियों की तरफ से ऐसे तमाम बैनर व पोस्टर हटाए जा रहे हैं और एनएसडब्लू पुलिस से सलाह मांगी गई है।

लेन-देन के मामले में चल रही जांच

रिपोर्ट के अनुसार, विक्टोरिया में पंजीकृत सिख फॉर जस्टिस प्राइवेट लिमिटेड की बेहिसाब पैसों के लेन-देन के मामले में जांच चल रही है। गौरतलब है कि इसी सप्ताह की शुरुआत में खालिस्तान समर्थकों द्वारा रोजहिल स्थित स्वामीनारायण मंदिर पर हमले की घटना सामने आई थी, जिसकी हिंदू, इस्लामी और सिख संगठनों ने कड़ी निंदा की थी।

यूक्रेन की मदद के लिए फिर आगे आया ब्रिटेन,

सैन्य हथियार और मिसाइल मुहैया कराएगा

लंदन ,12 मई 2023। ब्रिटेन की सरकार ने गुरुवार को एलान किया है कि वह यूक्रेन को लंबी दूरी तक मार करने वाली मिसाइलें स्टॉर्म शैडो देंगे। इसके साथ ही यूक्रेन को लंबी दूरी की मिसाइलें देने वाला, ब्रिटेन पहला देश बन जाएगा। ब्रिटेन से स्टॉर्म शैडो मिसाइलें मिलने के बाद रूस के खिलाफ यूक्रेन की ताकत में काफी इजाफा होगा और उसकी आक्रमण करने की क्षमता बेहतर होगी।

रूस को अपनी जमीन से खदेड़ सकेगा यूक्रेन

ब्रिटेन के रक्षा मंत्री बेन वालेस ने बताया कि %आज मैं पुष्टि करता हूं कि ब्रिटेन यूक्रेन को स्टॉर्म शैडो मिसाइलें दान देगा। दान में मिले इन हथियारों से यूक्रेन रूस की बर्बरता से खुद का बचाव कर सकेगा।% बेन वालेस ने कहा कि %स्टॉर्म शैडो मिसाइलें यूक्रेन को अधिकार देंगी कि वह, रूस के खिलाफ खुद का बचाव कर सके साथ ही यूक्रेनी जमीन से रूसी सेना को पीछे खदेड़ सके।%

यूक्रेन की ताकत में होगा जबरदस्त इजाफा

स्टॉर्म शैडो मिसाइलें हवा में मार करने वाली लंबी दूरी की मिसाइल है। यह मिसाइल बेहद मुश्किल मौसम में भी संचालित की जा सकती है और ब्रिटेन और फ्रांस की सेनाओं ने लीबिया, इराक और खाड़ी के युद्ध में इन मिसाइलों का सफलतापूर्वक इस्तेमाल किया था। स्टॉर्म शैडो मिसाइल 250 किलोमीटर या 155 मील की दूरी पर स्थित लक्ष्य को भेद सकती है। यूक्रेन द्वारा लंबे समय से अमेरिका से सतह से सतह पर मार करने वाली लंबी दूरी की मिसाइल ATACMS की मांग की जा रही है, जो करीब 185 मील तक मार कर सकती है। अब ब्रिटेन से स्टॉर्म शैडो मिसाइल मिलने के बाद यूक्रेन की सैन्य ताकत में उल्लेखनीय इजाफा हो सकता है।

उल्लेखनीय है कि ब्रिटेन द्वारा यूक्रेन को लगातार सैन्य मदद दी जा रही है। इससे पहले ब्रिटेन, यूक्रेन को एंटी टैंक मिसाइलें, आर्टिलरी गन, एयर डिफेंस सिस्टम, आर्मर्ड व्हीकल और तीन एम270 मल्टीपल रॉकेट लॉन्चर सिस्टम भी दे चुका है। इस साल जनवरी में ब्रिटेन ने यूक्रेन को युद्धक टैंक भी मुहैया कराए थे। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, यूक्रेन, रूस के खिलाफ बड़े हमले की तैयारी कर रहा है। ऐसे में ब्रिटेन से लंबी दूरी की मिसाइलें मिलने के बाद यूक्रेन का यह हमला रूस को बड़ा नुकसान पहुंचा सकता है।

ट्रंप की फिर बढ़ी मुश्किलें,व्हाइट हाउस की पूर्व स्टाफ का आरोप-महिलाओं से करते थे दुर्व्यवहार

वॉशिंगटन , 12 मई 2023। अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और विवादों का साथ काफी गहरा है। ट्रंप आए दिन किसी ना किसी विवाद का हिस्सा बनते रहते हैं। लेखिका जीन कैरोल से यौन दुर्व्यवहार में ट्रंप को हाल ही में दोषी ठहराया गया है। अब व्हाइट हाउस में ट्रंप के स्टाफ की दो महिलाओं ने भी उन पर दुर्व्यवहार करने के आरोप लगाए हैं। ट्रंप प्रशासन का हिस्सा रहे एक वरिष्ठ प्रशासक ने दावा किया है कि ट्रंप, स्टाफ की एक युवा महिला में कुछ ज्यादा ही रुचि रखते थे और वह खुलेआम महिलाओं से गलत व्यवहार करते थे।

दो महिलाओं ने लगाए आरोप

ट्रंप प्रशासन में व्हाइट हाउस की स्टाफ रहीं दो महिलाओं ने आरोप लगाए हैं कि ट्रंप ने उनके साथ यौन दुर्व्यवहार किया था। एक टेलीविजन इंटरव्यू के दौरान उन्होंने ये आरोप लगाए। ट्रंप के राष्ट्रपति शासन के दौरान व्हाइट हाउस में प्रेस सचिव रहीं स्टेफनी ग्रीशम और व्हाइट हाउस में सलाहकार रहीं एलिसा फराह ग्रिफिन ने आरोप लगाया कि ट्रंप आदतन महिलाओं के साथ गलत व्यवहार करते थे और ये बात व्हाइट हाउस के सभी वरिष्ठ स्टाफ को पता थी।

बैठकों के दौरान भी करते थे दुर्व्यवहार

पूर्व उपराष्ट्रपति माइक पेंस की सलाहकार रहीं ओलिविया ट्रॉय ने आरोप लगाया कि ट्रंप खुलेआम महिलाओं पर भद्दी टिप्पणियां करते थे और यहां तक कि बैठकों के दौरान भी वह महिलाओं से गलत व्यवहार कर देते थे। फराह ग्रिफिन ने बताया कि ट्रंप पर गलत व्यवहार के अनगिनत मामले हैं और इसकी शिकायत व्हाइट हाउस के चीफ ऑफ स्टाफ मार्क मीडोज से भी की गई थी। ओलिविया ने बताया कि एक युवा महिला स्टाफ में उनकी खास दिलचस्पी थी।

बता दें कि अमेरिका में साल 2024 में होने वाले राष्ट्रपति चुनाव के लिए भी ट्रंप अपनी दावेदारी पेश कर रहे हैं। रिपब्लिकन पार्टी की तरफ से अभी राष्ट्रपति पद की दावेदारी में ट्रंप सबसे आगे हैं लेकिन उन पर लग रहे गंभीर आरोपों से उनकी 2024 की राह मुश्किल हो सकती है।

पाकिस्तानी राजनयिक ने भारत के खिलाफ उगला जहर,हिंदुत्व के मुद्दे पर पीएम मोदी को घेरा

वॉशिंगटन , 12 मई 2023। एक पाकिस्तानी राजनयिक ने भारत के खिलाफ जहर उगला है। दरअसल अमेरिका में पाकिस्तानी दूतावास में तैनात एक राजनयिक ने ट्वीट कर लिखा कि भारत अब एक स्वस्थ लोकतंत्र नहीं है और भारत में मुस्लिमों के खिलाफ नफरत को बढ़ावा दिया जा रहा है। पाकिस्तानी राजनयिक ने अंतरराष्ट्रीय समुदाय से अपील की कि अब वह इस मुद्दे पर शांत ना रहें।

पाकिस्तानी राजनयिक का भड़काऊ बयान

अमेरिका के वॉशिंगटन डीसी स्थित पाकिस्तानी दूतावास में प्रेस काउंसलर के पद पर तैनात सरफराज हुसैन ने एक ट्वीट किया। इस ट्वीट में सरफराज ने वॉशिंगटन पोस्ट में लिखे राना अयूब के लेख का लिंक साझा किया। ट्वीट के कैप्शन में पाकिस्तानी अधिकारी ने लिखा कि %अंतरराष्ट्रीय बिरादरी अब चुप ना रहे। राना अयूब ने चेतावनी दी है कि मोदी इंडिया को समझाने के लिए एक नया नैरेटिव गढ़ा जा रहा है। भारत कोई स्वस्थ लोकतंत्र नहीं है। मोदी भारत में मुस्लिमों के खिलाफ नफरत को बढ़ावा दे रहे हैं और दुनिया इस तरफ देख ही नहीं रही है।

लेख का दिया हवाला

लेख में कहा गया है कि भारत में व्यवस्थागत तरीके से मुस्लिमों को शोषण हो रहा है और उनके खिलाफ नफरत फैलाई जा रही है और अब इस प्रचार को चलते हुए कई साल बीत गए हैं तो यह मौजूदा समय में काफी गंभीर हो गया है। इस लेख में पीएम मोदी, गुजरात दंगे और देश में कथित हिंदुत्व उभार के बारे में लिखा गया है। भारत पाकिस्तानी राजनयिक का यह ट्वीट ऐसे समय सामने आया है, जब जम्मू कश्मीर में जी20 की बैठक होने जा रही है। जी20 का टूरिज्म सम्मेलन श्रीनगर में आयोजित होगा। इसका पाकिस्तान द्वारा विरोध किया जा रहा है।

18 साल में वोट देने के लिए जॉइन करनी होगी आर्मी! राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार रामास्वामी का बड़ा एलान

वॉशिंगटन , 12 मई 2023। अमेरिका में अगले साल होने वाले राष्ट्रपति चुनाव में भारतीय मूल के विवेक रामास्वामी भी अपनी दावेदारी पेश कर रहे हैं। अब रामास्वामी ने एलान किया है कि अगर वह सत्ता में आते हैं तो वोट देने के नागरिक कर्तव्य कानून में संशोधन किया जाएगा। इस संशोधन के तहत वोट देने की उम्र 18 साल से बढ़ाकर 25 साल की जाएगी। साथ ही अगर कोई 18 साल की उम्र में वोट देना चाहेगा तो उसे छह महीने तक सेना में सेवाएं देना अनिवार्य कर दिया जाएगा।

वोट देने के लिए लागू होंगी ये शर्तें

विवेक रामास्वामी रिपब्लिकन पार्टी की तरफ से राष्ट्रपति पद की उम्मीदवारी पर दावेदारी पेश कर रहे हैं। रामास्वामी ने गुरुवार को एलान किया कि वह मतदान करने के नागरिक कर्तव्य कानून में संशोधन का समर्थन करते हैं। इस संशोधन के तहत अमेरिका में वोट देने की उम्र 18 साल से बढ़ाकर 25 साल कर दी जाएगी। हालांकि 18 साल की उम्र के युवा भी वोट दे सकेंगे लेकिन इसके लिए कुछ शर्तें लगाई जाएंगी।

संशोधन के तहत 18 साल की उम्र में वोट देने के लिए अमेरिकी नागरिकों को न्यूनतम छह माह के लिए अमेरिकी सेना में अपनी सेवाएं देनी होंगी। या फिर फर्स्ट रेस्पॉन्स सर्विस (पुलिस, फायर आदि) में छह माह के लिए सेवाएं देनी होंगी। अगर कोई व्यक्ति इन शर्तों को पूरा नहीं करना चाहता है तो उसे एक नागरिक शिक्षा परीक्षा देनी होगी, यह परीक्षा अमेरिकी नागरिकता के लिए होने वाली परीक्षा जैसी होगी। अगर कोई व्यक्ति इनमें से कोई भी शर्त पूरी नहीं करता है तो उसे फिर मतदान करने के लिए 25 साल का इंतजार करना होगा।

संशोधन के लिए चाहिए दो तिहाई समर्थन

अमेरिका में कानून में संशोधन के लिए संसद के दोनों सदनों में दो तिहाई समर्थन होना जरूरी है। साथ ही राज्य विधानसभाओं में तीन चौथाई समर्थन होना जरूरी है। इस संशोधन के पक्ष में विवेक रामास्वामी का तर्क है कि हमारी सेनाओं में इस वक्त 25 प्रतिशत पद खाली हैं। वहीं युवा पीढ़ी के सिर्फ 16 प्रतिशत लोगों को अपने अमेरिकी होने पर गर्व है।

राजनीतिक अफरा-तफरी के बीच डिफॉल्ट करने के और करीब पहुंच गया पाकिस्तान

इस्लामाबाद, 12 मई 2023। पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान गिरफ्तारी के बाद से देश में मची अफरा-तफरी के बीच पाकिस्तान ऋण डिफॉल्ट करने के एक कदम और करीब पहुंच गया है। अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) ने गुरुवार को सख्त चेतावनी जारी करते हुए कहा कि पाकिस्तान को तुरंत अतिरिक्त वित्त जुटाने की जरूरत है। आईएमएफ ने यह भी साफ कर दिया कि अगर पाकिस्तान यह धन जुटाने में नाकाम रहा, तो वह उसके लिए मंजूर हो चुकी कर्ज की किस्तें जारी नहीं करेगा।

आईएमएफ की इस चेतावनी के बावजूद पाकिस्तान के वित्त मंत्री इशहाक डार ने उम्मीद जताई है कि पाकिस्तान के अपने अंतरराष्ट्रीय भुगतानों पर डिफॉल्ट (चुकाने में अक्षम होने) करने की नौबत नहीं आएगी। इस्लामाबाद सिक्युरिटी डायलॉग-2023 में पाकिस्तान की आर्थिक चुनौतियां विषय पर दिए भाषण में डार ने कहा- 'पाकिस्तान ने ऋण पाने के लिए आईएमएफ की सारी शर्तें पूरी कर दी हैं। सरकार ने यह सुनिश्चित कर दिया है कि पाकिस्तान अगले दिसंबर तक अपने सारे अंतरराष्ट्रीय भुगतान करने में सक्षम बना रहेगा।'

पिछले साल आईएमएफ के साथ यह करार हुआ था कि वह पाकिस्तान के लिए मंजूर 6.5 बिलियन डॉलर के ऋण की पहली किस्त के रूप में 1.1 बिलियन डॉलर जारी कर देगा। लेकिन आईएमएफ का दावा है कि इसके लिए उसने जो शर्तें लगाई थीं, पाकिस्तान ने उनका पालन नहीं किया है। इसलिए अभी तक ऋण का कोई हिस्सा जारी नहीं किया गया है। आईएमएफ ने गुरुवार को यह कहा कि पाकिस्तान के डिफॉल्ट करने की आशंका अब अधिक गहरा गई है। मगर इशहाक डार ने कहा कि पाकिस्तान ने मई और जून में अपने अंतरराष्ट्रीय भुगतान करने के लिए 3.2 बिलियन डॉलर की रकम का इंतजाम कर लिया है। उन्होंने कहा कि 'वैश्विक संस्थाओं को पाकिस्तान के डिफॉल्ट करने के बारे में बयान नहीं देने चाहिए।'

आईएमएफ के पहले अंतरराष्ट्रीय क्रेडिट रेटिंग एजेंसी मूडीज ने कहा था कि अगर आईएमएफ का कर्ज नहीं मिला, तो पाकिस्तान डिफॉल्ट करने पर मजबूर हो जाएगा। मूडीज ने कहा था कि जून के बाद पाकिस्तान अपनी अंतरराष्ट्रीय वचनबद्धताएं कैसे निभाएगा, इसे लेकर अनिश्चय बना हुआ है। इस बीच इन्वेस्टमेंट कंपनी कैपिटल इकॉनमिक्स में वरिष्ठ अर्थशास्त्री गैरेथ लेदर ने कहा है- 'जिस समय सड़कों पर विरोध प्रदर्शन का नजारा है, उसके बीच आईएमएफ कर्ज देने को लेकर अधिक आशंकित होगा।'

इन्वेस्टमेंट बैंक जेपी मॉर्गन के विश्लेषक माइलो गुनासिंघे ने भी कहा है कि राजनीतिक अस्थिरता के बीच पाकिस्तान को कहीं से राहत मिलने की संभावना और घट गई है। उन्होंने कहा- ताजा घटनाओं से दोनों पक्षों के बीच कोई सहमति बनने की संभावना भी और अधिक घट गई है।

पाकिस्तान के मौजूदा आर्थिक संकट के बीच पाकिस्तान को सिर्फ संयुक्त अरब अमीरात (यूएई), सऊदी अरब और चीन से आर्थिक सहायता मिली है। पाकिस्तान के सेंट्रल बैंक- स्टेट बैंक ऑफ पाकिस्तान (एसबीपी) ने गुरुवार को बताया कि उसके विदेशी मुद्रा कोष में 74 बिलियन डॉलर की गिरावट आई है। अब पाकिस्तान के विदेशी मुद्रा भंडार में 4.38 बिलियन रह गए हैं, जिनसे पाकिस्तान सिर्फ एक महीने के आयात का भुगतान कर सकता है।

CMYK

कांग्रेस सरकार के 2000 करोड़ के शराब घोटाला को लेकर भाजपा ने जताया विरोध

» शराब घोटाले को लेकर भाजपा खड़गवां मंडल ने मुख्यमंत्री व आबकारी मंत्री का किया पुतला दहन

» भाजपा ने विरोध के दौरान जोरदार की नारेबाजी मुख्यमंत्री से मांगा इस्तीफा

- रवि सिंह-
चिरमिरी/खड़गवां,12 मई 2023
(घटती-घटना)।

छत्तीसगढ़ में उजागर हुए 2000 करोड़ के शराब घोटाला मामले को लेकर कांग्रेस सरकार का विरोध करते हुए भाजपा खड़गवां मंडल ने गत दिवस रतनपुर बाजार में मुख्यमंत्री भूपेश बघेल आबकारी मंत्री कवासी लखमा का पुतला दहन किया और जोरदार नारेबाजी करते हुए एक मुख्यमंत्री से इस्तीफा मांगा।

भाजपा खड़गवां मंडल के द्वारा मुख्यमंत्री और आपकारी मंत्री के पुतला दहन को लेकर खड़गवां मंडल के साप्ताहिक बाजार ग्राम रतनपुर में आम सभा का आयोजन किया गया। इस दौरान उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए पूर्व विधायक श्याम बिहारी जायसवाल ने कहा कि बीते साढ़े 4 वर्ष में कांग्रेस सरकार ने भ्रष्टाचार के नए कीर्तिमान स्थापित किए हैं। शराबबंदी का वादा करने वाली भूपेश सरकार ने शराब को निजी आय का जरिया बना लिया है छत्तीसगढ़ की कांग्रेस सरकार को शराब की बुरी तरह से लत लग चुकी है। छत्तीसगढ़ में शराब माफियाओं और अवैध कार्यों में लिप्त लोगों को मुख्यमंत्री भूपेश बघेल आबकारी मंत्री कवासी लखमा का संरक्षण प्राप्त है। आज छत्तीसगढ़ के गांव-गांव में उप भट्टी खोलकर लोगों के घरों में भूपेश सरकार शराब परोसने का काम कर रही है। श्री जायसवाल ने आगे कहा कि शराब घोटाला देश का सबसे बड़ा घोटाला है जो दिल्ली शराब घोटाला से कहीं ज्यादा संगीन है। अभी तक रेत घोटाले के अलावा कोयला घोटाला, चावल घोटाला, सीमेंट घोटाला, तबादला घोटाला समेत प्रदेश के हर तरह के संसाधनों की लूट मचा कर कांग्रेस की यह बेईमान सरकार अंग्रेजों से भी अधिक बेरहमी से छत्तीसगढ़ को लूटने का काम कर रही है। घोटाले की श्रंखला में भूपेश सरकार ने मनमोहन सरकार को भी इन्होंने पीछे छोड़ दिया है। इस घोटाले में मुख्यमंत्री भूपेश बघेल आबकारी मंत्री कवासी लखमा के संरक्षण में अनवर ढेबर द्वारा एक संगठित अपराधिक सिंडिकेट का निर्माण किया गया। बड़ी संख्या में प्रदेश भर के सैकड़ों दुकानों में कच्ची शराब अवैध रूप से खा पाया गया। इस शराब से प्रदेशवासियों की जान को खतरा होते हुए भी पूर्ण संरक्षण देते हुए प्रदेश के शराब दुकानों में खपाया गया। फैक्ट्री में शराब बनाकर सीधे दुकानों में कब आना और कांग्रेसी नेताओं के खजाने में जमा होना बेहद संगीन मामला है। जहरीली शराब से हुई मौतों को भी भूपेश सरकार ने शराब बेचने का बहाना बना दिया। मुख्यमंत्री को नैतिकता के नाते इस्तीफा देकर प्रदेश की जनता से माफी मांगना चाहिए वहीं अबकारी मंत्री कवासी लखमा पर अपराधिक प्रकरण दर्ज कर मुकदमा चलाया जाना चाहिए। छत्तीसगढ़ जैसे सात्विक भोले भाले लोगों के आश्रय स्थल को आज कांग्रेस राज में अपराधियों माफियाओं का अड्डा बना दिया गया है। आगामी नवंबर में इसका जवाब छत्तीसगढ़ की जनता भूपेश सरकार को देगी। इस दौरान भाजपा जिला उपाध्यक्ष जनार्दन साहू, जिला कोषाध्यक्ष मुकेश जयसवाल, मंडल अध्यक्ष रामलाल साहू, भाजयुमो मंडल अध्यक्ष रामप्रताप ने भी उपस्थित जनों को संबोधित करते हुए भूपेश सरकार को जमकर कोसा। जिसके उपरांत रतनपुर चौक तक पैदल मार्च करते हुए सभी ने जोरदार नारेबाजी करते हुए मुख्यमंत्री और आबकारी मंत्री का पुतला रतनपुर चौक में जलाया गया। जिसे पुलिस द्वारा छीनने का काफी प्रयास किया गया लेकिन भाजपाइयों ने पुतला जला कर अपना विरोध प्रकट किया।

बेरोजगारी भत्ता के नाम पर छला गया:महेश प्रसाद

- संवाददाता -
एमसीबी,चिरमिरी 12 मई 2023 (घटती-घटना)।

भारतीय शक्ति चेतना पार्टी के सदस्य महेश प्रसाद जी 2023 विधानसभा मनेंद्रगढ़ प्रत्याशी प्रेस विज्ञप्ति जारी कर, छत्तीसगढ़ राज्य सरकार को बेरोजगारी भत्ता पर लगाए गंभीर आरोप 2023 का शुभारंभ राज्य सरकार द्वारा बेरोजगार युवाओं को वित्तीय सहायता प्रदान करने के लिए किया गया है इसके तहत राज्य के शिक्षित बेरोजगार युवाओं को बेरोजगारी भत्ते के रूप में आर्थिक सहायता उपलब्ध कराई जाएगी छत्तीसगढ़ बेरोजगारी भत्ता योजना के तहत ?2500 की सहायता राशि प्रति महीने के हिसाब से 2 वर्ष तक का एकमुस्त कुल राशी रुपए 60000 बेरोजगारी भत्ता के रूप में दिया जाएगा।

छत्तीसगढ़ प्रदेश में बेरोजगारी एक ऐसा मुद्दा बन गया है, जिसको ले कर प्रदेश की सरकार मनमानी तरीके से बेरोजगारों को मात्र छलने का काम कर रही है मगर इस समस्या का अंत कहीं नज़र नहीं आ रहा है, भारतीय शक्ति चेतना पार्टी के महेश प्रसाद जी ने सरकार को निशाना साधते हुए युवाओ का हक छीनने का आरोप लगाया है। उनका कहना है कि बेरोजगार भत्ते मे नियमों के जटिल होने के कारण बहुत सारे युवा बेरोजगारी भत्ते के लाभ से वंचित हो रहे है। महेश प्रसाद जी ने ये कहा की सरकार ने पिछले 4 साल से युवाओं को ठगा है। आज जब प्रदेश के युवा अपनी हक की लड़ाई खुद लड़ने सड़को पर उतरे है, तब कांग्रेस की सरकार युवाओं की आवाज को कुचलने का काम कर रही है। छत्तीसगढ़ में 133000 रिक्त हैं उसमें से 30 से 50,000 युवाओं को रिक्त में भर्ती होना चाहिए। छत्तीसगढ़ कांग्रेस की सरकार से युवा लोग लाखों की संख्या में भर्ती की मांग किए जा रही है छत्तीसगढ़ कांग्रेस की सरकार के पास झूठे वादे करने के अलावा कुछ नही है । बेरोजगारी भत्ता योजना जिसका लाभ कोई ना ले सके भ्रष्टाचार सरकार इस योजना को एक तरफ से चुनाओ मुद्दा बेरोजगारी भत्ता के नाम पे मुहिम चलाया जा रहा है। महेश प्रसाद जी का कहना है कि बेरोजगारी भत्ता के लिए जिस तरह से कांग्रेस सरकार ने नियम के मुहिम चलाई है उससे ऐसा लगता है की वह बेरोजगार भत्ता देना ही नही चाहता।

परिवार के साथ देखें द् केरला स्टोरी,छत्तीसगढ़ सरकार मूवी को टैक्स फ्री करे:देवेन्द्र तिवारी

» गंगा श्री में पूर्व जिपं सदस्य और युवा-युवतियों ने देखी द् केरला स्टोरी

- संवाददाता -
बैकुण्ठपुर 12 मई 2023
(घटती-घटना)।

जिला मुख्यालय स्थित बैकुंठपुर में पूर्व जिला पंचायत सदस्य और कोरिया सर्व विकास समिति के संरक्षक देवेंद्र तिवारी ने युवा नेताओं व शहर के युवक युवतियों के साथ सिनेप्लेक्स में द केरला स्टोरी देखा। यह फ़िल्म केरल में युवतियों के ब्रेनवाश कर उन्हें धर्मपरिवर्तन करने, उनका शोषण करने और आतंकवादी संगठनों से जोड़कर उनका शोषण, बलात्कार, अपहरण और हत्या जैसी वास्तविक निर्मम घटनाओं से जुड़ी है। केरल में विगत कई वर्षों से युवक युवतियों को धर्म परिवर्तन कराकर उन्हें नरक की जिंदगी में धकेला जा रहा है। खुफिया एजेंसियों की जांच में बेहद चौकाने वाले खुलासे हुए हैं। द केरला स्टोरी सच्ची घटना पर बनाई गई मूवी है, जिसमे तीन लड़कियों जिनमे से दो हिन्दू और एक ईसाई लड़की के साथ धोखा देकर किये गए क्रूर अत्याचार की कहानी दिखाई गई है।

भावुक हुए दर्शक,कहा ये तो हैवानियत है- मूवी देख रहे दर्शक महिलाएं पुरुष सच्ची घटना पर बनी इस मूवी को देखकर भावुक हो गए। उन्होंने कहा कि समाज की लड़कियाँ और लड़के इस मूवी को जरूर देखें और जागरूक हों कि किस तरह से आतंकवादी संगठन लव जेहाद को संरक्षण दे रहे हैं। केरल राज्य में लगातार हिन्दू और ईसाइयों के बच्चे इस षणयंत्र का शिकार हो रहे हैं, यही स्थिति देश के कई राज्यों में है। भाजपा नेता श्री तिवारी ने कोरियावासियों से आग्रह किया है कि देश और समाज के भविष्य के लिए इस मूवी को परिवार सहित देखें।

टैक्स फ्री करे सरकार

तिवारी ने मध्यप्रदेश और उत्तरप्रदेश की तरह छत्तीसगढ़ में भी इस फ़िल्म को टैक्स फ्री करने की मांग की है। उन्होंने कहा कि पश्चिम बंगाल में इस सच्चाई पर पर्दा डालने के लिए फ़िल्म को बैन किया गया है, जो देश की जनता के सामने वहां पर हो रहे तुष्टीकरण और हिन्दू समाज पर अत्याचार का प्रमाण दिलाता है।

शासन के नियमों को ठेंगा दिखाते लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग के अधिकारी

- रवि सिंह-
बैकुण्ठपुर,12 मई 2023
(घटती-घटना)।

एक ओर जहां प्रदेश के मुखिया भूपेश बघेल प्रदेश में सुशासन की बात करते नजर आते है तो वही कोरिया जिले के लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग जिला कोरिया के आला अधिकारी शासन के नियमों की खुलेआम धज्जियां उड़ाते नजर आ रहे है और इन्हे कलेक्टर के निर्देशों की भी परवाह नहीं है।

आपको बता दे की एक ओर जहां संलग्नीकरण पर पूर्णता रोक लगी हुई है तो वही कोरिया जिले के लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग में कर्मचारियों को मनचाहे स्थानों पर रख कर कार्य कराने का खेल जारी है और शासन के नियमों को ठेंगा दिखाते हुऐ यह खेल खुलेआम लंबे समय से चल रहा है, ऐसा हम इसलिये भी कह रहे है क्योंकि कर्मचारी की दूसरे जिले में मूल पदस्थापना होने के बाद भी कर्मचारी यदि

लंबे समय से दूसरे जिले में कार्य कर रहे हो तो इसे क्या कहा जाये और ऐसे कर्मचारियों को भरपूर समर्थन विभागीय उच्च अधिकारी से मिल रहा है जो सैयां भए कोतवाल तो डर काहे का वाली कहावत को चरितार्थ करता नजर आता है ऐसा नहीं है की इसकी जानकारी उच्च अधिकारियों को नहीं है बावजूद इसके शासन और जिला कलेक्टर के निर्देशों का बजाय पालन करने के अधिकारी अपनी मनमानी करते नजर आ रहे है ऐसे में अब देखना यह है की ऐसे कर्मचारियों पर कब कार्यवाही होती है जिन्होंने शासन के नियमों का मजाक बना रखा है। सूत्रों की माने तो जे के चंदेल एसडीओ मूल पदस्थापना बैकुंठपुर में और कार्य जनकपुर में कर रहें जबकि जनकपुर के एसडीओ को बैकुंठपुर में कर रहे कार्य, सहायक ग्रेड 2 विक्टर टोप्पो की मूल पदस्थापना मनेंद्रगढ़ एमसीबी जिले में कार्य दो वर्षों से बैकुंठपुर में कर रहा है, स्वामी शरण दिवेदी सहायक ग्रेड 2 उपखंड बैकुंठपुर में और कार्य खंड कार्यलय बैकुंठपुर में ऐसे ही आरईएस के एसडीओ की मूल पदस्थापन बलरामपुर में है और कार्य बैकुंठपुर एसडीओ कार्यलय का प्रभार में कुल मिलाकर जिसका जहां मन है वह वहीं काम कर रहा है और मूल पदस्थापना में जाने की उनकी कोई रुचि भी नजर नहीं आ रही है। विभाग के उच्च अधिकारी भी पूरे मामले में मौन हैं या उनकी भी सहमति है और वह भी कर्मचारियों को अपनी मूल पदस्थापना में काम करने जाने को कहने से बचते नजर आ रहे हैं।

संलग्नीकरण पर पूर्णता रोक फिर भी कोरिया में लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग के कर्मचारियों को मनचाहे स्थानों पर रख कर कार्य कराने का खेल जारी

ग्राम पंचायत साल्ही रोजगार सहायक कार्यवाही पर आपत्ति दर्ज कराई

- संवाददाता -
मनेन्द्रगढ़,12 मई 2023 (घटती-घटना)।

विगत दिनों केवल सिंह मरकाम गोंडवाना गणतंत्र पार्टी द्वारा रोजगार सहायक बैजनाथ सिंह के विरुद्ध शिकायत पत्र सौंपा गया था। ग्राम पंचायत साल्ही के रोजगार सहायक को हटाने को लेकर सीईओ जनपद पंचायत मनेन्द्रगढ द्वारा आदेश जारी किया गया, दिनांक 10/05/2023 से 15/05/2023 तक सभी जनप्रतिनिधि अपना अपना अभिमत देना है कि रोजगार सहायक को रखना है या हटाना चाहते हैं। किंतु आज दिनांक 12/05/2023 को अचानक बैठक बुलाई गई। जिसका समय 11.00 बजे था। लेकिन ग्राम पंचायत सचिव द्वारा वार्ड पंचों को आज सुबह 9.00 बजे तत्काल बुलाया गया। अचानक बैठक की जानकारी मिलने पर मैं जनपद पंचायत मनेन्द्रगढ गया। वहां से मुझे उपसरपंचको समय 11:34 बजे बैठक की आदेश कापी प्राप्त हुआ। एवं आज का बैठक में 11 जनप्रतिनिधि में से 04 जनप्रतिनिधि ही उपस्थित हो पाए।सरपंच श्रीमती रामबाईवार्ड पंच-लीलावती, वार्ड पंच-पप्पी सिह, उप-सरपंच केवल सिंह मरकाम उपस्थित हुए। बाकी अनुपस्थित रहे। सिर्फ जन-प्रतिनिधियों को ही आना था लेकिन रोजगार सहायक के पूरा परिवार चाचा-पवन सिंह, छोटा भाई-जगरनाथ सिंह, संजय सिंह-भाई, भवन सिंह, उसका जीजा अमर सिंह उसका करीबी लोगों की उपस्थिति रहे। नियम के विरुद्ध कार्यवाही होने और पारदर्शिता नहीं होने कारण केवल सिंह मरकाम उप-सरपंच साल्ही द्वारा सीईओ जनपद पंचायत मनेन्द्रगढ को फोन से पूरा जानकारी देकर आपत्ति दर्ज किया गया है।

कक्षा 10 वीं 12वीं बोर्ड परीक्षा में अच्छे अंको से पास हुए मेधावी छात्र-छात्राओं का डॉक्टर शर्मा अस्पताल ने किया गया सम्मान

» मेधावी छात्रों को स्मृति चिन्ह,गिफ्ट देकर डॉ राकेश शर्मा ने उनका किया उत्साहवर्धन

- संवाददाता -
बैकुण्ठपुर,12 मई 2023
(घटती-घटना)।

छत्तीसगढ़ माध्यमिक शिक्षा मंडल द्वारा 10वीं 12वीं के रिजल्ट की घोषणा के बाद पूरे प्रदेश में खुशी का माहौल है इसी तारतम्य में कोरिया जिले में 10वीं 12वीं में जिन छात्र-छात्राओं ने जिले का गौरव बढ़ाया एवं अच्छे अंको से पास होकर अच्छा प्रदर्शन दिखाया उनका सम्मान डॉक्टर शर्मा अस्पताल महलपारा बैकुंठपुर मे किया गया।

डॉक्टर शर्मा अस्पताल के संचालक और भारतीय जनता पार्टी चिकित्सा प्रकोष्ठ के जिला संयोजक डॉ राकेश शर्मा ने मेधावी छात्रों का सम्मान करते हुए कहा कि यह बच्चे हमारे देश के भविष्य हैं उन्होंने बच्चों से बात करते हुए कहा कि उन्हें किसी भी तरह की कोई भी आवश्यकता पड़े तो मुझे जरूर याद करें डॉ राकेश शर्मा ने बच्चों से जाना कि उन्होंने किस तरह से अपनी पढ़ाई की है कैसा उनका टाइम टेबल था और भविष्य में उन्हें क्या बनना है बच्चों ने अपने पढ़ाई के सारे अनुभव डॉ राकेश शर्मा के साथ साझा किया एव उनके परिजनों ने भी अपनी बातों का साझा किया और कहा कि वे काफी ज्यादा खुश हैं गौरान्वित है कि बच्चों का सम्मान हो रहा है। सम्मान समारोह मुख्य रूप से डॉ राकेश शर्मा, डॉ रजनी शर्मा, शमाउद्दीन सिद्दीकी, भारतीय जनता पार्टी महिला मोर्चा की जिलाध्यक्ष धर्मवती राजवाड़े पूर्व विधायक प्रतिनिधि घनश्याम साहू पार्षद संजय जयसवाल पन्नालाल गोयल सहित कई कार्यकर्ताओं हॉस्पिटल स्टाफ परिजन बच्चे उपस्थित रहे।

साएमा और अगम राज्य स्तर पर कोरिया जिले का करेंगे नेतृत्व

» वित्तीय साक्षरता विषय पर जिला स्तरीय क्विज संपन्न।

- संवाददाता -
बैकुण्ठपुर,12 मई 2023
(घटती-घटना)।

रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया द्वारा अखिल भारतीय क्विज 2023 का जिला स्तरीय आयोजन शुक्रवार 12 मई सुबह 11 बजे स्वामी आत्मानंद विद्यालय महलपारा में हुआ। प्रतियोगिता में बैकुंठपुर विकासखंड से प्रथम स्थान प्राप्त केंद्रीय विद्यालय रामपुर की कक्षा दसवीं की साएमा खान साथ ही कक्षा आठवीं के अगम गुप्ता और सोनहत विकासखंड से चयनित शासकीय हायर सेकंडरी विद्यालय, सोनहत से प्रथम स्थान प्राप्त कक्षा दसवीं के सुलेख रजवाड़े और रमेश कुमार रजवाड़े के बीच जिला स्तरीय प्रतियोगिता आयोजित की गई। जिला स्तर प्रतियोगिता में 105 अंक अर्जित कर केंद्रीय विद्यालय रामपुर ने प्रथम स्थान हासिल किया वहीं 35 अंकों के साथ दूसरे स्थान पर सोनहत विकासखंड रहा। प्रतियोगिता में उपस्थित विद्यालयीन बच्चों को वित्तीय साक्षरता कार्यक्रम के तहत जागरूक कर साइबर ठगी से बचने के उपाय बताए गए। इस दौरान बच्चों को फाइनेंशियल लिटरेसी कार्यक्रम और डिजिटल ट्रांजैक्शन की संपूर्ण जानकारी दी गई। ज्ञात हो की संकुल स्तर से चयन के पश्चात विकासखंड स्तर पर प्रतियोगिता आयोजित हुई तत्पश्चात जिला स्तर में प्रथम स्थान प्राप्तकर्ता को 10 हज़ार की नगद राशि, मेडल एवं प्रशस्ति पत्र और द्वितीय स्थान प्राप्तकर्ता को 7500 की नगद राशि, मेडल एवं प्रशस्ति पत्र प्रदान किया जाएगा। प्रथम स्थान प्राप्तकर्ता केंद्रीय विद्यालय रामपुर के विद्यार्थियों को जिला शिक्षा अधिकारी अनिल जयसवाल द्वारा पुष्पगुच्छ देकर सम्मानित किया गया साथ ही दोनों टीम के विद्यार्थियों के उज्वल भविष्य के कामना के साथ प्रतियोगिताओं में निरंतर प्रयासरत रहने हेतु प्रोत्साहित किया गया। विदित है कि क्विज प्रतियोगिता प्रखंड स्तर से शुरू होकर जिला, राज्य और जोनल स्तरों के बाद राष्ट्रीय स्तर पर संपन्न होगी। क्विज प्रतियोगिता में कोरिया जिला शिक्षा अधिकारी अनिल जयसवाल, पूर्व एलडीएम विकास कुमार गुप्ता, वर्तमान एलडीएम प्रकाश सिंह, स्वामी आत्मानंद विद्यालय महलपारा प्राचार्य अभय शर्मा साथ ही विद्यालय स्टाफ की गरिमामयी उपस्थिति रही। विद्यार्थियों के लिए स्वल्पाहार की व्यवस्था आरबीआई द्वारा की गई। क्विज प्रतियोगिता के सफल आयोजन के लिए व्याख्याता धर्मेन्द्र सिंह द्वारा सक्रिय भूमिका निभाई गई।

केंद्रीय परिवहन मंत्री नितिन गडकरी को ज्ञापन सौप कोरिया जिपं अध्यक्ष रेणुका ने देश में पंचायती राज के लिए एक अधिनियम बनाए जाने की मांग की

- संवाददाता -
बैकुण्ठपुर,12 मई 2023
(घटती-घटना)।

राष्ट्रीय जिला पंचायत एसोसिएशन के सभी राज्यों एवं केंद्र शासित प्रदेशों के स्टेट एवं राष्ट्रीय पदाधिकारियों ने राष्ट्रीय जिला पंचायत एसोसिएशन के राष्ट्रीय अध्यक्ष कैलाश गोरे पाटिल की अध्यक्षता में भारत सरकार में केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी जी से उनके नई दिल्ली आवास में दिनांक 10/05/23 को मुलाकात की गई । इस अवसर पर उन्होंने अपनी मांगों को केंद्रीय मंत्री के समक्ष रखा।

राष्ट्रीय जिला पंचायत एसोसिएशन के नेशनल टीम के सदस्य रेणुका सिंह ने बताया कि दिल्ली में केंद्रीय मंत्री के साथ देश के सभी राज्यों के राज्य के पदाधिकारी और राष्ट्रीय पदाधिकारियों के सदस्यों ने शासकीय आवास में मुलाकात की व सभी जिला पंचायत अध्यक्ष, पदाधिकारियों का परिचय जाना। केंद्रीय मंत्री ने विचार प्रकट करते हुए अपने पंचायत को कैसे सुदृढ़ कर एक नई दिशा में आगे बढ़ाने के लिए कई महत्वपूर्ण बिंदुओं पर अपने विचार सभी जिला पंचायत अध्यक्षों को दिए ।

रेणुका सिंह ने बताया कि राष्ट्रीय जिला पंचायत एसोसिएशन ने केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी जी को एक मांग पत्र भी सौंपा है उस मांग पत्र में पूरे देश में पंचायती राज संस्थाओं में एक संविधान की मांग रखी है। देश में पंचायती राज को और ज्यादा सशक्त, मजबूत करने के लिए व्यापक संशोधन किया जाए ताकि पंचायत राज के प्रतिनिधियों के माध्यम से ग्रामीण स्तर तक विकास किया जा सके नितिन गडकरी ने इस मांग पत्र पर गौर करने का आश्वासन दिया है और उन्होंने कहा है की केंद्रीय मंत्री पंचायत एवं ग्रामीण विकास श्री गिरिराज सिंह जी मेरे बहुत अच्छे मित्र हैं और मैं उनसे मिलकर आपके इन मांगो पूर्ण करने के लिए प्रयास करूंगा। राष्ट्रीय जिला पंचायत एसोसिएशन के सभी पदाधिकारियों को नितिन गडकरी जी के द्वारा एसोसिएशन की नियुक्ति प्रमाण पत्र प्रदान किया गया।

चोरी की कार को थाना रामानुजनगर पुलिस ने किया बरामद

– संवाददाता –
सूरजपुर, 12 मई 2023 (घटती-घटना)।

थाना रामानुजनगर पुलिस द्वारा कार चोरी मामले में तत्परतापूर्वक कार्यवाही, पतासाजी एवं सक्रियता से चोरी का कार सुरक्षित अवस्था में बरामद किया गया है। ग्राम पोड़ी, थाना खड़गवां जिला कोरिया निवासी इन्द्रपाल सागर ने थाना रामानुजनगर में रिपोर्ट दर्ज कराया कि दिनांक 30.04.23 को रात में ग्राम कौशलपुर अपने होण्डई इवोन कार में रिश्तेदारों के साथ बारात आया था, पुत्र से कार की चाभी डांस करते समय कहीं पर खो गया खोजबीन के बाद भी नहीं मिला, रात करीब 12 बजे वापस गाड़ी के पास गया तो कार वहां नहीं था कोई अज्ञात चोर कार को चोरी कर ले गया। प्रार्थी की रिपोर्ट पर धारा 379 भादसं. के तहत मामला पंजीबद्ध किया गया।

पुलिस महानिरीक्षक सरगुजा रेंज श्री राम गोपाल गर्ग (भा.पु.से.) के सतत् मार्गदर्शन में पुलिस अधीक्षक सूरजपुर श्री रामकृष्ण साहू (भा.पु.से.) ने चोर की पतासाजी कर पकड़ने एवं कार की बरामदगी करने के निर्देश थाना प्रभारी रामानुजनगर को दिए थे। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक मधुलिका सिंह व सीएसपी जे.पी.भारतेन्दु के मार्गदर्शन में पुलिस के द्वारा अज्ञात चोर व कार की पतासाजी करने के दौरान घटना स्थल एवं आसपास लगे सीसीटीव्ही कैमरा सहित बारात के विडियों रिकार्डिंग का बारीकी से अवलोकन कर काफी लोगों से बारीकी से पूछताछ किया गया। पतासाजी के दौरान थाना सूरजपुर के माध्यम से जानकारी मिली कि चोरी का कार ईवोन रिंग रोड़ तिलसिवां सूरजपुर के पास लावारिस हालत में खड़ा है जिसकी तस्दीक करने कार इन्द्रपाल का होना पाया गया, कार की चाभी सीट पर रखी हुई मिली है। मामले में चोरी का कार कीमत करीब 3 लाख रूपये का बरामद किया गया है और चोर की पतासाजी सरगर्मी से की जा रही है। इस कार्यवाही में थाना प्रभारी रामानुजनगर विपिन लकड़ा, एसआई सरफराज फिरदौसी, एएसआई बिसुनदेव पैंकरा, आरक्षक महेन्द्र सिंह व धनंजय साहू सक्रिय रहे।

लंबित प्रकरणों के निराकरण के संबंध में आईजी ने ली रेंज स्तरीय वर्चुअल समीक्षा बैठक

– संवाददाता –
अंबिकापुर, 12 मई 2023 (घटती-घटना)।

पुलिस मुख्यालय रायपुर द्वारा जारी निर्देश के परिपालन में शुक्रवार को आईजी राम गोपाल गर्ग द्वारा रेंज स्तरीय वर्चुअल समीक्षा बैठक ली गई। समीक्षा बैठक में लंबित प्रकरणों जिनमें सर्वोच्च एवं उच्च न्यायालय द्वारा निर्देश पारित किए गए हैं। उनका गंभीरता पूर्वक अवलोकन कर प्रकरण का निराकरण के संबंध में कार्रवाई करने हेतु सभी राजपत्रित अधिकारी एवं इकाई प्रमुख को निर्देशित किया गया। उक्त वर्चुअल समीक्षा बैठक के दौरान पुलिस अधीक्षक जिला जशपुर सरगुजा, कोरिया, बलरामपुर, सूरजपुर एवं मनेंद्रगढ़ चिरमिरी भरतपुर एवं रेंज के सभी राजपत्रित अधिकारी शामिल रहे।

हिंदू जागरण मंच जिला सरगुजा का विस्तार आज

– संवाददाता –
अम्बिकापुर, 12 मई 2023 (घटती-घटना)।

हिंदू जागरण मंच जिला सरगुजा का विस्तार आज प्रणव भवन में राष्ट्रीय सह संगठन मंत्री देवेंद्र जी, दयाल अग्निहोत्री जी, विभाग कार्यवाह गौरागो सिंह जी की उपस्थिति में बैठक का आयोजन कर हिंदू जागरण मंच जिला सरगुजा का जिला संयोजक का दायित्व नीलेश सिंह सहसंयोजक राघवेंद्र प्रताप सिंह, रानू दुबे, एवं श्वेता गुप्ता को बनाया गया कार्यकारिणी सदस्य के रूप में धनंजय मिश्रा, शिव शंकर सिंह, विनोद सिंह, एवं ऋषि अग्रवाल को मनोनीत किया गया आगामी हिंदू जागरण मंच सरगुजा की जिला कार्यकारिणी का विस्तार एवं विभिन्न विभागो का गठन किया जाएगा उक्त आशय की जानकारी नवनियुक्त जिला संयोजक हिंदू जागरण मंच सरगुजा के निलेश सिंह ने दी।

हनुमान टेकड़ी कुनकुरी में स्थापना दिवस मनाया गया

– संवाददाता –
जशपुर, 12 मई 2023 (घटती-घटना)।

जशपुर जिले के सुप्रसिद्ध दर्शनीय स्थल हनुमान टेकड़ी कुनकुरी में स्थापना दिवस मनाया गया हनुमान टेकड़ी की स्थापना 10 मई 2007 को हुई थी हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी पूरे विधि विधान से प्रातः 6:00 हवन पूजन और आरती का कार्यक्रम किया गया एवं संध्या 6:00 बजे हनुमान चालीसा का पाठ समस्त नगर वासियों के साथ में किया गया हनुमान टेकड़ी के संस्थापक स्वर्गीय रमेश कुमार बजाज काका जी के द्वारा हर वर्ष 10 मई को स्थापना दिवस मनाया जाता रहा है इनके द्वारा शुरू की गई परंपरा को उनके सुपुत्र विवेक बजाज ने समस्त नगरवासियों के साथ मिल कर हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी कार्यक्रम आयोजित किया गया विवेक बजाज ने बताया हनुमान टेकड़ी की स्थापना 10 मई 2007 को हुई थी मेरे पिताजी के द्वारा एवं समस्त नगर वासियों के सहयोग से हर वर्ष 10 मई को

हनुमान टेकरी में स्थापना दिवस मनाया जाता है 10 मई को प्रातः विधि विधान से हवन पूजन आरती की जाती है एवं संध्या को हनुमान चालीसा का पाठ किया जाता है पिताजी के मार्गदर्शन एवं समस्त नगर वासियों के सहयोग से हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी स्थापना दिवस मनाया गया मंदिर के निर्माण से लेकर के आज तक हमेशा नगर वासियों का एवं शासन प्रशासन का सहयोग हमेशा बना रहता है स्थापना दिवस के कार्यक्रम में शिव राम गुप्ता , बिहारी नायक, विनोद मिश्रा , श्यामसुंदर बंग, राधेश्याम हेडा, सुदबल यादव ,सुभाष अग्रवाल , विष्णु सोनी , दयाल राम, पारस साहू , राकेश साहू, अमर दास ,राजू गुप्ता ,अखिलेश साहू ,आशीष बंग, देवलाल यादव , बबलू तिवारी, संजय सोनी एवम् समस्त नगरवासी उपस्थित रहे। हवन पूजन आरती हनुमान टेकड़ी के पंडित जी श्री कृपा शंकर तिवारी द्वारा विधि विधान से कराया गया

मेधावी छात्र श्रेया पाण्डेय 12 वीं बोर्ड में 86.4 प्रतिशत अंक लाकर किया उत्कृष्ट प्रदर्शन

– संवाददाता –
सूरजपुर, 12 मई 2023 (घटती-घटना)।

स्वामी आत्मानंद स्कूल भुवनेश्वरपुर में अध्ययनरत छात्र रामानुजनगर निवासी मेधावी छात्र श्रेया पाण्डेय पिता राधेश्याम पाण्डेय ने 12 वीं बोर्ड में 86.4 प्रतिशत अंक लाकर उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए रामानुजनगर क्षेत्र का नाम रोशन किया है। उसने अपनी सफलता का श्रेय माता दिव्या पाण्डेय , पिता राधेश्याम पाण्डेय व शिक्षकों को दिया है। जिले के वरिष्ठ पत्रकार ओमकार पाण्डेय के भतीजी है।

कार की टक्कर में घायल पति की मौत,पत्नी गंभीर

– संवाददाता –
अंबिकापुर, 12 मई 2023 (घटती-घटना)।

राजपुर थाना क्षेत्र के पस्ता नदी के पास कार की टक्कर से बाइक सवार दंपति गंभीर रूप से घायल हो गए। दोनों को इलाज के लिए मेडिकल कॉलेज अस्पताल अंबिकापुर में भर्ती कराया गया था। यहां इलाज के दौरान पति की मौत हो गई। जबकि पत्नी की स्थिति गंभीर बनी हुई है। जानकारी के अनुसार शेखावत अली अंसारी पिता शोहराब उम्र 35 वर्ष रामानुजगंज थाना क्षेत्र के ग्राम विजयनगर का रहने वाला था। वह 11 मई की दोपहर पत्नी संजिदा खातुन के साथ बहन की शादी में शामिल होने बाइक से ग्राम भदार जा रहा था। रास्ते में पस्ता नदी के पास राजपुर की ओर से बलरामपुर की ओर जा रहे कार क्रमांक यूपी 64 एस 2752 ने टक्कर मार दी। दुर्घटना में पति-पत्नी गंभीर रूप से जख्मी हो गए। दोनों को इलाज के लिए बलरामपुर अस्पताल में भर्ती कराया गया। यहां दोनों की स्थिति को गंभीर देखते हुए चिकित्सकों ने बेतहर इलाज के लिए अंबिकापुर मेडिकल कॉलेज अस्पताल रेफर कर दिया। यहां जांच के दौरान चिकित्सकों ने शेखावत को मृत घोषित कर दिया। जबकि इसकी पत्नी का इलाज चल रहा है।

ग्रीष्मकालीन खेल प्रशिक्षण शिविर आयोजन हेतु बैठक 15 मई को

– संवाददाता –
कोरबा, 12 मई 2023 (घटती-घटना)।

संचालनालय खेल एवं युवा कल्याण विभाग छ.ग. के निर्देशानुसार विगत वर्षों की भांति इस वर्ष भी माह मई-जून 2023 में 30 दिवसीय ग्रीष्मकालीन खेल प्रशिक्षण शिविर का आयोजन जिला खेल एवं युवा कल्याण विभाग, कोरबा द्वारा किया जाना है। ग्रीष्मकालीन खेल प्रशिक्षण शिविर विभाग का महत्वपूर्ण आयोजन है। उक्त प्रशिक्षण शिविर से खिलाड़ी खेल विधाओं की बारिकियों से अवगत होंगे, जो उनके खेल कौशल दक्षता बढ़ाने में सहायक होगी। जिले में और बेहतर खेल का वातावरण बनेगा।अपर कलेक्टर कोरबा की अध्यक्षता में दिनांक 15.05.2023 को प्रातः 11.00 बजे कलेक्टोरेट सभा कक्ष में बैठक आयोजित किया गया है। खेल अधिकारी ने जिले के ओलम्पिक एसोसियेशन के अध्यक्ष, सचिव एवं जिले में संचालित समस्त खेल संघों के पदाधिकारी, व्यायाम शिक्षकों एवं क्रीडा प्रभारियों तथा वरिष्ठ खिलाड़ियों से उक्त बैठक में उपस्थित होने की अपील की है।

भ्रामक मैसेज से व्यापारी बंधु परेशान ना हो : अभिषेक शर्मा

– संवाददाता –
अंबिकापुर, 12 मई 2023 (घटती-घटना)।

सोशल मीडिया में अभी कुछ समय से एक भ्रामक मैसेज व्यापारी बंधुओं के मोबाइल पर भेजे जा रहे हैं कि दुकान के सामने बोर्ड ना लगाए जाने पर 50000.00 से 5 लाख तक आर्थिक दंड जीएसटी विभाग द्वारा लगाया जाऐगा, ऐसा अभियान 16 मई से विभाग प्रारंभ करेगा। ऐसे मैसेज पर टैक्स अधिवक्ता एवं भाजपा के जिला सह कोषाध्यक्ष अभिषेक शर्मा ने प्रतिक्रिया देते हुऐ बताया कि ऐसे मैसेज सभी ग्रुप में भेजकर व्यापारियों के बीच जीएसटी के प्रति नकारात्मकता फैलाने जैसा ही है, जबकि इसके विपरीत विभाग द्वारा व्यापारियों के स्थल सत्यापन पर तत्काल आर्थिक दंड लगाने का कोई प्रावधान जीएसटी में नहीं है बल्कि रूल 18 (1) एवं 18(2) के तहत यदि स्थल पर पंजीयन का बोर्ड नहीं पाया जाता है तो डीलर को एक प्रारंभिक नोटिस देने का प्रावधान है ताकि नोटिस की अवधि अधिकतम 30 दिन समाप्ति के पुर्व डीलर एक बोर्ड व्यापार के नाम,पंजीयन पता के साथ लगवा ले। यदि इसके बावजूद बोर्ड नहीं लगाया जाता है तब डी आर सी 7 आगे की कार्यवाही उपरांत जारी की जाएगी जिस पर अधिकतम आर्थिक दंड सीजीएसटी पच्चीस हजार और एसजीएसटी पच्चीस हजार सुनवाई का युक्ति युक्त अवसर देने के उपरांत ही लगाया जाएगा।

व्यापार स्थल पर बोर्ड लगाने का प्रावधान सेल्स टैक्स एवं वैट के समय से ही है जिसका उददेशय यह है कि व्यापारी के कार्य स्थल पर लिये गए पंजीयन और बेची जाने वाली वस्तु की प्रामाणिकता सिद्ध हो सके। व्यापारी बंधुओं को व्यापार की सुगमता और नियमों के पालन में बोर्ड लगाना सदैव उचित और न्याय संगत ही है।।

आश्चर्यजनक तो यह है कि छग की कांग्रेस सरकार नियमों के विपरीत प्रसारित किये जा रहे ऐसे भ्रामक मैसेज पर कार्यवाही क्यों नहीं कर रही जबकि माननीय सुप्रीम कोर्ट के न्याय दृष्टांत व्यापारियों को सुनवाई का उचित अवसर देने हेतु जारी नोटिस की मियाद और समय सीमा के नियमों पर गंभीर है।

सड़क दुर्घटना में घायल किशोरी की मौत

– संवाददाता –
अंबिकापुर, 12 मई 2023 (घटती-घटना)।

अंबिकापुर. स्कूटी विद्युत खंभा में टकरा जाने से किशोरी गंभीर रूप से जख्मी हो गई थी। परिजन उसे इलज के लिए मेडिकल कॉलेज अस्पताल अंबिकापुर में भर्ती कराया था। यहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। जानकारी के अनुसार श्रुति पिता धनु उम्र 17 वर्ष मनेन्द्रगढ़ की रहने वाली थी। वह सोमवार को अपनी सहेली की स्कूटी से घुमने निकली थी। साथ में उसकी सहेली भी थी। चीरमिरी रोड में स्कूटी अनियंत्रित होकर विद्युत खंभा में टकरा गया। दुर्घटना में श्रुति गंभीर रूप से जख्मी हो गई थी। जबकि उसकी सहेली को मामूली चोट थी। परिजन श्रुति को इलाज के लिए बैकुंठपुर अस्पताल में भर्ती कराया था। यहां चिकित्सकों ने उसकी स्थिति को गंभीर देखते हुए अंबिकापुर मेडिकल कॉलेज अस्पताल रेफर कर दिया। यहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई।

पेट्रोल पम्प से 94 लीटर पेट्रोल-डीजल लेकर फरार युवकों में से एक को पुलिस ने किया गिरफ्तार

– संवाददाता –
कोरबा, 12 मई 2023 (घटती-घटना)।

कोरबा जिले में कुसमुंडा थाना क्षेत्र का मामला है जहां गर्लफ्रेंड से मिलने आए युवक की कार में फ्यूल खत्म हो जाने पर उसने 94 लीटर पेट्रोल और डीजल लिया और अपने 02 साथियों के साथ बिना पैसे दिए फरार हो गया। जिसपर पेट्रोल पंप का कर्मचारी कार के पीछे भागा पर कार की रफ्तार तेज होने से वह पकड़ नही पाया ह्न जानकारी के मुताबिक, जांजगीर-चांपा के बाराद्वार अंतर्गत ग्राम रेड़ा निवासी अखिलेश यादव (23 वर्ष) अपनी गर्लफ्रेंड से मिलने के लिए कटघोरा आया हुआ था। उसके साथ उसके 02 दोस्त भी थे। गर्लफ्रेंड से मिलने के बाद अखिलेश अपने दोनों दोस्तों के साथ कार से वापस लौट रहा था। करीब दोपहर 03 बजे के करीब तीनों कुसमुंडा तक ही पहुंचे थे कि कार का फ्यूल खत्म हो गया। इसके बाद ये इंडियन ऑयल के पेट्रोल पंप (मुस्कान फ्यूल्स) पहुंचे और वहां अपनी टंकी पेट्रोल से फुल करवाई साथ ही बड़े-बड़े डिब्बे में भी डीजल भरवाएं। कुल 94 लीटर डीजल और पेट्रोल इन्होंने कार की टंकी और डिब्बे में लिया।जबतक फ्यूल कर्मचारी इनसे पैसे लेता वे तेज गति से कार चलाकर फरार हो गए ये देख पेट्रोल पंप का कर्मचारी इनके पीछे भागा और शोर मचाया, लेकिन तब तक तीनों युवक फरार हो चुके थे। इसके बाद कर्मचारी ने घटना की सूचना पुलिस को दी। पुलिस ने आनन-फानन में घेराबंदी कर एक आरोपी अखिलेश यादव को धर दबोचा। जिस वक्त अखिलेश पकड़ा गया, उस समय उसके दोनों दोस्त कार में नहीं थे। वे पहले ही कहीं उतर चुके थे। पुलिस मुख्य आरोपी से उसके दोनों साथियों का नाम और पता पूछ रही है। आरोपी ने अपना जुर्म कबूल कर लिया है। पूरी घटना सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई। सीसीटीवी फुटेज के आधार पर अन्य आरोपियों की तलाश की जा रही है। कुसमुंडा थाना प्रभारी कृष्ण कुमार वर्मा ने बताया कि तीनों आरोपी इतने शातिर हैं कि उन्होंने कार का नंबर प्लेट भी बदल दिया था जिससे कार की पहचान करने में काफी मशक्कत करनी पड़ी पर समय रहते कार की हुलिए के हिसाब से कार को घटनास्थल से 11 किलोमीटर दूर सीएसईबी चौक के पास से पकड़ा गया। फिलहाल कार को जब्त कर लिया गया है। पुलिस ने इस मामले में घटना को अंजाम देने वाले अखिलेश यादव सहित अन्य आरोपियों के खिलाफ धारा 379 के तहत केस दर्ज किया है। उन्होंने बताया कि आरोपियों ने कुल 9 हजार 250 रुपए का 94 लीटर फ्यूल लिया। जिसमें से उन्होंने 31 लीटर पेट्रोल कार की टंकी में भरवाए। 5 लीटर पेट्रोल डिब्बे में लिया और 58 लीटर डीजल बड़े से डिब्बे में लिया। कुल 36 लीटर पेट्रोल की कीमत 102 रुपए के हिसाब से 3,700 रुपए हुए और 58 लीटर डीजल की कीमत 95 रुपए के हिसाब से 5,550 रुपए हुए है।

न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी (रा.) अम्बिकापुर, जिला सरगुजा,छ.ग.

ईश्तहार

रा.प्र.क्र. /अ-2/2022-23

एतद् द्वारा सर्व-साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक सत्यवती गुप्ता पत्नी शिवकुमार जाति रौनियार निवासी ग्राम/नगर कोटछाल तहसील मैनपाट जिला सरगुजा,छ0ग0 के द्वारा अपने स्वामित्व एवं आधिपत्य की भूमि स्थित ग्राम मणीपुर तहसील अम्बिकापुर खसरा नंबर 62/12 रकबा 0.020 हे0 भूमि को कृषि भिन्न, आवासीय प्रयोजन हेतु व्यपवर्तन कराने के लिए ऋण-पुस्तिका की प्रति भूमि उपयोगिता प्रमाण-पत्र सेटलमेन्ट, रजिस्ट्री की प्रति आदि संहित आवेदन प्रस्तुत किया है। जो इस न्यायालय में विचाराधीन है।

अतएव उक्त संबंध में जिस किसी व्यक्ति या संस्था को कोई आपित्त हो, तो निर्धारित सुनवाई तिथि 26/05/2023 को मेरे न्यायालय में अथवा अधीक्षक भू-अभिलेख के कार्यालय में स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से उपस्थित होकर आपतित प्रस्तुत कर सकता है। निर्धारित समयावधि के पश्चात प्राप्त दावा-आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 11/05/2023 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालयीन पदमुद्रा से जारी।

सील — अनुविभागीय अधिकारी (रा0) अम्बिकापुर

न्यायालय तहसीलदार अम्बिकापुर,जिला-सरगुजा छ0ग0

ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक राकेश कुमार गुप्ता स्व0 चंदू प्रसाद गुप्ता निवासी महामाया चौक थाना अम्बिकापुर तहसील अम्बिकापुर ने कराया है कि आवेदक के बड़े पिता स्व0 नैतलाल साव आ0 रिखईसाव केशरवानी मृत्यु की दिनांक 21/11/1980 को स्थान निवास में हुई है आवेदक के मृत्यु उपरांत मृत्यु का पंजीयन नहीं कराया गया है। अतः प्रमाण-पत्र की आवश्यकता होने पर यह आवेदन पेश किया गया है।

उक्त संबंध में यदि किसी को कोई आपत्ति हो तो ईश्तहार प्रकाशन से 15 दिवस तक न्यायालय में उपस्थित होकर अपना दावा/आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है। समय-सीमा के बाद प्राप्त आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 12/05/2023 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालीन मुद्रा से जारी।

सील — तहसीलदार अम्बिकापुर

न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी (रा.) अम्बिकापुर, जिला सरगुजा,छ.ग.

ईश्तहार

रा.प्र.क्र. /अ-2/2022-23

एतद् द्वारा सर्व-साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक अन्नु रानी लकड़ा वगै0 पिता प्रमोद कुमार लकड़ा जाति उरांव निवासी ग्राम/नगर बासाझाल तहसील बतौली जिला सरगुजा,छ0ग0 के द्वारा अपने स्वामित्व एवं आधिपत्य की भूमि स्थित ग्राम गंगापुरखुर्द तहसील अम्बिकापुर खसरा नंबर 71/4, रकबा 0.038 हे0 में से 0.020 हे0 भूमि को कृषि भिन्न, आवासीय प्रयोजन हेतु व्यपवर्तन कराने के लिए बी-1,खसरा, नक्षा, भूमि उपयोगिता प्रमाण-पत्र सेटलमेन्ट, रजिस्ट्री की प्रति आदि संहित आवेदन प्रस्तुत किया है, जो इस न्यायालय में विचाराधीन है।

अतएव उक्त संबंध में जिस किसी व्यक्ति या संस्था को कोई आपित्त हो, तो निर्धारित सुनवाई तिथि 26/05/2023 को मेरे न्यायालय में अथवा अधीक्षक भू-अभिलेख के कार्यालय में स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से उपस्थित होकर आपतित प्रस्तुत कर सकता है। निर्धारित समयावधि के पश्चात प्राप्त दावा-आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 11/05/2023 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालयीन पदमुद्रा से जारी।

सील — अनुविभागीय अधिकारी (रा0) अम्बिकापुर

न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी (रा.) अम्बिकापुर, जिला सरगुजा,छ.ग.

ईश्तहार

रा.प्र.क्र. /अ-2/2022-23

एतद् द्वारा सर्व-साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक कुसुम पति अशोक कुमार जाति ब्राम्हण, निवासी ग्राम/नगर अम्बिकापुर तहसील अम्बिकापुर, जिला सरगुजा छ0ग0 के द्वारा अपने स्वामित्व एवं आधिपत्य की भूमि स्थित ग्राम नमनाकला, तहसील अम्बिकापुर खसरा नंबर 233/61 रकबा 0.020 हे0 भूमि को कृषि भिन्न, आवासीय प्रयोजन हेतु व्यपवर्तन कराने के लिए बी-1,खसरा, नक्शा, भूमि उपयोगिता प्रमाण-पत्र सेटलमेन्ट, रजिस्ट्री की प्रति आदि संहित आवेदन प्रस्तुत किया है, जो इस न्यायालय में विचाराधीन है।

अतएव उक्त संबंध में जिस किसी व्यक्ति या संस्था को कोई आपित्त हो, तो निर्धारित सुनवाई तिथि 26/05/2023 को मेरे न्यायालय में अथवा अधीक्षक भू-अभिलेख के कार्यालय में स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से उपस्थित होकर आपतित प्रस्तुत कर सकता है। निर्धारित समयावधि के पश्चात प्राप्त दावा-आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 11/05/2023 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालयीन पदमुद्रा से जारी।

सील — अनुविभागीय अधिकारी (रा0) अम्बिकापुर

न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी (रा.) अम्बिकापुर, जिला सरगुजा,छ.ग.

ईश्तहार

रा.प्र.क्र. /अ-2/2022-23

एतद् द्वारा सर्व-साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक अभिषेक चौधरी पिता रामनारायण जाति कलवार निवासी ग्राम/नगर दर्रीपारा तहसील अम्बिकापुर जिला सरगुजा (छ0ग0) के द्वारा अपने स्वामित्व एवं आधिपत्य की भूमि स्थित ग्राम केशवपुर तहसील अम्बिकापुर खसरा नंबर 539/10, रकबा 0.020 हे0 भूमि को कृषि भिन्न, आवासीय प्रयोजन हेतु व्यपवर्तन कराने के लिए बी-1,खसरा, नक्शा, भूमि उपयोगिता प्रमाण-पत्र सेटलमेन्ट, रजिस्ट्री की प्रति आदि संहित आवेदन प्रस्तुत किया है, जो इस न्यायालय में विचाराधीन है।

अतएव उक्त संबंध में जिस किसी व्यक्ति या संस्था को कोई आपित्त हो, तो निर्धारित सुनवाई तिथि 22/05/2023 को मेरे न्यायालय में अथवा अधीक्षक भू-अभिलेख के कार्यालय में स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से उपस्थित होकर आपतित प्रस्तुत कर सकता है। निर्धारित समयावधि के पश्चात प्राप्त दावा-आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 03/05/2023 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालयीन पदमुद्रा से जारी।

सील — अनुविभागीय अधिकारी (रा0) अम्बिकापुर

न्यायालय तहसीलदार अम्बिकापुर के न्यायालय में मामला क्रमांकः 202305020700054

विषयः- अ-6 मामले की श्रेणी-राजस्व
सनः- 2022-2023

हर्राटिकरा प.ह.न. 00024 (373/2(0.200)हे0)
पक्षकारों का विवरण-
आवेदक पक्षकार- नीलू चौधरी
अनावेदक पक्षकार- राजेश कुमार गुप्ता, शिवकुमार गुप्ता

ईश्तहार

आवेदक नीलू चौधरी पत्नी अनीस कुमार व अन्य, निवासी नमनाकला अम्बिकापुर,तह0 अम्बिकापुर, जिला सरगुजा छ0ग0 के द्वारा ग्राम हर्राटिकरा,तहसील अम्बिकापुर स्थित खसरा नंबर 373/2 में से रकबा 0.020 हे0 भूमि को पंजीबद्ध विक्रयपत्र के आधार पर नामांतरण हेतु आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है। जो ई-नामांतरण पोर्टल से ई-कोर्ट में प्राप्त हुआ है।

उक्त संबंध में जिस किसी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो पेशी दिनांक 25/05/2023 के पूर्व न्यायालय में स्वंय अथवा अपने अभिभाषक के माध्यम से उपस्थित होकर दावा आपत्ति प्रस्त कर सकते हैं। समय सीमा के बाद प्राप्त दावा आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेगा।

यह ईश्तहार मेरे हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा से आज दिनांक 09/04/2023 को जारी किया जाता है।

सील — तहसीलदार सरगुजा (अम्बिकापुर)

न्यायालय नज़ूल अधिकारी अम्बिकापुर जिला सरगुजा,छ0ग0

ईश्तहार

रा.प्र.क्र.202305021200015 /अ-6/2022-23

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है, कि आवेदक इरसाद कुरैशी आ0 कलीमुल्ला कुरैशी, उम्र 38 वर्ष निवासी-मायापुर, अम्बिकापुर, जिला सरगुजा के द्वारा आवेदन पत्र प्रस्तुत कर बताया गया कि अनावेदक कलीमुल्ला कुरैशी आ0 मोहम्मद सिद्दीकी, उम्र 70 वर्ष, निवासी मायापुर, नगर अम्बिकापुर जिला सरगुंजा,छ0ग0 के सवामित्व व हक की मोहल्ला कौवाडांड़ नगर अम्बिकापुर सिथत नजूल प्लॉट 1544/1, रकबा 6316 वर्गफिट दर्ज है। उक्त नजूल पलॉट 1544/1, रकबा 6316 वर्गफिट में से रकबा 0.04 1/2 एकड़ अनावेदक कलीमुल्ला कुरैशी आ0 मोहम्मद सिद्दीकी कुरैशी, उम्र 70 वर्ष निवासी मायापुर, नगर अम्बिकापुर जिला सरगुजा,छ0ग0 के द्वारा हिब्बानामा दिनांक 02 मई 2023 के द्वारा उनको प्रदान कर दिया गया है। अनावेदक के द्वारा आवेदित भूमि का कब्जा भी प्रदान किया जा चुका है। अतः आवेदकगण का नाम दर्ज किये जाने हेतु आवेदन पत्र अर्न्तगत धरा 109, 110, छ0ग0 भू-राजस्व संहिता 1959 के तहत प्रस्तुत किया गया है।

अतः उक्त संबंध में जिस किसी व्यक्ति या संस्था को कोई दावा अथवा आपत्ति हो तो वे अपना लिखित दावा/आपत्ति स्वयं या अपने अधिवक्ता के माध्यम से दिनांक 09/06/2023 तक इस न्यायालय में प्रस्तुत कर सकते हैं। नियत तिथि के पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 08/05/2023 को मेरे न्यायालयीन मुद्रा एवं हस्ताक्षर से जारी किया गया।

सील — नज़ूल अधिकारी अम्बिकापुर

लखनऊ के सामने सनराइजर्स के बल्लेबाजों की होगी कड़ी परीक्षा

हैदराबाद ,12 मई 2023।
पिछले मैच में अप्रत्याशित जीत दर्ज करके अपनी उम्मीदें जगाने वाली सनराइजर्स हैदराबाद टीम के बल्लेबाजों की शनिवार को यहां होने वाले इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) मैच में लखनऊ सुपरजाइंट्स के स्पिनरों के सामने कड़ी परीक्षा से गुजरना होगा। लखनऊ ने पिछले तीन में से दो मैच गंवाए हैं लेकिन यदि वह एडेन मार्करम की अगुवाई वाली सनराइजर्स की टीम को हरा देता है तो फिर वह शीर्ष चार में जगह बना देगा। जहां तक सनराइजर्स की टीम की बात है तो वह 10 टीमों की अंक तालिका में अभी 10 मैचों में आठ अंक लेकर नौवें स्थान पर है। करुणाल पंड्या की अगुवाई वाली लखनऊ की टीम 11 मैचों में 11 अंक लेकर पांचवें स्थान पर है।
उप्पल का विकेट हालांकि धीमी गति के गेंदबाजों को मदद पहुंचाता रहा है और ऐसे में स्पिनरों की भूमिका महत्वपूर्ण होगी। लखनऊ केपास रवि बिश्नोई, अनुभवी अमित मिश्रा और कप्तान करुणाल के रूप में उपयोगी स्पिन तिकड़ी है जिनके सामने सनराइजर्स के बल्लेबाजों को संघर्ष करना पड़ सकता है। सनराइजर्स की बल्लेबाजी तीन विदेशी खिलाड़ियों एडेन मार्करम, हेनरिक क्लासेन और ग्लेन फिलिप्स पर निर्भर है। फिलिप्स ने 13.25 करोड़ रुपए में बिके हैरी ब्रूक के नहीं चल पाने के कारण अंतिम एकादश में जगह बनाई। अगर स्पिनरों की बात की जाए तो लखनऊ का पलड़ा हैदराबाद पर भारी लगता है। वाशिंगटन सुंदर के चोटिल हो जाने से सनराइजर्स का स्पिन विभाग कमजोर पड़ा है।
उसकी तरफ से केवल एक स्पिनर मयंक मारकंडे ही अब तक अच्छा प्रदर्शन कर पाया है। हैदराबाद की टीम कागजों पर मजबूत नजर आती है लेकिन उसे दो प्रमुख भारतीय बल्लेबाजों मयंक अग्रवाल (9 मैच 187 रन) और राहुल त्रिपाठी (10

मैच में 237 रन) की खराब फॉर्म का नुकसान उठाना पड़ रहा है। उसके शीर्ष क्रम के बल्लेबाजों में क्लासेन (185.34) के अलावा अभिषेक शर्मा (152.63) ही 150 से अधिक की स्ट्राइक रेट से रन बना पाए हैं। जहां तक लखनऊ की बल्लेबाजी का सवाल है तो कप्तान केएल राहुल की चोट से टीम को खास नुकसान नहीं हुआ है क्योंकि शीर्ष क्रम में क्विंटन डी कॉक और काइल मायर्स शुरू से ही लप्पेबाजी करने में माहिर हैं।
मध्यक्रम में मार्कस स्टोइनिस और निकोलस पूरन जैसे बल्लेबाज हैं जिन्होंने अभी तक कुछ अच्छी पारियां खेली हैं। आयुष बडोनी ने भी प्रभाव छोड़ा है लेकिन वह लखनऊ का धीमा विकेट था जिस पर उसके बल्लेबाज खुलकर नहीं खेल पाए। लखनऊ के बल्लेबाज यहां के विकेट पर अपने आक्रामक खेल का प्रदर्शन करना चाहेंगे लेकिन उन्हें भुवनेश्वर कुमार और टी नटराजन की तेज गेंदबाजी जोड़ी से सतर्क रहना होगा।
टीम इस प्रकार हैं- सनराइजर्स हैदराबाद- एडेन मार्करम (कप्तान), अब्दुल समद, राहुल त्रिपाठी, ग्लेन फिलिप्स, अभिषेक शर्मा, मार्को जानसन, फजलहक फारूकी, कार्तिक त्यागी, भुवनेश्वर कुमार, टी. नटराजन, उमरान मलिक, हैरी ब्रूक, मयंक अग्रवाल, हेनरिक क्लासेन, आदिल राशिद, मयंक मारकंडे, विवरांत शर्मा, समर्थ व्यास, संवीर सिंह, उपेंद्र यादव, मयंक डागर, नीतीश कुमार रेड्डी, अकील होसेन और अनमोलप्रीत सिंह। लखनऊ सुपरजाइंट्स- करुणाल पंड्या (कप्तान), काइल मेयर्स, दीपक हुड्डा, अमित मिश्रा, निकोलस पूरन (विकेटकीपर), नवीन उल हक, आयुष बडोनी, अवेश खान, करण शर्मा, युद्धवीर चरक, यश ठाकुर, रोमारियो शेफर्ड, मार्क वुड, स्वप्निल सिंह, मनन वोहरा, डेनियल सैम्स, प्रेरक मांकड़, कृष्णप्पा गौतम, मार्कस स्टोइनिस, रवि बिश्नोई, करुण नायर और मयंक यादव। मैच भारतीय समयानुसार दोपहर साढ़े तीन बजे से शुरू होगा।

पंजाब किंग्स के समीकरण बिगाड़ने उतरेगी दिल्ली कैपिटल्स की टीम

नयी दिल्ली ,12 मई 2023।
प्लेऑफ की दौड़ से लगभग बाहर हो चुकी दिल्ली कैपिटल्स की टीम शनिवार को यहां होने वाले इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) मैच में जीत दर्ज करके पंजाब किंग्स के समीकरणों को बिगाड़ने और अपनी धुंधली उम्मीदों को कायम रखने की कोशिश करेगी। दिल्ली ने अभी तक 11 मैचों में केवल चार मैच जीते हैं और अगर वह अपने बचे हुए तीनों मैच में जीत भी दर्ज करता है तब भी उसके 14 अंक होंगे जो कि शीर्ष चार में जगह बनाने के लिए संभवत- पर्याप्त नहीं होंगे। अगर मगर के समीकरणों को देखते हुए दिल्ली की टीम का भाग्य अब दूसरी टीमों के प्रदर्शन पर निर्भर करता है। पंजाब किंग्स की स्थिति भी बहुत अच्छी नहीं है। उसके 11 मैचों में पांच जीत से 10 अंक हैं और उसे प्लेऑफ की उम्मीदों को बरकरार रखने के लिए अपने बाकी बचे तीनों मैच में जीत हासिल करनी होगी।
दिल्ली की सबसे बड़ी समस्या उसकी टीम में शामिल भारत के बल्लेबाजों का नहीं चल पाना। उसकी टीम अपने विदेशी खिलाड़ियों कप्तान डेविड वॉर्नर, विकेटकीपर बल्लेबाज फिल सॉल्ट और मिशेल मार्श पर काफी निर्भर है। दिल्ली के मध्यक्रम में शामिल भारतीय बल्लेबाजों में मनीष पांडे, रिपल पटेल और अमन खान जैसे खिलाड़ी शामिल है लेकिन ये सभी अभी तक परिस्थितियों के अनुसार प्रदर्शन नहीं कर पाए। मध्यक्रम के बल्लेबाज स्ट्राइक रोटेट करने में नाकाम रहे हैं और साथ ही बड़े शॉट भी नहीं खेल पा रहे हैं जिससे टीम को नुकसान हो रहा है। ऐसी परिस्थितियों में जब दिल्ली का शीर्ष क्रम नहीं चल पाता है तो टीम बिखर जाती है। पहले चरण में अच्छी बल्लेबाजी करने वाले वॉर्नर भी पिछली पांच पारियों में नहीं चल पाए और इनमें से तीन पारियों ने वह दोहरे अंक तक भी नहीं पहुंच सके जो कि टीम के लिए चिंता का विषय है। सॉल्ट ने दो पारियों में शानदार प्रदर्शन किया लेकिन वह तीन मैचों में अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाए। इनमें से दो मैच में वह खाता भी नहीं खोल सके थे। मार्श ने सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ जबरदस्त पारी खेली थी लेकिन इसके बाद उनका

भी बल्ला नहीं चल पाया। इस ऑस्ट्रेलियाई ऑलराउंडर ने हालांकि पिछले तीन मैचों में गेंदबाजी में उपयोगी योगदान दिया। दिल्ली के गेंदबाजों ने अच्छा प्रदर्शन किया है। स्पिनर अक्षर पटेल और कुलदीप यादव अपनी भूमिका अच्छी तरह से निभा रहे हैं जबकि तेज गेंदबाज इशांत शर्मा और खलील अहमद अधिकतर अवसरों पर विकेट हासिल करने में सफल रहे हैं। निजी कारणों से स्वदेश लौटने वाले तेज गेंदबाज एनरिक नार्किया की हालांकि टीम को कमी खल रही है। जहां तक पंजाब की बात है तो पिछले दोनों मैचों में मुंबई इंडियंस और कोलकाता नाइट राइडर्स के हाथों हार के बाद अब उसके लिए भी करो या मरो की स्थिति बन गई है।
पंजाब के लिए यह सत्र उतार-चढ़ाव वाला रहा है। पिछले दो मैचों में उसके बल्लेबाजों ने अच्छा प्रदर्शन किया लेकिन गेंदबाजों ने उसे निराश किया। पंजाब की टीम बल्लेबाजी में अब भी कप्तान शिखर धवन पर निर्भर है जिन्होंने अपनी भूमिका अच्छी तरह से निभाई है लेकिन यही बात उनके सलामी जोड़ीदार प्रभसिमरन सिंह के बारे में नहीं कही जा सकती है। भानुका राजपक्षे चोट से वापसी करने के बाद अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाए लेकिन विकेटकीपर बल्लेबाज जितेश शर्मा और ऑलराउंडर लियाम लिविंगस्टोन ने लंबे शॉट खेलने के अपने कौशल का अभी तक अच्छा नमूना पेश किया है। गेंदबाजी में अर्शदीप सिंह टीम के प्रमुख गेंदबाज है लेकिन वह और दो अन्य तेज गेंदबाज नाथन एलिस और सैम कुरेन रन प्रवाह पर रोक लगाने में नाकाम रहेहैं। स्पिनरों में राहुल चाहर के प्रदर्शन में निरंतरता का अभाव है। लिविंगस्टोन ने भी पांच मैचों में केवल दो विकेट लिए हैं। बाएं हाथ के स्पिनर हरप्रीत बराड़ ने भी 10 मैचों में केवल पांच विकेट हासिल किए हैं। टीम इस प्रकार है: पंजाब किंग्स- शिखर धवन (कप्तान), शाहरुख खान, मैथ्यू शॉर्ट, प्रभसिमरन सिंह, भानुका राजपक्षे, जितेश शर्मा, गुरनूर सिंह बराड़, ऋषि धवन, लियाम लिविंगस्टोन, अथर्व तायडे, अर्शदीप सिंह, बलतेज सिंह, नाथन एलिस, कगिसो रबाडा, राहुल चाहर, हरप्रीत बराड़, सैम कुरेन, सिकंदर रजा, हरप्रीत भाटिया, विद्वाथ कावेरप्पा, मोहित राठी, शिवम सिंह। दिल्ली कैपिटल्स- डेविड वॉर्नर (कप्तान), पृथ्वी साव, मिचेल मार्श, सरफराज खान, अमन हाकिम खान, अभिषेक पोरेल (विकेटकीपर), अक्षर पटेल, खलील अहमद, कुलदीप यादव, रोवमैन पॉवेल, रिले रोसौव, मुस्तफिजुर रहमान, चेतन सकारिया, मुकेश कुमार, फिल साल्ट, लुंगी एनगिडी, प्रवीण दुबे, ललित यादव, रिपल पटेल, विक्की ओस्तवाल, ईशांत शर्मा, मनीष पांडे, कमलेश नागरकोटी, यश ढुल। मैच भारतीय समयानुसार शाम 7:30 बजे से शुरू होगा।

बृजभूषण शरण सिंह ने खुद को बताया बेगुनाह

» बृजभूषण शरण सिंह के खिलाफ आरोपों की जांच के लिए एसआईटी का हुआ गठन

नयी दिल्ली ,12 मई 2023।
भारतीय कुश्ती महासंघ (डब्ल्यूएफआई) के अध्यक्ष बृजभूषण शरण सिंह के खिलाफ आरोपों की जांच के लिए दिल्ली पुलिस ने एक विशेष जांच दल (एसआईटी) का गठन किया है। डब्ल्यूएफआई प्रमुख पर पहलवानों द्वारा यौन उत्पीड़न और डराने-धमकाने का आरोप है। उनकी गिरफ्तारी की मांग को लेकर चल रहा प्रदर्शन 18वें दिन में प्रवेश कर गया है। पहलवानों की शिकायत पर बृजभूषण का बयान दर्ज किया गया और कुछ दस्तावेज भी जमा करने की मांग की गई। 66 वर्षीय सिंह ने अपने ऊपर लगे आरोपों से इनकार किया। दिल्ली पुलिस ने बताया कि पहलवानों की शिकायत पर डब्ल्यूएफआई अध्यक्ष बृजभूषण शरण सिंह का बयान दर्ज किया गया और कुछ दस्तावेज मांगे गए। बृजभूषण ने अपने ऊपर लगे आरोपों का खंडन किया।
दिल्ली पुलिस ने यह भी बताया कि चार महिला पुलिस अधिकारियों सहित छह पुलिस टीमों के साथ एसआईटी का गठन किया गया है। एक महिला डीसीपी की देखरेख में दस लोगों की टीम बनाई गई। बयान में आगे कहा गया है कि सहायक सचिव डब्ल्यूएफआई विनोद तोमर के बयान भी दर्ज किए गए। दिल्ली पुलिस की एफआईआर में विनोद तोमर भी आरोपी हैं। बताया गया है कि बृजभूषण शरण ने अपनी सफाई में कुछ वीडियो सबूत और मोबाइल डेटा जुटाने को कहा है। बृजभूषण से भी आगे एसआईटी पूछताछ करेगी। पहलवानों की शिकायत पर दिल्ली पुलिस की टीमें उत्तर प्रदेश, झारखंड, कर्नाटक और हरियाणा में जाकर पहलवानों की शिकायत पर साक्ष्य जुटा चुकी हैं। देश के बाहर जहां भी आरोप लगाए गए हैं, दिल्ली पुलिस संबंधित एजेंसियों के संपर्क में है।

ओलंपिक की तैयारी के लिये इंडोनेशियाई कोच की सेवायें लेंगे श्रीकांत

पेरिस ,12 मई 2023।
ओलंपिक को ध्यान में रखकर भारत के स्टार बैडमिंटन खिलाड़ी किदाम्बी श्रीकांत ने इंडोनेशिया के कोच विम्पी नाहार्डी की सेवायें लेने का फैसला किया है। पेरिस ओलंपिक 2024 की क्वालीफिकेशन अवधि एक जून से शुरू हो रही है। खराब फॉर्म से जूझ रहे श्रीकांत ने अपने खेल में सुधार के लिये यह फैसला लिया है। उन्होंने पीटीआई से कहा ,'' मैं दिसंबर 2021में एगस के जाने के बाद से एक कोच की तलाश में था। अब मेरे पास इंडोनेशियाई कोच विम्पी नाहार्डी हैं। मैं उनसे तब मिला था जब तीन सप्ताह के लिये इंडोनेशिया गया था। वह अप्रैल के आखिरी सप्ताह में भारत आ गए हैं।''
इंडोनेशिया के एगस द्वि संतोसो के जाने के बाद से भारतीय पुरूष एकल टीम के पास विदेशी कोच नहीं है। पी वी सिंधू ने फरवरी में पार्क ताए सांग से अलग होने का फैसला किया जो पुरूष एकल खिलाड़ियों की भी मदद कर रहे थे।

बीडब्ल्यूएफ सुदीरमन कप 2023: का आगाज 14 मई से

नयी दिल्ली ,12 मई 2023।
एचएस प्रणय, पीवी सिंधु जैसे भारतीय बैडमिंटन सितारे और चिराग शेट्टी और सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी की जोड़ी बीडब्ल्यूएफ सुदीरमन कप 2023 में भाग लेने के लिए पूरी तरह तैयार है। यह कार्यक्रम चीन के सूज़ौ में होने वाला है। 14 मई, 2023 से शुरू।
भारतीय प्रशंसकों को दो बार की ओलंपिक पदक विजेता पीवी सिंधु, कॉमनवेल्थ गेम्स चैंपियन चिराग शेट्टी और सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी, गायत्री गोपीचंद पुलेला, अश्विनी पोनप्पा और कई अन्य बड़े नामों से बहुत उम्मीदें होंगी। चीन भी अपने घरेलू सरजमीं पर अपने खिताब का बचाव करना चाहेगा।
बीडब्ल्यूएफ सुदीरमन कप 2023- अनुसूची
रविवार 14 मई 2023
सुबह 10 बजे
ग्रुप सी - आईएनडी बनाम टीपीई
ग्रुप डी - एफआरए बनाम कोर
ग्रुप सी - ऑस्ट्रेलिया बनाम एमएएस
शाम 5 बजे
ग्रुप डी - इंग्लैंड बनाम जेपीएन
ग्रुप ए - एसजीपी बनाम डेन
ग्रुप ए - ईजीवाई बनाम सीएचएन
सोमवार 15 मई 2023
सुबह 10 बजे
ग्रुप बी - कैन बनाम आईएनए
ग्रुप बी - जीईआर बनाम टीएचए
ग्रुप सी - एयूएस बनाम टीपीई
शाम 5 बजे
ग्रुप सी - आईएनडी बनाम एमएएस
ग्रुप डी - एफआरए बनाम जेपीएन
ग्रुप डी - इंग्लैंड बनाम केओआर
मंगलवार 16 मई 2023
सुबह 10 बजे
ग्रुप बी - आईएनए वी जीईआर और टीएचए वी कैन
शाम 5 बजे
ग्रुप ए - सीएचएन वी एसजीपी और डेन वी ईजीवाई
बुधवार 17 मई 2023
सुबह 10 बजे
ग्रुप सी - एमएएस वी टीपीई और आईएनडी वी एयूएस
शाम 5 बजे
ग्रुप डी - जेपीएन बनाम कोर और एफआरए बनाम इंग्लैंड
गुरुवार 18 मई 2023
रात 10 बजे
ग्रुप बी - आईएनए वी टीएचए और जीईआर वी कैन

ग्रुप डी: जापान, दक्षिण कोरिया, फ्रांस और इंग्लैंड
बीडब्ल्यूएफ सुदीरमन कप 2023- दस्तों
समूह अ
चीन: फेंग यान झे, ली शि फेंग, लियांग वेई केंग, लियू यू चेन, लू गुआंग जू, ओउ जुआन यी, शि यू क्यूई, वांग चांग, झेंग सी वेई, चेन किंग चेन, चेन यू फी, हे बिंग जिओ, हुआंग डोंग पिंग, हुआंग हां किओंग, जिया यी फैन, लियू शेंग शू, टैन, निंग, वांग झी यी, झांग शू जियान, झेंग यू
डेनमार्क: एंटोनसेन एंडर्स, एस्ट्रुप किम, एक्सलसन विक्टर, बे जेप्पे, क्रिस्टियनसेन मथियास, जेमके राससम, मोलजेडे लासे, राससुसेन एंडर्स स्कारुप, सोगार्ड फ्रेडरिक, थायरी मैथियास, ब्लिचफेल्ट मिया, बोजे अलेक्जेंडर, क्रिस्टोफरसेन लाइन, फरूगार्ड मायकेन, केजर्सफेल्ट लाइन हॉजमार्क, मैगलुंड अमली, थायगेसन सारा
सिंगापुर: ही योंग काई टेरी, क्रेक जून लियांग एंडी, लोह कीन हीन, लोह कीन यू, द जिया हेंग जेसन, चुआ हुई जेन ग्रेस, जिन यू जिया, टैन वेई हान जेसिका, वोंग जिया यिंग क्रिस्टल, येओ जिया मिन
मिस्र: ईगामल अधम हाटम, एज़्ज़त करीम महमूद मोंटसेर, सलाह अहमद, अहमद युसरी आवर, एलादावी रहमा मोहम्मद साद, हनी दोहा, ज़हर हाना तारेक
ग्रुप बी
इंडोनेशिया: अल्फियन फजर, अर्दियांतो मुहम्मद रेन, कारनांडो लियो रोली, क्रिस्टी जोनाथन, फर्डिनस्याह देजन, गिदोन मार्कस फर्नाल्डी, गिंटिंग एंथोनी सिनिसुका, मार्थिन डैनियल, मौलाना अदनान, रिवाल्डी रिनोव, सुकामुल्जो केविन संजया, मारवाह नीता वायलिन, मायासारी लैनी ट्रिया, मेंटारी पिथा हनिंग्त्यास, रहयु अप्रियानी, रामधंती सिती फादिया सिल्वा, सुगियार्तो रिबका, तुनजुंग ग्रेगोरिया मारिस्का, वरदानी पुत्री कुसुमा, विदजाजा ग्लोरिया इमानुएल

इंटरकांटिनेंटल कप के पहले मैच में भारत का सामना मंगोलिया से होगा

नयी दिल्ली ,12 मई 2023।
भारतीय पुरुष फुटबॉल टीम आगामी इंटरकांटिनेंटल कप के पहले दिन मंगोलिया से भिड़ेगी, जो 9 जून को भुवनेश्वर के कलिंगा स्टेडियम में शुरू होगा।
प्रतियोगिता में अन्य दो टीमें, लेबनान और वानुअतु, एक ही दिन भिड़ेंगी, जो टूर्नामेंट का पहला मैच होगा। यह आयोजन कतर में 2023 एएफसी एशियन कप के लिए भारत की तैयारियों का हिस्सा है। इंटरकांटिनेंटल कप के तुरंत बाद, भारत 21 जून से 3 जुलाई तक बेंगलुरू में होने वाली एसएएफएफ चैंपियनशिप खेलेगा।
राष्ट्रीय टीम मुख्य कोच इगोर स्टीमाक के नेतृत्व में 15 मई से टूर्नामेंट की तैयारी के लिए भुवनेश्वर में डेरा डालेगी।यह इंटरकांटिनेंटल कप का तीसरा संस्करण होगा, जिसमें पिछले दो मुंबई (2018) और अहमदाबाद (2019) में आयोजित किए जाएंगे।

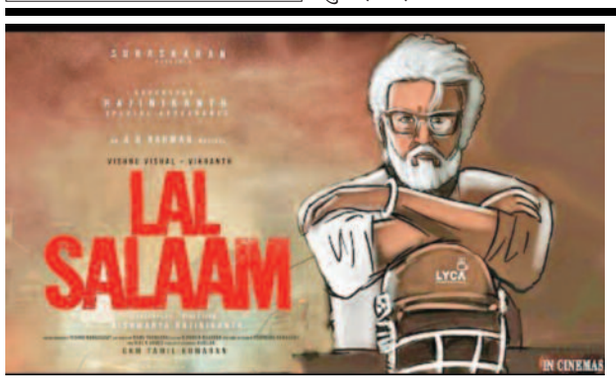

लाल सलाम से सामने आया रजनीकांत का दमदार लुक

करीब डेढ़ दशक बाद ऐश्वर्या रजनीकांत ने निर्देशन में वापसी की है. 8 मई को, फिल्म निर्माता और लाइका प्रोडक्शंस ने ऐश्वर्या के निर्देशन में बनने वाली उनकी अगली फिल्म लाल सलाम का पहला पोस्टर रिलीज किया है. फिल्म में रजनीकांत का कैमियो रोल देखने को मिलेगा, जो लाल सलाम में मोइदीन भाई के रोल में नजर आएंगे. फिल्म के पोस्टर में उनके लुक से पर्दा उठ गया है. ब्लैक शेड्स के साथ सिर पर लाल टोपी और शेरवानी पहने वो पोस्टर में दमदार लुक के साथ नजर आ रहे हैं.
लाल सलाम की शूटिंग इन दिनों जोर-शोर से चल रही हैं. वहीं आधी रात को इस फिल्म का पोस्टर रिलीज हुआ, जिसमें हर कोई रजनीकांत का लुक देखकर दंग है. अभिनेता को इस लुक में पहचानना मुश्किल हो रहा है. मोइदीन भाई के किरदार में पर्दे पर छाने के लिए वो पूरी तरह से तैयार हैं.
बता दें, ऐश्वर्या पिछले कुछ महीनों से तमिलनाडु और उसके आसपास फिल्म की शूटिंग में व्यस्त हैं. लाल सलाम में विष्णु विशाल और विक्रांत मुख्य भूमिकाओं में हैं, वहीं रजनीकांत का फिल्म में केमियो रोल देखने को मिलेगा. पोस्टर शेयर करने के साथ ऐश्वर्या ने लिखा है, #मोइदीनभाई...स्वागत है!...लाल सलाम कैप्शन नहीं दे सकते जब आपके दिल की धड़ने बढ़ी हो. ब्लेसेड लाइका प्रोडक्शंस ने पोस्टर को अंग्रेजी और तमिल दोनों में शेयर किया है और रजनीकांत को सबका पसंदीदा भाई बताया है.
बता दें, रजनीकांत आखिरी बार साल 2021 में फिल्म दरबार और अन्नात्थे में नजर आए थे. उनकी फिल्म जेलर का भी फैंस बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं जिसमें उनका लीड रोल देखने को मिलेगा. इसके अलावा लाल सलाम में वो छोटे लेकिन दमदार रोल में दिखाई देंगे. लाल सलाम इस साल भव्य रिलीज के लिए तैयार है. जल्द ही, फिल्म को लेकर आधिकारिक घोषणा की जाएगी.

मरमेड लुक में ग्लैमरस दिखीं निक्की तंबोली, फंट कट ड्रेस में क्लीवेज फ्लॉन्ट कर खींचा लोगों का अटेंशन

बिग बॉस सीजन 14 फेम निक्की तंबोली हमेशा से अपने बोल्ड फोटोशूट और परफेक्ट फिगर के कारण सोशल मीडिया पर सुर्खियां बटौरती रहती हैं। उनका हर एक लुक फैंस के बीच शेयर होते ही ट्रेंड करने लग जाता है। हालांकि एक्ट्रेस ने एक बार फिर से अपनी लेटेस्ट मरमेड आउटफिट में फोटोज शेयर कर इंटरनेट पर सनसनी मचा दी हैं। इन फोटोज में उनकी हॉटनेस देख यूजर्स के पसीने छूट गए हैं। एक्ट्रेस निक्की तंबोली आज किसी भी पहचान की मोहताज नहीं हैं।
एक्ट्रेस जब भी अपनी तस्वीरें इंस्टाग्राम पर शेयर करती हैं तो वो चंद ही मिनटों में वायरल होने लग जाती हैं। निक्की तंबोली हर बार अपनी बोल्ड तस्वीरों से फैंस का ध्यान अपनी ओर खींच लेती हैं। हाल ही में एक्ट्रेस ने अपने लेटेस्ट फोटोशूट के दौरान की बेहद ग्लैमरस तस्वीरें इंस्टाग्राम अकाउंट पर पोस्ट की हैं। इन तस्वीरों में निक्की तंबोली की हॉटनेस देख फैंस के दिलों की धड़कनें तेज हो गई हैं, और लोग उनकी तारीफ करते नहीं थक रहे हैं। निक्की तंबोली ने इन तस्वीरों में ब्लू कलर का मरमेड लुक में डीपनेक गाउन पहना हुआ है। ओपन कर्ली हेयर और लाइट मेकअप कर के एक्ट्रेस ने अपने इस आउटलुक को कंप्लीट किया है। बता दें कि एक्ट्रेस निक्की तंबोली ने कैमरे के सामने किलर लुक्स में डीपनेक क्लीवेज फ्लॉन्ट करते हुए बेहद सिजलिंग और हॉट पोज दिए हैं। निक्की तंबोली सोशल मीडिया लवर हैं। आए दिन अपनी लेटेस्ट तस्वीरों के जरिए फैंस के साथ जुड़ी रहती हैं। हालांकि यूजर्स उनके लुक को फॉलो भी करते हैं।

मुझे सच बोलने के लिए विवादास्पद करार दिया गया है : शर्लिन चोपड़ा

अभिनेत्री शर्लिन चोपड़ा का एक हिप-हॉप गीत आने वाला है, जो बॉलीवुड में उनकी विवादास्पद यात्रा के इर्द-गिर्द घूमता है।
यह पूछे जाने पर कि क्या उन्हें विवादास्पद होने में मजा आता है, उन्होंने कहा: सच विवादास्पद होता है और इसलिए जब मैं सच बोलती हूं, तो मुझे विवादास्पद करार दिया जाता है! मेरा आगामी रैप गीत उद्योग में मेरी रोलर-कोस्टर यात्रा के बारे में बहुत कुछ बताता है। इसलिए यह वास्तव में मेरे दिल के करीब है और मेरे लिए किसी भी अन्य प्रोजेक्ट से कहीं अधिक मायने रखता है।
गाने के विवरण के बारे में बात करते हुए, शर्लिन ने कहा कि यह मुंबई के बाहरी इलाके में फिल्माया गया है और यह तेज गति वाला और स्वैग वाला गाना है। मुझे यकीन है कि यह विशेष रूप से युवाओं द्वारा बेहद पसंद किया जा रहा है! मैंने रैप गीत और इसके संगीत वीडियो में अपना दिल और आत्मा डाल दी है! मैंने इस गीत के लिए अच्छे शेप में रहने के लिए खूब वर्कआउट किया है।
जल्द ही रिलीज होने वाले हिप-हॉप गाने के अलावा, शर्लिन तीन बैक-टू-बैक शॉर्ट फिल्में और एओटीटी प्लेटफॉर्म पर एक वेब-सीरीज में भी नजर आएंगी।

बेल्लमकोंडा साई श्रीनवास की छत्रपति को मिला यू/ए सर्टिफिकेट

दक्षिण भारतीय सिनेमा के मशहूर अभिनेता बेल्लमकोंडा साई श्रीनवास फिल्म छत्रपति के जरिए हिंदी सिनेमा में कदम रखने के लिए तैयार हैं। इसमें अभिनेत्री नुसरत भरूचा भी मुख्य भूमिका में नजर आएंगी। छत्रपति साल 2005 में आई प्रभास अभिनीत एसएस राजामौली की सुपरहिट फिल्म छत्रपति का हिंदी रीमेक है। अब खबर है कि छत्रपति को सेंसर बोर्ड ने यू/ए सर्टिफिकेट देकर पास कर दिया है। इसका मतलब है कि इस फिल्म को बच्चे बड़ों की निगरानी में देख सकते हैं।
यह फिल्म 2 घंटा, 3 मिनट और 47 सेकंड की होगी। फिल्म छत्रपति के हिंदी रीमेक में श्रीनवास और नुसरत के अलावा भाग्यश्री, शरद केलकर और करण सिंह छाबरा भी प्रमुख भूमिकाओं में नजर आने वाले हैं। यह फिल्म 12 मई, 2023 को सिनेमाघरों का दरवाजा खटखटाने के लिए तैयार है।

छत्रपति के हिंदी रीमेक का निर्देशन वीवी विनायक ने किया है, जबकि इसका निर्माण डॉ जयंतीलाल गडा ने किया है।
अब छत्रपति के हिंदी रीमेक का ट्रेलर सामने आ चुका है, जिसे प्रशंसकों द्वारा खूब प्यार मिल रहा है।
यह फिल्म इसलिए भी खास है क्योंकि इसके जरिए तेलुगु अभिनेता बेल्लमकोंडा साई श्रीनवास भारतीय सिनेमा में कदम रखने के लिए तैयार है। अब श्रीनवास ने अपनी पहली हिंदी फिल्म पर प्रतिक्रिया दी है।
ट्रेलर लॉन्च के दौरान श्रीनवास ने कहा, मेरी ऐसी कई फिल्में हैं, जिन्हें देश भर के लोगों ने देखा है। चिरंजीवी और वेंकटेश जैसे अभिनेता हिंदी फिल्मों में नजर आ चुके हैं और अब मेरी बारी है। मैं बस एक नई चुनौती लेना चाहता था। यह पहाड़ पर चढ़ने जैसा है, मैं गिर सकता हूं लेकिन मैं कोशिश करता रहूंगा। यह एक सपने सच होने जैसा है।

गुरूचरण होरा के घर-कार्यालय में ईडी की दबिश

दुर्ग में कारोबारी के निवास पर सीबीआई की रेड

रायपुर, 12 मई 2023(ए)। छत्तीसगढ़ में शराब घोटाला मामले की जांच कर रही ईडी की टीम ने आज तड़के ही राजधानी के एक बड़े कारोबारी के यहां दबिश दी है। वहीं दुर्ग में भी सीबीआई की टीम ने करोड़ों के शेयर घालमेल मामले में एक व्यापारी के घर में दबिश दी है। बताया जाता है कि सीबीआई को आता देख सीए ने महत्वपूर्ण पेपर्स जलाकर नष्ट कर दिया।

पहली खबर राजधानी रायपुर से निकलकर आ रही है। बताया जाता है कि यहां देवेन्द्र नगर इलाके में प्रवर्तन निदेशालय की टीम ने करोबारी गुरू चरण होरा के घर में दबिश दी है। यह कार्रवाई राज्य में कथित 2 हजार करोड़ रूपए के शराब घोटाले से जुड़ी बताई जा रही है। सुबह करीब 5 बजे ईउी की टीम ने श्री होरा के घर में दबिश देकर अपनी जांच शुरू कर दी है। इसके पूर्व इस मामले में अनवर ढेबर पहले ही गिरफ्तार किया जा चुका है। अनवर ढेबर को राजधानी रायपुर के ग्रैंड इम्पीरिया होटल से पकड़ा गया था। यह होटल कारोबारी होरा के ही अधीन में है। ईडी के अनुसार अनवर ढेबर के अवैध धंधे में गुरूचरण होरा के साझेदारी की भी बात सामने आ रही है। बहरहाल ईडी की टीम होरा के निवास व कार्यालय की सघन जांच-पड़ताल कर रही है।

सीबीआई ने दुर्ग में संभाला मोचा : दूसरी ओर दुर्ग के पदमनाथपुर में सीबीआई की टीम ने मिनी स्टेडियम के सामने रहने कोठारी निवास और उनके कार्यालय में एक साथ दबिश दी है। बताया जाता है कि कारोबारी सुरेश कोठारी और उसके सीए भाई श्रीपाल कोठारी के घर की जांच की जा रही है। इन पर करोड़ों के शेयर्स में घालमेल करने का आरोप है। बताया जाता है कि सीबीआई टीम को देखते ही सीए श्रीपाल कोठारी ने कई महत्वपूर्ण दस्तावेजों को जलाकर नष्ट कर दिया। सूत्रों की माने तो दुर्ग के सुरेश कोठारी, सिद्धार्थ

कोठारी और सीए श्रीपाल कोठारी के खिलाफ 420, 467, 468, 471, 406, 120 बी के तहत अपराध दर्ज किया गया था। यह केस कोलकाता में दर्ज है। दर्ज मामले के अनुसार वर्ष 2005 में शिकायतकर्ता प्रकाश जयसवाल ने रजत बिल्डकॉन इंडिया प्राइवेट लिमिटेड के 40,000 शेयर खरीदे थे। इन शेयर्स की वर्तमान कीमत लगभग 54 करोड़ है। सुरेश कोठारी और उनके भाइयों ने जयसवाल के शेयर्स को धोखे से अपने नाम कर लिया था। प्रकरण की सुनवाई अभी न्यायालय में चल रही है।

दो बड़े होटल और जमीन कारोबारी के घर ईडी की रेड, कुछ ने छोड़ा शहर

ईडी की टीम लगातार प्रदेश में नेता, अधिकारियों को अपना निशाना बना रही है। इसी के तहत आज शुक्रवार को ईडी की टीम बड़े होटल, जमीन से जुड़े कारोबारियों एवं कृषि विभाग के बड़े सप्लायर के घर छापेमारी की है।

सूत्र बता रहे हैं कि कुछ व्यापारी ईडी की धमक के बाद से ही काफी सतर्क थे। इनमें से कुछ पहले ही गायब हो चुके हैं। बता दें ईडी ने व्हीआईपी रोड स्थित होटलों के कारोबारियों के घर दबिश दी है।

अज्ञात ने ड्रोन से की ईडी छापेमारी की निगरानी,जल्द होगा गिरफ्त में

प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने छत्तीसगढ़ राज्य में शराब घोटाले में चल रही मनी लॉन्ड्रिंग केस की जांच में गिरफ्तार नितेश पुरोहित और त्रिलोक सिंह ढिल्लन (पप्पू) के पास से तलाशी के दौरान, और पीओसी होने के संदेह में 28 करोड़ रुपये की चल संपत्ति का पता लगाया गया और सीज किया है। इसके अलावा 52 लाख रुपये कैश भी जब्त किया गया है। प्रेस नोट में यह भी कहा गया कि ढिल्लन के परिसरों में तलाशी अभियान के दौरान अज्ञात व्यक्तियों द्वारा हवाई ड्रोन की मदद से ईडी के अभियान पर अवैध निगरानी रखी गई थी।

प्रेस नोट में कहा गया कि ईडी 2019 से 2022 के बीच शराब घोटाले की जांच कर रहा है जिसमें अवैध रूप से धन अर्जित किया गया। ईडी की जांच में खुलासा हुआ है कि अनवर ढेबर का करीबी सहयोगी नितेश पुरोहित अवैध रूप से जमा की गई नगदी को संभालने

और ले जाने में शामिल था। वह अनवर ढेबर के निर्देशानुसार नकदी का परिवहन कर रहा था। ईडी की जांच से यह भी पता चला है कि त्रिलोक सिंह ढिल्लों मनी लॉन्ड्रिंग के एक क्लासिक मोड के माध्यम से अपराध की कार्यवाही के प्रमुख लाभार्थी थे। उसने स्वेच्छा से और जानबूझकर अपने बैंक खातों और फर्मों को बड़ी मात्रा में अपराध की आय के स्तर के लिए उपयोग करने की अनुमति दी है।

बिना किसी उचित स्पष्टीकरण के, उसने एफएल-10 लाइसेंस धारकों से बैंकिंग चैनलों के माध्यम से धन को असुरक्षित ऋण के रूप में दिखाया और एफडी के रूप में रखा। उसने बड़े देशी शराब सप्लायरों से व्यापारिक लेन-देन की आड़ में घूस भी लिया और पैसे अपने पास रख लिए। दिखाए गए अंतर्निहित व्यापारिक लेन-देन पूरी तरह से फर्जी पाए गए हैं। ईडी ने मनी लॉन्ड्रिंग में शामिल उनकी फर्मों के नाम पर 27.5 करोड़ रुपये की एफडी को फ्रीज कर दिया है और 52 लाख रुपये की बेहिसाब नकदी भी जब्त की है। दोनों ही ईडी की रिमांड पर हैं।

सरकारी अस्पतालों को मिले 106 नए चिकित्सक और 28 विशेषज्ञ

रायपुर, 12 मई 2023(ए)। प्रदेश के शासकीय अस्पतालों में 106 नए चिकित्सा अधिकारियों और 28 विशेषज्ञ चिकित्सकों की नियुक्ति की गई है। राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन, छत्तीसगढ़ द्वारा आज इन नवीन चिकित्सा अधिकारियों और विशेषज्ञ चिकित्सकों की पदस्थापना के आदेश जारी किए गए हैं। राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के अंतर्गत बिलासपुर संभाग में 27, दुर्ग संभाग में 25, रायपुर संभाग में 24, बस्तर संभाग में 16 और सरगुजा संभाग में 14 चिकित्सा अधिकारियों की नियुक्ति की गई है। इन डॉक्टरों को संबंधित संभाग के विभिन्न ग्रामीण और शहरी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों तथा जिला चिकित्सालयों में पदस्थ किया गया है। राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन द्वारा प्रदेश के विभिन्न जिला चिकित्सालयों में 28 नए विशेषज्ञ चिकित्सकों की भी नियुक्ति की गई है।

चावल घोटाले के आरोप पर मंत्री अमरजीत भगत का पलटवार,

गड़बड़ी निकला तो इस्तीफा दे दूंगा,क्या रमन सिंह देंगे इस्तीफा ?

रायपुर, 12 मई 2023(ए)। चावल घोटाले की जांच के लिए केंद्रीय टीम रायपुर में है। इधर सेंट्रल टीम की जांच को लेकर सियासत भी तेज है। रमन सिंह के कांग्रेस पर चावल घोटाले के आरोप पर पलटवार करते हुए खाद्य मंत्री अमरजीत भगत ने कहा कि अगर घोटाला साबित हो जायेगा, तो वे अपने पद से इस्तीफा दे देंगे। अमरजीत ने मंत्री भगत ने कहा कि घोटाले का आरोप बेबुनियाद है। उन्होंने रमन सिंह को चुनौती देते हुए कहा कि जांच में गड़बड़ी निकला तो इस्तीफा दे दूंगा, अगर गड़बड़ी नहीं निकला तो क्या रमन सिंह देंगे इस्तीफा ? वहीं चावल घोटाले की जांच करने आई केंद्र एजेंसी पर सीएम भूपेश बघेल ने कहा कि रमन सिंह पहले अपने घोटाले की जांच करा लें। जितनी टीम आनी है आ जाए छत्तीसगढ़ कुछ होना वाला नहीं है। आपको बता दें कि गुरुवार को केंद्रीय खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति विभाग की टीम चावल घोटाले की जांच के लिए रायपुर पहुंची। पूर्व मुख्यमंत्री डॉ. रमन सिंह की शिकायत पर केंद्रीय खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति मंत्रालय द्वारा गठित पांच सदस्यीय जांच टीम रायपुर पहुंची है। केंद्रीय दल में एसआर मीना (डीएस), राजेश कुमार (यूएस), अंकित त्यागी (कंसल्टेंट सीपीएमयू), राहुल (टेक्निकल ऑफिसर) और अन्नपूर्णा (टेक्निकल डायरेक्टर आईटी, हैदराबाद) को शामिल किया गया है। पूर्व मुख्यमंत्री डॉ रमन सिंह ने चावल घोटाले की जांच के लिए पहुंची टीम को लेकर कहा कि हम लोगों ने शिकायत किया था, जांच के लिए केंद्र से टीम आई हुई है। टीम दुकानों में जाकर देख रही है कि किस प्रकार गरीबों के चावल का छत्तीसगढ़ में लूट मचा है। 5000 करोड़ का घोटाला हुआ है। बीजेपी इस मुद्दे पर काफी आक्रामक है।

छत्तीसगढ़ की पहली बिटिया जिसने तीन महाद्वीपों की सबसे ऊंची चोटी पर की चढ़ाई

रायगढ़ , 12 मई 2023(ए)। रायगढ़ की पर्वतारोही याशी जैन तीन चोटी 6116 मीटर पर सफलता प्राप्त करने के बाद अब माउंट एवरेस्ट फतह करने पहुंच गई हैं. पर्वतारोही याशी की फाइनल एवरेस्ट समिट यात्रा शुक्रवार रात से शुरू होगी. मौसम अनुकूल बना रहा तो आने वाले अगले 5, 6 दिनो में वो फाइनल सम्मिट करेंगी।

याशी जैन माउंट एवरेस्ट की सबसे ऊंची चोटी को फतह करके तिरंगा संग बेटी बचाओ का परचम फहराएंगी और छत्तीसगढ़, रायगढ़ का नाम देश में रौशन करेंगी. याशी माउंट एवरेस्ट की चढ़ाई के लिए जाने वाली 15 सदस्यीय टीम में छत्तीसगढ़ की एकमात्र सदस्य हैं. माउंट एवरेस्ट फतह करने का उनकी टीम का ये अभियान 1 अप्रैल से शुरू हो चुका है, जो 45 दिनों तक चलेगी।

व्यापमं ने विभिन्न परीक्षाओं के लिए जारी की परीक्षा तिथि

रायपुर,12 मई 2023(ए)। छत्तीसगढ़ व्यावसायिक परीक्षा मंडल द्वारा वर्ष 2023-24 में छत्तीसगढ़ राज्य लघु वनोपज (व्यापार एवं विकास) सहकारी संघ मर्यादित, संचालनालय पशु चिकित्सा सेवाएं एवं कार्यालय श्रमायुक्त के अंतर्गत विभिन्न भर्तियों के लिए प्रस्तावित परीक्षा कार्यक्रम का निर्धारण कर दिया है।

सहायक प्रबंधक (उपार्जन, निर्माण, प्रक्रिया) भर्ती परीक्षा 2023 तथा सहायक प्रबंधक (प्रबंधन) भर्ती परीक्षा के आनलाइन आवेदन 12 मई से 29 मई तक भरे जा सकेंगे। इसके त्रुटि सुधार की तिथि 30 मई से 1 जून तक रहेगी। 5

जून को प्रवेश पत्र जारी किये जाएंगे। 11 जून को दो पालियों में परीक्षा आयोजित की जाएगी।

सहायक पशु चिकित्सा क्षेत्र अधिकारी भर्ती परीक्षा 2023 के आनलाइन आवेदन 12 मई से 29 मई तक भरे जा सकेंगे। इसके त्रुटि सुधार की तिथि 30 मई से 1 जून तक रहेगी। इसके लिए 9 जून को प्रवेश पत्र जारी किये जाएंगे। इसकी परीक्षा 17 जून को होगी।

सहायक श्रम पदाधिकारी, श्रम निरीक्षक एवं श्रम उपनिरीक्षक भर्ती परीक्षा 2023 के आनलाइन आवेदन 12 मई से 29 मई तक किये जाएंगे। इसके त्रुटि सुधार की तिथि 30 मई से 1 जून तक है। प्रवेश पत्र जारी करने की तिथि 10 जून होगी। इसके लिए प्रवेश परीक्षा 18 जून को होगी। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल की घोषणा के अनुरूप इन परीक्षाओं के लिए छत्तीसगढ़ के स्थानीय निवासी प्रतिभागियों से किसी तरह का प्रवेश शुल्क नहीं लिया जाएगा।

छत्तीसगढ़ हाई कोर्ट में ग्रीष्म कालीन अवकाश में भी होगी सुनवाई

आठ अवकाशकालीन बेंच का गठन

बिलासपुर,12 मई 2023 (ए)। छत्तीसगढ़ हाई कोर्ट में 15 मई से नौ जून तक ग्रीष्मकालीन अवकाश रहेगा। ग्रीष्मकालीन अवकाश के दिनों में लोगों की सुविधा के लिए अवकाशकालीन बेंच का भी गठन किया गया है। अवकाश के दौरान अलग अलग तिथियों में आठ अवकाशकालीन बेंच का गठन किया जाएगा। इसमें मामलों की सुनवाई होगी।

अवकाश के दौरान अगर किसी को अत्यावश्यक कार्य के सिलिसिसले में हाई कोर्ट से राहत व न्याय की जरुरत है तो वे अर्जेंट हियरिंग के जरिए हाई कोर्ट में सुनवाई के लिए याचिका दायर कर सकेंगे। छत्तीसगढ़ हाई कोर्ट के चीफ जस्टिस के निर्देश पर बेंच का गठन किया जाएगा और मामलों की सुनवाई होगी। ऐसे मामलों में बेंच मेरिट के आधार पर अपना फैसला सुनाएंगे। रजिस्ट्रार जनरल द्वारा जारी अधिसूचना के अनुसार गीष्मकालीन अवकाश के बाद 12 जून 2023 को हाई कोर्ट खुलेगा।

छत्तीसगढ़ में सीजी-पीएससी रिजल्ट घोषित

रायपुर की प्रज्ञा नायक बनी टॉपर

रायपुर,12 मई 2023(ए)। छत्तीसगढ़ में सीजी-पीएससी 2021 के रिजल्ट जारी कर दिए गए है। सीजी पीएससी रिजल्ट 2023 11 मई को गुरुवार रात 11 बजे जारी किया गया। 171 पोस्ट पर भर्ती निकाली गई थी जिसका लंबे समय बाद रिजल्ट जारी किया गया है। इस साल सीजी-पीएससी में लड़कियों ने बाजी मारी है। रायपुर की रहने वाली 24 साल की प्रज्ञा नायक ने प्रदेश में टॉप किया है। प्रज्ञा के भाई प्रखर ने भी 20वीं रैंक हासिल की है। रायपुर के रहने वाले शशांक गोयल और उनकी पत्नी भूमिका कटियार ने भी कामयाबी हासिल की है,

तीसरी और चौथी रैंक हासिल की है। बता दें कि डिप्टी कलेक्टर के पोस्ट पर 15 लोगों का चयन हुआ है। इसके अलावा 30 डीएसपी पोस्ट पर चयन हुआ है। युवा अपना रिजल्ट सीजी पीएससी की वेबसाईट पर चेक कर सकते है। राज्य प्रशासनिक सेवा के लिए ये परीक्षा 26 से 28 मई तक 2022 में हुई थी। प्रदेश के 21 सरकारी विभागों में डिप्टी कलेक्टर, डीएसपी, राज्य वित्त सेवा और राजस्व सेवा जैसे 171 पदों के लिए 509 परिक्षार्थियों को इंटरव्यू के लिए शॉर्ट लिस्ट किया गया था। जो उम्मीदवार छत्तीसगढ़ पीएससी परीक्षा 2023 के लिए उपस्थित हुए, वह सीजी पीएससी की आधिकारिक वेबसाइट पीएससी.सीजी.जीओव्ही.आई एन सीजी पीएससी रिजल्ट 2023 पीडीएफ डाउनलोड कर सकते हैं।

बीएड-डीएलएड की प्रवेश परीक्षा 24 जून को

13 मई से भरे जायेंगे आवेदन, परीक्षा शुल्क माफ

रायपुर,12 मई 2023(ए)। व्यावसायिक परीक्षा मंडल ने बीएड और डीएलएड में दाखिले के लिए आवेदन की प्रक्रिया शुरू कर दी है। 13 मई से आवेदन की प्रक्रिया शुरू होगी, जो 28 मई तक चलेगी। वहीं परीक्षा 17 जून को होगी। बीएड और डीएलएड के साथ ही बीएससी नर्सिंग और पोस्ट बेसिक नर्सिंग के लिए भी आवेदन की प्रक्रिया शुरू हो गयी है। 13 मई से आवेदन की प्रक्रिया शुरू होगी और 24 जून को परीक्षा होगी। राज्य शासन द्वारा जारी सूचना में कहा गया है कि मुख्यमंत्री की घोषणा के अनुरूप इन प्रवेश परीक्षाओं में छग राज्य के स्थानीय निवासियों से परीक्षा शुल्क नहीं लिया जायेगा।

पिता आईएएस बेटा और बेटी बने डिप्टी कलेक्टर

रायपुर,12 मई 2023(ए)। भिलाई के तालपुरी निवासी दो भाई बहन ने पीएससी की परीक्षा में इतिहास रच दिया। बहन नेहा खलखों ने 13 वां रैंक हासिल किया वहीं निखिल 17 वें रैंक पर रहे। बता दें कि उनके पिता अमृत कुमार खलखो छत्तीसगढ़ शासन में राज्यपाल के सचिव हैं।

वही पिता अमृत खलखो श्रम सचिव व श्रम आयुक्त पद पर पदस्थ बेहद सफल अफसर माने जाते हैं। परिणाम की जानकारी मिलते ही खलखो परिवार में उल्लास का माहौल नजर आया। नेहा व निखिल दोनों ने ही कहा कि बचपन से ही वे अपने पिता अमृत खलखो एवं मां शार्मिला खलखो से प्रभावित थे और जन सेवा का लक्ष्य तय कर पीएसपी की परीक्षा दी थी। नेहा और निखिल जिले के सुदूरवर्ती गांव लस्सी अम्बा गांव से हैं। पीएससी रिजल्ट आउट होने के साथ ही इस गांव में लोग भी जमकर जश्न मना रहे हैं। नेहा खलखो ने बताया कि उन्होंने 2013 में यूपीएससी की परीक्षा दी थी। इसके बाद से वे बेहतर रैंक लाने लगातार प्रयासरत रहीं। कोरोना काल में उन्होंने ड्राप लेते हुए पीएसपी की तैयारी शुरू की। नेहा ने बताया कि पीएसपी में दूसरे प्रयास में वह सफल हुईं। वे स्वयं अध्ययन करने के साथ ही एक कोचिंग संस्थान में भी पढ़ाती थी। उन्होंने बताया कि पिता अमृत खलखो का मार्गदर्शन हम दोनों भाई बहनों को मिला। वहीं घर में बेहतर पढ़ाई का माहौल हमें मां शार्मिला खलखो से मिला। उन्होंने बताया कि जीवन में अनुशासन एवं लगन के साथ मेहनत करें तो सफलता मिलनी तय है।

परीक्षा में असफल होने पर कभी हार नहीं मानना चाहिए वरन आने वाली परीक्षा के लिए और भी बेहतर तैयारी करनी चाहिए। नेहा ने बताया कि उनके भाई निखिल और वे दोनों ही पीएससी के माध्यम से जन सेवा करने का लक्ष्य बनाकर ही पढ़ाई कर रहे थे और सफलता भी हासिल हुई। उन्होंने युवाओं को अपने संदेश में कहा कि परिश्रम से पीछे नहीं हटना चाहिए।

कैंसिल ट्रेनें फिर से दौड़ने लगी पटरियों पर

अब भी लेटलतीफी जारी

रायपुर ,12 मई 2023 (ए)। राजधानी रायपुर के रेल यात्रियों के लिए बड़ी खबर है। रायपुर रेलवे स्टेशन में मेगा ब्लाक की वजह से पिछले सात दिनों से कैंसिल चल रही करीब दर्जन भर से अधिक ट्रेनें फिर से पटरियों पर दौड़ने लगी। हालांकि रेल यात्रियों को ट्रेनों की लेटलतीफी से जूझना पड़ रहा है।

मेगा ब्लाक खत्म होने के बाद भी यात्रियों को नहीं मिली राहत

दरअसल, दर्जन भर से अधिक एक्सप्रेस और लोकल ट्रेनें घंटों विलंब से पहुंचने के कारण स्टेशन में बैठे यात्रियों को काफी परेशान होना पड़ा। उरकुरा में चिलचिलाती धूप में टीन शेड और टेंट के नीचे बैठकर ट्रेन का इंतजार कर रहे यात्रियों को पानी के लिए उधर-उधर भटकते रहे।

रायपुर स्टेशन में 24 घंटे का ब्लाक काफी चुनौतियों से भरा रहा। 50 हजार यात्रियों की आवाजाही वाले रायपुर स्टेशन में मंगलवार को जहां सन्नाटा पसरा था। वहीं बुधवार सुबह से ही स्टेशन में यात्रियों की भीड़ लगनी शुरू हो गई। स्टेशन के यार्ड के

आधुनिकीकरण और पटरी सुधारने का काम पूरा होने पर रेलवे प्रशासन ने राहत की सांस ली। ब्लाक खत्म होने की घोषणा बार-बार स्टेशन में होने यात्री अपनी-अपनी ट्रेनों के आने के इंतजार में बैठे रहे।

मेगा ब्लाक की वजह से सबसे अधिक परेशानी उरकुरा स्टेशन में बैठे यात्रियों को उठानी पड़ी। यहां टीन के मात्र दो शेड होने और वाटर कूलर की कमी से यात्रियों को कड़ी धूप में ट्रेन का इंतजार करना पड़ा। हालांकि रेलवे प्रशासन ने प्लेटफार्म पर कपड़े के तंबू पांच जगहों पर लगवाकर रखा था। यात्री यहीं पर पसीने से तरबतर होकर बैठे नजर आए।

लोकल ट्रेन रूकने से मिली राहत

उरकुरा स्टेशन में बिलासपुर जाने के लिए कई यात्री ट्रेन का इंतजार कर रहे थे। धनेली के गणेश राव, रवि साहू, भूषण, कोरबा के यात्री विकास कुमार, लक्ष्मण सारथी, देवेंद्र दीप आदि यात्रियों ने बताया कि एक्सप्रेस ट्रेनें नहीं रूक रही है। लोकल ट्रेन का इंतजार कर रहे हैं। ब्लाक खत्म होने से राहत मिली है लेकिन ट्रेनें घंटों लेट होने के कारण परेशान हैं।

प्रकाशक,मुद्रक,स्वामी अविनाश कुमार सिंह के द्वारा सांई ऑफसेट प्रिंटर्स,नमनाकला,संत हरकेवल विद्यापीठ के पास,अम्बिकापुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-अविनाश कुमार सिंह* (पी.आर.बी.कानून के अनुसार संपूर्ण संपादकीय दायित्व के लिए जिम्मेदार)
RNI Reg.No. CHHHIN/2004/15050,मो. 94062-23001,98265-32611,Email:ghatatighatana11@ gmail.com,Website:www.ghatatighatana.com, (सभी विवादों का न्याय क्षेत्र अम्बिकापुर न्यायालय मान्य होगा)